जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 280 प्रभात अजमेर, शुक्रवार 10 मई, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

'हमारी सरकार में मुझ पर देशद्रोह का केस हुआ, सहन करना मुश्किल, मैं खुलकर बोला कि, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता'

सचिन पायलट ने ए.एन.आई. को दिये इन्टरव्यू में खुलकर प्रदेश की राजनीति पर अपना पक्ष भी रखा

- ''विधायक दल की बैठक नहीं हो पाई, पता नहीं क्या रिज़ल्ट निकलकर आता? अच्छा होता कि, मीटिंग हो जाती।''
- पायलट ने कहा कि, राजस्थान में जनता के भ्रष्टाचार के मुद्दे थे, जिन पर पार्टी ने एक्शन लिया। मंत्रिपरिषद में कोई दलित मंत्री नहीं था। मैंने कहा था कि, यह गलत है, इसके बाद बदलाव हुए।
- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि, डिप्टी सी.एम. और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए हमारी ही सरकार में मुझ पर देशद्रोह का केस हुआ, इसे सहन करना मुश्किल होता है। इस पर मैं खुलकर बोला कि, इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता, बाद में सब चीजों का समाधान हुआ। हमने चुनाव के लिए मिलकर मेहनत की।

जयपुर, 9 मई (का.प्र.)। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने राजस्थान कांग्रेस की राजनीति को लेकर कहा कि, "2018 में सी.एम. का फैसला मुझसे बात करके ही किया था"। सन् 2018 में अशोक गहलोत को मु.मंत्री बनाए जाने और उन्हें यह पद नहीं मिलने के सवाल पर पायलट ने कहा कि, यह पार्टी का फैसला था। वर्ष 2018 का फैसला मुझसे बात करके किया था। साथ ही पायलट ने यह भी कहा कि, किस्मत में जो लिखा है, उसे कोई छीन नहीं सकता है। जो नहीं है, उसे कोई दे नहीं सकता।

न्यूज़ एजेंसी ए.एन.आई. को दिए इंटरव्यू में पायलट ने कहा-अब हम विपक्ष में हैं, सब भुलाकर काम करने की जरूरत है, किसने क्या छोटा-मोटा बोला इसे भूलकर आगे बढ़कर काम करने की जरूरत है।

इसी के साथ, 2022 में विधायक दल की बैठक नहीं होने के मुद्दे पर पायलट ने कहा कि, जो हुआ, सबके सामने हुआ। पार्टी ने कमेटी बनाई, जो मुद्दे थे, उन्हें कमेटी ने लिया, मंत्रिमंडल में फेरबदल किया। हाईकमान ने हमारी बातों को सुना। विधायकों की राय जानने के लिए ऑब्ज़र्वर भेजे, 25 सितंबर 2022 को दुर्भाग्य से विधायक दल की बैठक नहीं हो पाई। कांग्रेस विधायक दल की बैठक के लिए मल्लिकार्जुन खड़गे और अजय माकन जयपुर आए थे। उस बैठक का पता नहीं क्या रिज़ल्ट निकलकर आता? पर अच्छा होता कि एक बार मीटिंग हो जाती।

पायलट ने कहा कि, राजस्थान में जनता के भ्रष्टाचार के मुद्दे थे, जिन पर पार्टी ने एक्शन लिया। मंत्रिपरिषद में कोई दलित मंत्री नहीं था। मैंने कहा था कि यह गलत है, इसके बाद बदलाव हुए।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा कि, डिप्टी सी.एम. और कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए हमारी ही सरकार में मुझ पर देशद्रोह का केस हुआ, इसे सहन करना मुश्किल होता है। इस पर मैं खुलकर बोला कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता, बाद में सब चीजों का समाधान हुआ। हमने चुनाव के लिए मिलकर मेहनत की।

अशोक गहलोत के साथ कड़वाहट, खींचतान और सियासी उठापटक का कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में नुकसान होने के सवाल पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस नेताओं ने प्र.मंत्री मोदी को चुनौती दी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। कांग्रेस के अनेक वरिष्ठ नेताओं ने गुरुवार को प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा एक दिन पहले किए गए दावे को चुनौती दी है। जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के शीर्ष दो उद्योगपति अडाणी व अंबानी कांग्रेस को काले धन के बोरे टैम्पो में भरकर भेज रहे हैं। पार्टी की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने

- बुधवार को एक सभा में प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया था कि, कांग्रेस को अंबानी-अडाणी से टैम्पो में भर कई बोरे काला धन मिला है। इसके जवाब में आज कांग्रेस के नेताओं ने मोदी को अंबानी-अडाणी पर कार्यवाही करने की चुनौती दी।

कहा कि प्रधानमंत्री ने यह कहने का साहस तो किया कि उनके खुद के मित्र भ्रष्टाचार में शामिल है और वो कांग्रेस को भारतीय रुपयों के बंडल टैम्पों में भरकर भेज रहे हैं। श्रीनेत ने एक प्रेस कार्यक्रम में जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री के अधीन सभी जांच एजेन्सियां हैं जिन्हें वे मामले की जांच करने का आदेश दे सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'देश की जनसंख्या में 1950 व 2015 के बीच मुसलमानों की आबादी में 41.5 प्रतिशत वृद्धि हुई'

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति ने एक रिपोर्ट जारी कर यह दावा किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- समिति ने देश की जनसंख्या के बारे में कई और महत्वपूर्ण निष्कर्ष भी पेश किये।
- पर, सबसे ज्यादा यह सवाल उठाया जा रहा है कि, लोकसभा चुनाव के बीच यह रिपोर्ट जारी करना, हिन्दू-मुस्लिम दुराव को और बढ़ावा देने का प्रयास तो नहीं?

नई दिल्ली, 9 मई। लोकसभा चुनावों के शेष चार चरणों के दौरान साम्प्रदायिक उन्माद बनाए रखने की एक हताशापूर्ण कोशिश के तहत प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक काउन्सिल ने मीडिया में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें दावा किया गया है कि भारत में वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच हिन्दुओं की आबादी 7.82 प्रतिशत घटी, जबकि मुस्लिमों की आबादी में 41.15 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

हालिया रिपोर्ट (पेपर) को जारी करने का समय इस कदम के इरादों और उद्देश्यों पर कई सवाल खड़े करता है। पेपर में सुझाया गया है कि देश में विविधता के पोषित का कोई सकारात्मक माहौल नहीं है।

वर्तमान में जारी लोकसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया के बीच इस पेपर को सार्वजनिक किए जाने से स्पष्ट हो गया है कि इसका वास्तविक उद्देश्य सार्वजनिक चर्चाओं में हिन्दू-मुस्लिम विषय को जीवंत बनाए रखना है।

"शेयर ऑफ रिलीज़ंस माइनॉरिटीज़ : ए क्रॉस कंट्री एनालैसिस (1950-2015)" शीर्षक वाले इस पेपर में आगे कहा गया है कि "वर्ष 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक हिन्दुओं की आबादी 7.82 प्रतिशत घटी (84.68 प्रतिशत से 78.06 प्रतिशत।)। वर्ष 1950 में मुस्लिम आबादी का शेयर 9.84 प्रतिशत था जो वर्ष 2015 में 14.09 प्रतिशत तक बढ़ गया।" यह उनकी आबादी के शेयर में 43.15 प्रतिशत बढ़ोतरी थी।

पेपर के अनुसार, इस दौरान ईसाईयों की आबादी 2.24 से 2.36 प्रतिशत तक बढ़ी, यानि कि वर्ष 1950 और वर्ष 2015 के बीच उनकी आबादी का शेयर 5.38 प्रतिशत बढ़ा।

सिखों की आबादी इस दौरान 1.24 प्रतिशत से 1.85 प्रतिशत बढ़ी जो कुल आबादी में उनके शेयर की 6.58 वृद्धि थी। भारत की पारसी आबादी में 85 प्रतिशत की भारी कमी आई। वर्ष 1950 में आबादी में उनका शेयर 0.03 प्रतिशत था जा वर्ष 2015 में 0.004 हो गया।

पेपर में कहा गया कि उसके डेटा संकेत देते हैं कि समाज में विविधता को पोषित करने के लिए सकारात्मक वातावरण है, लेकिन यह भी कहा गया है कि समाज के वंचित वर्गों को किसी ऊर्ध्वगामी सहारे के बिना बेहतर जीवन देना संभव नहीं है।

पेपर में ध्यान दिलाया गया कि बहुसंख्यक आबादी के शेयर में कमी और अल्पसंख्यकों की आबादी के शेयर में हुई बढ़ोतरी से यह पता चलता है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी का चुनावी फोकस बिहार व महाराष्ट्र पर है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर, उल्लेखनीय बात यह है कि, दोनों राज्यों में प्र.मंत्री का फोकस रैली व आम सभा कि दृष्टि से गठबंधन की साथी पार्टियों की सीटों पर है।
- बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जद (यू), चिराग पासवान की पार्टी एल.जे.पी. तथा जीतन राम मांझी की पार्टी एच.ए.एम. की सीटों पर मोदी सघन प्रचार करेंगे।
- इसी प्रकार महाराष्ट्र में प्र.मंत्री गठबंधन की घटक पार्टियों की छः सीटों पर रैली व आम सभाएं करेंगे। पर, अजीत पवार की पार्टी और शिव सेना (शिंदे) की सीटें अभी तक मोदी जी के अभियान से अछूती रही हैं।

नई दिल्ली, 9 मई। महाराष्ट्र और बिहार जैसे महत्वपूर्ण राज्यों में, जिन सीटों से भाजपा खुद चुनाव लड़ रही है, वह उन सीटों पर जीतने के प्रति आश्वस्त नज़र आ रही है लेकिन, इन दोनों राज्यों में अपने गठबंधन साथियों की जीत पर उसको उतना विश्वास नहीं है। दोनों राज्यों में कुल मिलाकर 98 लोकसभा सीटे हैं।

वर्ष 2019 के चुनावों में नेशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एन.डी.ए.) ने, महाराष्ट्र में 48 में से 41 सीटें और बिहार में 40 में से 39 सीटों पर जीत हासिल की थी। सत्तारुढ़ गठबंधन शायद इस संख्या को कायम न रख सके, इस चिंता के कारण, इन दोनों राज्यों में, अगले कुछ दिनों के लिए, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक आक्रामक प्रचार अभियान को अंतिम रुप दे दिया गया है। यह दिलचस्प है कि, इन राज्यों में, प्रधानमंत्री अपना ध्यान उन चुनाव क्षेत्रों पर केन्द्रित करेंगे जहां से गठबंधन साथियों के प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने अभी तक महाराष्ट्र में 14 और बिहार में 6 रैलियां की हैं। यह संख्या अब बढ़ेगी क्योंकि वे अब महाराष्ट्र में 4 और बिहार में तीन और रैलियां करेंगे।

बिहार में अगले सोमवार तक उनकी कुल 9 जनसभाएं होंगी इनमें से पांच जनसभाएं उन सीटों पर होंगी जहां से भाजपा के गठबंधन सहयोगी, नीतीश कुमार की जदयू, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (एल.जे.पी.) और जीतन राम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (एच.ए.एम.) चुनाव लड़ रही हैं।

महाराष्ट्र में प्रधानमंत्री ने अभी तक चार सभाओं को संबोधित किया है, जहां से गठबंधन प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। अभी उनको दो और सीटें, नासिक और कल्याण, जहां से भाजपा के सहयोगी चुनाव लड़ रहे हैं, में सभाओं को संबोधित करना है। अजीत पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) प्रधानमंत्री के "ऑरबिट" से किसी कारणवश बाहर रह गई है क्योंकि, मोदी ने अभी तक किसी एन.सी.पी. प्रत्याशी के लिए प्रचार नहीं किया है।

भाजपा, अपने दम पर, महाराष्ट्र में 27 सीटों पर और बिहार में 17 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाजपा के लिए जदयू, बिहार की कमज़ोर कड़ी लगती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी और राहुल गांधी सार्वजनिक बहस के लिए आमंत्रित

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। जनता को जागरूक रखने को लेकर एक गंभीर पहल के तहत सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज मदन बी. लोकुर, ए.पी. शाह और पत्रकार एन. राम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव 2024 पर एक सार्वजनिक बहस के लिए आमंत्रित

- यह आमंत्रण सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस मदन बी. लोकुर, ए.पी. शाह और पत्रकार एन. राम ने भेजा है।

किया है। अपने आमंत्रण में इन लोगों ने कहा है कि जनता ने सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्ष के सिर्फ आरोपों और चुनौतियों के बारे में सुना है, लेकिन उसने इन दोनों की कोई "अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया" नहीं सुनी है।

जस्टिस लोकुर, जस्टिस शाह और पत्रकार एन. राम द्वारा लिखे गए पत्र में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी मतदान के बावजूद बंगाल में वोटर मुखरित नहीं है, अपनी राय बताने के बारे में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- पर, तृणमूल कांग्रेस का, संदेशखाली में "मास रेप" व महिलाओं की पिटाई की बात को पूर्णतया झूठा व कपोत कल्पित साबित करने का प्रयास जनता के गले नहीं उतर रहा है।
- इसी प्रकार राजभवन की एक महिला कर्मचारी द्वारा गवर्नर पर बलात्कार का आरोप भी मुसीबत पैदा कर रहा है, तृणमूल पार्टी के लिये।
- राज्यपाल ने अपनी केरल यात्रा से लौटकर, राजभवन के सी.सी.टी.वी. के कवरेज का रिकॉर्ड अपने कब्जे में किया तथा शहर के सभ्रांत व प्रभावशाली लोगों को दिखाया और अपनी जिंदादिली साबित की।
- राज्यपाल ने राज्य की पुलिस की ही नहीं, मंत्रियों की एंट्री भी बंद कर दी राजभवन में।

नई दिल्ली, 9 मई। ममता बनर्जी एक शक्तिशाली नेता हैं, लेकिन वह वर्तमान में अपने पूरे दमखम के साथ तृणमूल कांग्रेस की खराब छवि को उज्ज्वल बनाने में लगी हैं।

ममता बनर्जी के बंगाल में उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) स्कूल की नौकरियों के घोटाले, राशन वितरण घोटाले और संदेशखाली की घटना पर आए कोर्ट के विपरीत फैसलों के बाद अपनी छवि बदलने की कोशिश कर रही है। कोर्ट के फैसलों ने बड़े पैमाने पर भूमि कब्जों, धन ऐंठने और बलात्कार के आरोपों को उजागर किया है।

तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता की पत्नी ने स्थानीय पुलिस से शिकायत की है कि उसे एक खाली कागज पर अपने हस्ताक्षर करने के लिए दिया गया जिसके बाद उस पेपर पर रेप की शिकायत लिखकर स्थानीय पुलिस में दर्ज करायी गई। तृणमूल कांग्रेस इस कथित झूठे आरोप को लेकर हल्ला कर रही है।

भाजपा नेता अब यह कह रहे हैं कि घटनाएं एक लम्बे अर्से पहले हुई, जब भाजपा के कार्यकता या नेता संदेशखाली के दूरस्थ एवं पृथक इलाके में घुस भी नहीं पाते थे। वे एक स्थानीय महिला पर शिकायत लिखने का दबाव कैसे बना सकते हैं। एक अकेली महिला भ्रामक शिकायत दर्ज करा सकती है, लेकिन उन हजारों महिलाओं के लिए आप क्या कहेंगे जिन्होंने लगातार हो रहे उत्पीड़न और निरंतर दी जा रही धमकियों के विरोध में जुलूस निकाला था। उन्होंने तृणमूल के गुण्डों के खिलाफ मारपीट और हत्याओं की शिकायत की थी।

एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) अधिकारी जब तृणमूल नेता शेख शाहजहाँ से बात करने संदेशखाली में उसके घर गए थे, तब उन्हें अपनी जान बचाने के लिए वहां से तुरन्त ही भागना पड़ा था। उसके बाद शेख शाहजहाँ और उसके साथी गिरफ्तार किए गए तथा अब वे हवालात में हैं।

संदेशखाली में किसी भी राजनीतिक पार्टी के नेता के लिए प्रवेश संभव नहीं था। इस पर कई सच व झूठ हैं। संदेशखाली में हुई घटनाओं से ममता बनर्जी इन्कार कर रही हैं और उन घटनाओं के प्रमाण मांग रही है जिन्होंने लोगों को आंदोलन के लिए उकसाया। ममता की यह बात शायद जनता के गले नहीं उतरेगी।

दूसरी तरफ कुछ समय पहले की बात है बंगाल के राज्यपाल सी.वी. आनन्द बोस के राजभवन में काम करने वाली एक महिला कर्मचारी ने स्थानीय पुलिस को एक शिकायत दर्ज कराई थी उस पर यौन हमला किया गया था। उस महिला से प्राप्त रिपोर्ट के बाद तत्काल कार्यवाही करते हुए राज्य की पुलिस हरकत में आ गई थी और राजभवन मे मामले की जाँच करने पहुँच गई थी।

शिकायत दर्ज कराने के बाद अगले दिन राज्यपाल बोस को केरल उनके गृह प्रदेश में जाना था, जो कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गए थे।

अपनी संक्षिप्त यात्रा से वापस लौटने के बाद राज्यपाल ने कुछ सी.सी.टी.वी. फुटेज जारी करने की धमकी दी,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने राम मंदिर के दर्शन किये

अयोध्या, 9 मई। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को अयोध्या के राम मंदिर में गए और वहां भगवान राम के समक्ष शीश नवाया और प्रार्थना की। 22 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थित मंदिर में रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ था।

- राज्यपाल आरिफ मोहम्मद की शुक्रवार को कुछ तस्वीरें सामने आईं हैं, जिनमें वो रामलला के समक्ष शीश झुकाकर प्रार्थना कर रहे हैं।

उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत देश-दुनिया के हजारों गणमान्य मौजूद रहे थे। बुधवार दोपहर अयोध्या पहुंचे खान ने राम जन्मभूमि पर बने राम मंदिर में गए और विशेष प्रार्थना की तथा भगवान राम के सामने शीश नवाया।

"इशु लैस" चुनाव ने सभी को डरा रखा है, चाहे वो राजनीतिज्ञ हों, या पत्रकार, या अफसर!

सभी को डर है कि, अब तक प्रचलित कई राजनैतिक धारणाएं व किंवदंतियां नेस्ताबूद हो सकती हैं, लोकसभा चुनाव के नतीजों से

-विशेष प्रतिनिधि द्वारा-

- इस चुनाव में प्रधानमंत्री मोदी के लिए भी वो उन्माद व उत्साह नहीं दिखा जो 2014 व 2019 के चुनावों में दिखा था। यही नहीं, राम मंदिर के मुद्दे पर भी कोई उन्माद नहीं दिखा।
- पर, सबसे बड़ी बात यह रही कि, एंटी मोदी या एंटी भाजपा लहर भी नज़र नहीं आई। राहुल गांधी के तमाम प्रयासों के बाद भी इंडिया गठबंधन वैसा "नैरेटिव" तैयार नहीं कर सका जो जनता में लहर पैदा कर देता।
- यही वजह है कि, मतदान के प्रति भारी उदासीनता देखी गई। यही नहीं, विधानसभा चुनावों में गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर कांग्रेस के प्रति जो भारी नाराज़गी थी वह भी हल्की पड़ती दिखी।
- फिर भी गहलोत को एक बात का डर है कि, अगर भाजपा को सभी 25 सीटें मिली तो कभी गहलोत समर्थक रहे नेता भाजपा के समक्ष अपने नम्बर बढ़वाने के लिए मुंह खोलने लगेंगे और फिर भ्रष्टाचार के कई कांड उजागर होंगे। फोन टैपिंग, पेपर लीक, किडनी ट्रांसप्लांट जैसे कई प्रकरण हैं, जिन पर गहलोत को लपेटा जा सकता है।

जयपुर, 9 मई। पिछले विधानसभा चुनाव में "इशू" स्पष्ट था, ऊपर से शुरु होकर ज़मीनी स्तर पर फैला सरकारी "करप्शन" (भ्रष्टाचार)। इस भ्रष्टाचार को स्वीकार करने को कोई तैयार नहीं था, चाहे मु.मंत्री हो या विधायक, या फिर तहसीलदार, पटवारी या मुख्य सचिव स्तर के उच्चतम अधिकारी। बड़ा भ्रष्टाचार, एक सामान्य आदमी की ज़िंदगी को शायद सीधा प्रभावित नहीं करता, जैसे बोफोर्स तोपों की खरीद। परंतु पटवारी, थानेदार आदि, तहसील व उनसे भी छोटे स्तर के प्रशासनिक अधिकारी का भ्रष्टाचार एक आदमी को ज़िंदगी को रोज छूता है व अपने घाव छोड़ता है। धीमी आँच की तरह सामान्य आदमी को अन्दर ही अन्दर झुलसाता रहता है और चुनाव के समय लावा की तरह फूटकर निकलता है। आम आदमी का यह आक्रोश गहलोत सरकार को ले बैठेगा, यह साफ दिख रहा था। चाहे तत्कालीन मु.मंत्री ने बेइन्तहा पैसा खर्च किया, उस चुनाव में अपनी "इमेज" बनाने के लिये तथा, "इमेज" बनाने वाले विशेषज्ञों, जैसे डिज़ाइन बॉक्स आदि को खुली छूट दी, उनके छवि सुधार अभियान की रणनीति बनाने में और उसे क्रियान्वित करवाने में।

पर, वर्तमान लोकसभा चुनाव में न प्र.मंत्री मोदी के लिये वो उन्माद भरा उत्साह है, जो 2013 व 2019 में साफ दिखता था, ना ही ऐसा उन्माद राम मंदिर के बारे में है। पर, दूसरी ओर यह भी सही है कि, "एन्टी मोदी", या "एन्टी भाजपा" उन्माद या "सेन्टीमैंट" भी नज़र नहीं आ रहे हैं। क्योंकि, राहुल गांधी के अथक प्रयासों के बावजूद "इंडिया गठबंधन" कोई ऐसा "नैरेटिव" (कथानक) तैयार नहीं कर सका, जो जनता को झकझोर देता। एक ऐसा अतिरेक पैदा कर देता जो जनता को पोलिंग बूथ तक आने के लिये उत्साहित करता या मजबूर करता। उदासीनता के कारण, वोट डालने कुछ जनता आयी भी, कुछ नहीं भी आई।

यह गहलोत की खुशनसीबी है कि, जनता की स्मृति बहुत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिवकाशी की पटाखा फैक्टरी में विस्फोट, 8 की मौत

चेन्नई, 9 मई। तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में गुरुवार को एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट में पांच महिलाओं सहित आठ श्रमिकों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए।

हादसा शिवकाशी के पास सेंगामालापट्टी गांव में श्री सुदर्शन फायरवर्क्स में हुआ। सरवनन के स्वामित्व वाली इकाई में 40 से अधिक

- मृतकों में पांच महिला श्रमिक भी शामिल हैं, हादसे में 12 अन्य घायल हुए।

वर्किंग शेड हैं।

गुरुवार दोपहर जब कर्मचारी वर्किंग शेड में फैंसी किस्म के पटाखे बना रहे थे, तभी घर्षण के कारण विस्फोट हो गया। आग आसपास के शेडों में फैल गई। सूचना मिलने पर अग्निशमन और बचाव सेवा कर्मी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया।

घायलों को शिवकाशी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

विचार बिन्दु

जो वस्तु आनंद प्रदान नहीं कर सकती, वह सुन्दर हो ही नहीं सकती। –प्रेमचंद

अल्पसंख्यक कौन? आरक्षण किसके लिये? और भारतीय संविधान क्या कहता है?

वर्तमान में भारत की संसद (लोक सभा) के चुनाव सात चरणों में प्रारम्भ हो चुके हैं। दिनांक 04.06.2024 के परिणाम आवेंगे। भारत के संविधान और उसके तहत् बनाये गये कानूनों के अनुसार चुनाव होंगे। जिस राजनीतिक पार्टी व उसके घटक दलों के संसद सदस्य बहुमत में होंगे वे देश की सरकार को संविधान के अनुसार संचालित करेंगे। लोकतंत्र के इस महामेले में मुख्य कलाकार हैं भाजपा व उसके घटक दल बनाम कांग्रेस व उसके घटक दल आदि। सभी मुख्य राजनीतिक पार्टियों ने अपने-अपने चुनाव मैनिफेस्टो (घोषणा पत्र) जारी कर दिये हैं और दिल खोलकर धन व सुविधायें मतदाताओं पर न्यौछावर कर दी हैं। बिना सोचे-समझे कि यह राशि कहां से आयेगी। चुनाव मुख्यत: बेरोजगारी, नौकरी, गरीबी हटाओ, आरक्षण आदि विषयों पर लडे जा रहे हैं। राजनीति मुख्यत: इन्हीं मुद्दों पर केन्द्रित हो गई है। कांग्रेस का विशेषकर नेता राहुल जी का आरोप है कि भाजपा संविधान ही बदलना चाहती है यानी समाप्त कर नया संविधान बनाना चाहती है। कांग्रेस का दूसरा आरोप है भाजपा आरक्षण समाप्त करना चाहती है। इसके सहारे कांग्रेस, एससी, एसटी व ओबीसी के मतों को अपनी ओर करना चाहती है।

देश का दुर्भाग्य है कि केन्द्र में जो भी सरकार आई चाहे वह कांग्रेस की हो अथवा भाजपा की उसने खुले रूप में अपनी मेजोरिटी का बेजा फायदा उठाया और संविधान का अपमान किया। संविधान में संशोधन किये गये हैं उनमें कई ऐसे संशोधन हैं जो संविधान के Basic Structure (मूल ढाँचे) के विपरीत है। अनुच्छेद 45 व अनुच्छेद 334 इसके उदाहरण हैं।

कांग्रेस व भाजपा दोनों ही किसी न किसी रूप में जाति व धर्म के नाम पर मतदान चाह रहे हैं। यह एक-दूसरे के विरूद्ध उनका आरोप है। भाजपा ने कांग्रेस को चेतावनी दी है कि वे धर्म के नाम पर मुस्लिम मतों का आरक्षण न करें। उन्हें वोट बैंक न समझें। संविधान दोनों को समान अधिकार देता है वस्तुत: भाजपा कहती है कि उसका कथन मुस्लिम विरोधी नहीं है, अपितु कांग्रेस के तुष्टीकरण के व्यवहार के प्रति है। पीएम मोदी ने राहुल के बयान पर पलटवार करते हुये कहा, 'कांग्रेस आरक्षण से छेडछाड इसलिये कर रही है, क्योंकि वह धर्म के नाम पर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। आरक्षण क्या है, संविधान निर्माताओं ने इसकी आवश्यकता क्यों कर समझी? संविधान का अध्ययन करने पर स्पष्ट होगा कि सामाजिक विषमता के कारण दलितों को आरक्षण दिया गया, इससे जाति व धर्म का कोई संबंध नहीं है। यों भी अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति के आधार पर विभेद का प्रतिषेध है। देश धर्म निरपेक्ष है और धर्म के मामलों में प्रत्येक नागरिक को मूल अधिकार की स्वतंत्रता है। दलितों और पिछडों के लिये शिक्षा व नौकरियों के अवसर ही समता होगा, इसका विशद विवेचन अनुच्छेद 16 में दिया है।

अल्पसंख्यक कौन हैं इसका उत्तर सरल है। बहुसंख्यक के विपरीत जो हैं वे अल्पसंख्यक हैं। अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थान चलाने का अधिकार है और अपनी संस्कृति के संरक्षण का मूल अधिकार भी है। संविधान के भाग 16 में लोकसभा में तथा विधान सभा में अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जन जातियों के विशेष आरक्षण के प्रावधान है। इस प्रकार के आरक्षण को राजनीतिक आरक्षण का नाम दिया जा सकता है। इस संबंध में अनुच्छेद 334 में स्पष्ट आदेशात्मक निर्देश दिये थे कि ये प्रावधान संविधान के लागू होने के दस वर्ष की अवधि के पश्चात् स्वत: ही प्रभावी नहीं रहेंगे। अनुच्छेद 334 में विधान सभा व संसद के लिये एसटी व एससी का आरक्षण है। यह केवल 10 साल के लिये था, किन्तु इसे प्रत्येक 10 के बाद बढ़ा दिया जाता है। जबकि 10 साल के बाद यह स्वत: ही समाप्त हो चुका था उसे 80 वर्ष तक कैसे माना जा सकता है।

टीएमपाई फाउण्डेशन के केस में 11 जजों की बड़ी पीठ ने यह निश्चित कर दिया कि अल्पसंख्यक की घोषणा का अधिकार राज्य सरकार का है। इस निर्णय में यह भी स्पष्ट कर दिया कि पंजाब में जहां सिख बहुसंख्यक हैं वहां हिन्दू अल्पसंख्यक है। उत्तर पूर्वी राज्यों में ईसाइयों की अपेक्षा हिन्दू अल्पसंख्यक है। सोचिये, क्या इस नियम के अनुसार कश्मीर में हिन्दू अल्पसंख्यक हैं?

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 में धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की बात कही है। अुनच्छेद 29 में अल्पसंख्यकों को भाषा, लिपि व संस्कृति के संरक्षण का अधिकार दिया है। जाति धर्म के आधार पर मण्डल कमीशन ने हिन्दू और अहिन्दू धार्मिक लोगों को दो वर्गों में बांट दिया। अहिन्दुओं में इन्द्रा साहनी के केस में मुस्लिम, बौद्ध, इसाई, जैन आदि को रखा गया। इसके विपरीत भारत सरकार सन् 1992 में माइनोरिटी कमीशन एक्ट लेकर आई, इसमें अल्पसंख्यक को यह कहकर परिभाषित किया कि अल्पसंख्यक वे हैं, जिन्हें भारत सरकार विज्ञप्ति जारी कर गजट में प्रकाशित करे। मुसलमानों को इस अधिनियम के तहत् अल्पसंख्यक घोषित किया। यह परिभाषा निरंकुश है और अवैध है। मुसलमानों तथा सिख, बौद्ध, ईसाईयों आदि को अल्पसंख्यक मानकर कई प्रकार की सौगातें उन्हें दी जा रही हैं। यहां इतना ही लिखना उचित होगा कि जैनों को 2003 में धार्मिक अल्पसंख्यक माना है।

देश की राजनीति में 1992 के उक्त एक्ट की अल्पसंख्यक की परिभाषा ने भूचाल पैदा कर दिया। हिन्दुओं और मुसलमानों को दो समूहों में बांट दिया। देश के लोगों में कटुता का बीज यहीं से बोया गया है। संविधान के अनुसार नागरिकों में कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता।

उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट है कि आरक्षण का विषय सरकारी नौकरी व शिक्षण संस्थानों में सीटों से है। इस आरक्षण का आधार एदर्मेंत व्लेम (सामाजिक न्याय) है। अनुच्छेद 334 में जो आरक्षण है वह राजनीतिक आरक्षण है। इसके अतिरिक्त एक अन्य आरक्षण नेशनल माइनोरिटी एक्ट 1992 के तहत् है जिसे मुस्लिम बन्धु अपने को अल्पसंख्यक मानकर प्राप्त कर रहे हैं।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 से 28 में धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की बात कही है। अुनच्छेद 29 में अल्पसंख्यकों को भाषा, लिपि व संस्कृति के संरक्षण का अधिकार दिया है। जाति धर्म के आधार पर मण्डल कमीशन ने हिन्दू और अहिन्दू धार्मिक लोगों को दो वर्गों में बांट दिया। अहिन्दुओं में इन्द्रा साहनी के केस में मुस्लिम, बौद्ध, इसाई, जैन आदि को रखा गया।

वर्तमान चुनावों में दो नारे कांग्रेस व संगठन INDIA के हैं। राहुल जी प्रत्येक चुनाव सभा में, जो देश के किसी भी कोने में हो ये दो नारों की गूंज सुनाई देती है। पहला नारा है मोदी सरकार आरक्षण समाप्त करना चाहती है तथा दूसरा है मोदी सरकार संविधान ही समाप्त करना चाहती है।

राहुल जी कहते हैं, 50 प्रतिशत आरक्षण की सीमा समाप्त की जावे। जातियों की गणना होनी चाहिये। मोदी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी सरकार धर्म के नाम पर आरक्षण के विरूद्ध है। उन्होंने तेलंगाना में जनसभा में कहा कि वे 'धर्म के आधार पर मुसलमानों को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व ओबीसी और अन्य समूहों को आरक्षण नहीं देने देंगे'। इसी बात को गृहमंत्री ने दोहराया और फेक वीडियो की निन्दा की। मोहन भागवत ने भी कहा कि संघ कभी भी आरक्षण का विरोधी नहीं रहा। जो सुविधा दलितों व वंचितों को संविधान ने दी हैं वे उन्हें मिलनी चाहिये। शाह ने असम में एक जनसभा में कहा कि यह कांग्रेस है जिसने एसी, एसटी, ओबीसी को उनके अधिकारों से वंचित किया है। शाह ने कहा कर्नाटक में ओबीसी की श्रेणी में मुसलमानों को डाला है। देश के न्यायालयों ने इसे अवैध माना है।

इन्द्रा साहनी के केस में स्पष्ट रूप से निर्णय हुआ है कि आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। ऊपर लिखा गया है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं किया गया है। एनडीए ने जो विभिन्न योजनायें जनहित में बनाई हैं उनके फलस्वरूप दलितों व पिछड़ों का Upliftment हुआ है। देश के लोग चाहते हैं कि जिन्हें आरक्षण मिला है, वे क्रिमीलेयर में आ चुके हैं। उन्हें आरक्षण का लाभ न मिले और यह लाभ बचे हुये दलित व अति दलित पिछडों को दिया जावे।

मोदी सरकार संविधान को खत्म नहीं कर सकते, क्योंकि यह संभव नहीं है। संविधान में संशोधन हो सकता है, किन्तु संविधान की मूल संरचना में कोई संशोधन नहीं हो सकता। संविधान की सात बुनियादी संरचना है, उनमें कोई संशोधन नहीं हो सकता। संविधान संशोधन की प्रक्रिया ही बहुत कठिन है।

उपरोक्त विवेचन से यह स्पष्ट हो जाता है कि झगडे की जड़ The National Minority Act, 1992 है, जिसमें अल्पसंख्यक को यह कहकर परिभाषित किया है कि अल्पसंख्यक वे हैं जिसे भारत सरकार गजट में विज्ञप्ति जारी कर बता दे। यह परिभाषा विवेकहीन है। देश धर्म निरपेक्ष है। अपने धर्म को मानने की सभी को पूर्ण स्वतंत्रता है। धर्म के नाम पर विभेद नहीं हो सकता।

देश के विभाजन के बाद, जो लोग भारत के नागरिक हुये वे सब समान है। हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, आदि सभी धर्म के लोगों को समान अधिकार हैं। हिन्दुओं में सामाजिक दृष्टि से पिछडे व दलित थे और कट्टर हिन्दू पंथियों के अहम् का शिकार रहे थे। उन्हें सामाजिक न्याय दिलाने के हेतु संविधान में प्रावधान रखे गये। आरक्षण की यही फिलोसफी थी। इन्द्रा साहनी केस में संविधान की वृहत पीठ ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जैसे-जैसे इन पिछडों का पिछडापन खत्म होगा। ये लोग क्रिमीलेयर में आने के कारण पिछडे नहीं रहेंगे। पिछडों में अब मंत्री भी हैं, पुलिस उच्च अधिकारी हैं, शिक्षक हैं, एडवोकेट हैं। सोचो, क्या उनका परिवार अभी भी आरक्षण प्राप्त करता रहेगा? आजादी के 75 साल बाद भी देश में दलित व पिछडे हैं यह शर्म की बात है। समय आ गया है जब देश की संसद को निर्णय लेना होगा कि वे कितने वर्ष और लेंगे इस पिछडेपन को समाप्त करने में?

देश का दुर्भाग्य है कि देश में किसी की भी सरकार रही हो, उसके संविधान की पालना कटिबद्धता के साथ नहीं की। निम्नलिखित कुछ प्रसंग इस लेख में दिये जा रहे हैं :-

(अ) देश में पिछड़ापन तो समाप्त हो रहा है, किन्तु इन्द्रा साहनी व एम नागराज के केस में निर्धारित क्रिमीलेयर के सिद्धान्त की पालना नहीं हो रही है।

(ब) अनुच्छेद 334 के अनुसार लोक सभा व विधान सभाओं के लिये कुछ सीटें एसटी व एससी के लिये आरक्षित की गई थीं। यह आरक्षण 10 वर्ष का था। समय की अवधि आदेशात्मक थी अर्थात् 10 वर्ष के पश्चात् यह प्रावधान प्रभावी नहीं रहेगा। जो भी सरकार आई उसने आंख बंद कर समय की सीमा को प्रत्येक 10 वर्ष बाद बढ़ाया और आज संविधान में 80 वर्ष की अवधि पढ़ने को मिलती है।

(स) संविधान के चेप्टर-IV में नीति निदेशन तत्व दिये हैं जो यह दर्शाते हैं कि हमें शीघ्र से शीघ्र देश को एक महान गणतंत्र बनाना था और यह कार्य तभी पूरा होता जब शिक्षा की अच्छी व्यवस्था होती, अत: संविधान के अनुच्छेद 45 में यह निर्देश दिया कि संविधान के लागू होने के 10 वर्ष की अवधि में प्रत्येक 14 वर्ष का बालक को अनिवार्य व नि:शुल्क शिक्षा प्रदान करेंगे। इसका अर्थ था देश का प्रत्येक बालक 8वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त 1960 तक प्राप्त करेगा; किन्तु जिस रूप में अनुच्छेद 45 व अनुच्छेद 21ए का संशोधन हुआ है, उसके परिणास्वरूप 6 वर्ष के बालक को आज नि:शुल्क व अनिवार्य शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार नहीं है। फलस्वरूप आज भी संसद व विधान सभाओं में बिना पढ़े-लिखे व कम पढ़े लोग देश के लिये कानून बना रहे हैं। चुनावों में खड़ा होने के लिये शिक्षा की अनिवार्यता होनी चाहिये।

(द) संविधान में अनुच्छेद 35ए जोड़ा गया; किन्तु उसे राष्ट्रपति की आज्ञा से ही जोड़ दिया। जबकि संविधान में संशोधन की अलग से प्रक्रिया दी हुई है।

(य) संविधान में अनुच्छेद 51क के रूप में हमने नागरिकों के मूल कर्त्तव्यों की घोषणा की, किन्तु इस प्रावधान को प्रवर्तनीय नहीं बनाया।

उपरोक्त विषयों पर हमें चिन्तन व मनन करना होगा।

–अतिथि सम्पादक
पानाचन्द जैन,
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

भगवान परशुराम

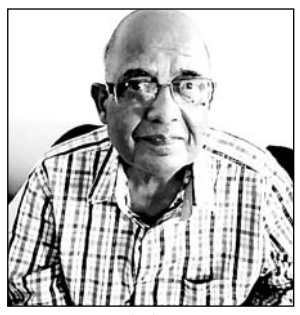

डॉ. जे.के. गर्ग

महर्षि जमदग्नि आध्यात्मिक उपलब्धियों के स्वामी थे जिन्हें आग पर नियंत्रण पाने व उनकी पत्नी रेणुका को पानी पर नियंत्रण पाने का वरदान था। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि भृगु के पुत्र महर्षि जमदग्नि ने पुत्र प्राप्ति हेतु देवराज इन्द्र को प्रसन्न करने के लिये पुत्रेष्टि यज्ञ किया था। देवराज इन्द्र के वरदान के फलस्वरूप महर्षि जमदग्नि की पत्नी रेणुका के गर्भ से वैशाख शुक्ल तृतीया को मध्यप्रदेश ग्राम मानपुर (इंदौर जिला) में एक अद्भुत प्रतिभाशाली पुत्र का जन्म हुआ जो कालांतर में भगवान परशुराम के नाम से विख्यात हुए। भगवान परशुराम को अमर रहने का वरदान मिला था और यह भी कहा जाता है कि वे आज भी हमारे बीच मौजूद हैं तथा कलियुग के अंत में वे विष्णु के दसवें अवतार के रूप में जन्म लेंगे।

परशुराम गायत्री मंत्र का विधि पूर्वक जाप करने से मनुष्य को अपने दुखों से छुटकारा मिलता है और कठिनाइयों से लड़ने के लिए साहस का संचार होता है। सनातन धर्म में परशुराम के बारे में माना जाता है कि वे त्रेतायुग और द्वापर युग से अमर हैं। परशुराम जी के जन्म के एवं जन्मस्थान के पीछे कई मान्यताएं एवं अनसुलझे सवाल है। परशुराम जी ने शिवजी को प्रसन्न करने के लिये अनेक बार तपस्या पूजा-अर्चना की थी। शिवजी ने परशुराम को वरदान देते हुए कहा कि परशुराम का जन्म धरती के राक्षसों का नाश करने के लिए हुआ है। इसलिए भगवान शिव ने परशुराम को, देवताओं के सभी शत्रु, दैत्य, राक्षस तथा दानवों को मारने में सक्षमता का वरदान दिया। हिन्दू धर्म में विश्वास रखने वाले अनेक ज्ञानी, पंडितों के मतानुसार धरती पर रहने वालों में परशुराम और रावण के पुत्र इंद्रजीत को ही सबसे खतरनाक, अद्वितीय और शक्तिशाली अस्त्र-ब्रह्मांड अस्त्र, वैष्णव अस्त्र तथा पशुपति अस्त्र प्राप्त थे।

दो शब्दों से मिलकर बना हुआ है : परशु अर्थात कुल्हाड़ी तथा राम, इन दो शब्दों को मिलाने पर कुल्हाड़ी के साथ राम अर्थ निकलता है। जैसे– राम, भगवान विष्णु के अवतार हैं। उसी प्रकार परशुराम भी विष्णु के अवतार हैं। भगवान राम ने सीता स्वयंवर के समय राजा जनक की शर्त की अनुपालन में भगवान शिव के धनुष को तोड़ दिया और उनका माता सीता के साथ विवाह हो गया। शिव धनुष के तोड़े जाने के समाचार को सुनकर शिव भक्त परशुराम अपना आपा खोकर क्रोधित होते हुवे राजा जनक की राज सभा पहुंचे। राज सभा में उनका लक्ष्मणजी के साथ वादविवाद हुआ और उनके मध्य लड़ाई की नोबत आ गई। मर्यादा पुरषोत्तम राम ने अत्यंत शालीनता के साथ उनसे बात करके उनके क्रोध को शांत किया। परशुराम को अपनी योग शक्ति से मालुम पड़ा कि उनके सामने भगवान विष्णु के अवतार भगवान राम खुद खड़े हैं। अपने इस अनुभूति की पुष्टि करने के लिये परशुराम ने विष्णु का प्रिय धनुष गांडीव भगवान राम को देते हुए उसको संधान करने को कहा। भगवान राम ने एक तीर प्रत्यंचा पर चढ़ाई और महर्षि परशुराम से कहा कि वे अब इस तीर को खाली नहीं छोड़ सकते। वे बताएं कि वे इसे किस पर चलाये। तब परशुराम जी ने भगवान राम से आग्रह किया कि वे उस तीर के माध्यम से उनके अहंकार को नष्ट करने की कृपा करें। इसके बाद परशुराम जी प्रसन्न मन से महेन्द्र पर्वत पर निवास करने के लिये चले गये। धार्मिक मान्यता है कि भगवान परशुराम जी को अमरता का वरदान प्राप्त है और आज भी वे उसी महेन्द्र पर्वत पर निवास करते हैं।

स्मरणीय है कि मार्शल आर्ट के संस्थापक भगवान परशुराम ही थे। कलरीपायट्टु कलरीपायट्टु भगवान परशुराम द्वारा प्रदान की गई शस्त्र विद्या है जिसे आज के युग में मार्शल आर्ट के नाम से जाना जाता है। दक्षिण भारत में आज भी मार्शल आर्ट प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि ज़ैन बौद्ध धर्म के संस्थापक बोधिधर्म को भी इस प्रकार की विद्या की जानकारी प्राप्त की थी व अपनी चीन यात्रा के दौरान उन्होंने विशेष रूप से बौद्ध धर्म को बढ़ावा देने के लिये इस मार्शलआर्ट का भी उपयोग किया था। आगे चलकर वहां के निवासियों ने इस आर्ट का मूल रूप से प्रयोग कर शाओलिन कुंग फू मार्शल आर्ट की कला विकसित की।

भगवान परशुराम मूल रूप से ब्राह्मण थे किंतु फिर भी उनमें शस्त्रों की अतिरिक्त जानकारी थी और इसी कारणवश उन्हें एक क्षत्रिय भी कहा जाता है। परशुराम जी ने गोरी पुत्र गणेश जी का दांत तोड़ डाला जिसकी वजह से गणेश जी एक दंत विनायक कहलाये। भगवान परशुराम शिव के प्रियतम भक्त थे भगवान शिव ने ही उनको शस्त्र विद्या प्रदान की थी। देवों के देव महादेव ने परशुराम की अद्भुत प्रतिभा को देख कर उनको अपना परशु दिया था। जिसके पश्चात उनका नाम परशुराम पड़ा। शिव से परशु को पाने के बाद समस्त दुनिया में ऐसा कोई नहीं था जो उन्हें युद्ध में पराजित कर सकें। मान्यताओं के मुताबिक़ कृष्ण के विराट स्वरूप को अर्जुन के अतिरिक्त तीन अन्य लोगों ने भी देखा था जिनमें एक परशुराम जी भी थे। परशुराम जी की शिक्षा-दीक्षा महर्षि विश्वामित्र एवं महर्षि ऋचीक के आश्रम में हुई थी। महर्षि ऋचीक ने परशुराम की योग्यता से प्रसन्न हो कर सारंग धनुष उपहार में दिया। परशुराम जी ने 21 बार इस पृथ्वी को क्षत्रियों से विहीन किया।

परशुराम जयंती हिन्दू पंचांग के वैशाख माह की शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाई जाती है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन दिये गए पुण्य का प्रभाव कभी खत्म नहीं होता है। अक्षय तृतीया से त्रेता युग का आरंभ माना जाता है। मध्यकालीन समय के बाद जब से हिन्दू धर्म का पुनरुद्धार हुआ है, तब से परशुराम जयंती का महत्व और अधिक बढ़ गया है। इस दिन उपवास के साथ-साथ सर्व ब्राह्मण का जुलूस, सत्संग आयोजित किये जाते हैं। परशुराम जी की पूजा-अर्चना समस्त भारत में होती है। मान्यता अनुसार भारत के अधिकतर गांव परशुराम जी ने ही बसाए थे। उत्तर भारत से लेकर गोवा, केरल और तमिलनाडु तक परशुराम जी की आकर्षक मनमोहक प्रतिमाएं दिखाई देंगी।

परशुराम जयंती के दिन भव्य आकर्षक जुलूस, शोभायात्रा निकाली जाती हैं। परशुराम भगवान के नाम पर उनके मंदिरों में हवन-पूजन का आयोजन किया जाता है। सभी लोग पूजा में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेते हैं और दान आदि करते हैं। भगवान परशुराम के नाम पर जगह-जगह भंडारे का आयोजन होते हैं और सभी श्रद्धालु इस भोजन प्रसादी का लाभ उठाते हैं। कुछ लोग इस दिन उपवास रख कर परमात्मा से भगवान परशुराम की तरह पुत्र देने की प्रार्थना करते हैं। वराह पुराण के अनुसार परशुराम जी के जन्म दिन पर उपवास रखने एवं परशुराम पूजा-अर्चना करने से अगले जन्म में उनको राजा बनने का सौभाग्य प्राप्त होगा।

–डॉ.जे.के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

पानी की समस्या को लेकर परेशान ग्रामीण टंकी पर चढ़े

लूणी विधानसभा क्षेत्र के उत्तेसर में पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर जिले के लूणी विधानसभा क्षेत्र के उत्तेसर में पानी की समस्या को लेकर परेशान ग्रामीणों ने अब धरना प्रदर्शन करना शुरू कर दिया है।

पानी की मांग को लेकर ग्रामीण गांव में बनी पानी की टंकी पर चढ़ गए। इनमें कई महिलाएं भी शामिल है। सभी ने पानी की सप्लाई सुचारु करने की मांग की।

उत्तेसर पंचायत के सरपंच श्रवण कुमार ने बताया कि ग्राम पंचायत के क्षेत्राधिकार में तीन गांव आते हैं। यहां पेयजल के विकट समस्या है। उत्तेसर गांव में पानी के लिए जलाशय बना हुआ है लेकिन यहां पर सात साल से पेयजल नहीं भरा गया है। इसके चलते गर्मियों के समय पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं। गांव में पानी की लाइन भी बिछी हुई है लेकिन वहां भी पर्याप्त सप्लाई नहीं की जा रही है। 5000 घरों की आबादी वाले इस गांव में रहने वाले लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है।

- **ग्रामीणों के अनुसार गांव में बने जलाशय में करीब सात साल से पानी नहीं भरा गया है**

उन्होंने बताया कि सरकारी स्तर पर 5000 की आबादी पर महज एक ही टैंकर भेजा जा रहा है। तीनों गांव में सिर्फ एक टैंकर भेजा जा रहा है जो अपर्याप्त है। गांव में पानी की टंकी बने हुए सात साल हो गए लेकिन अभी तक उसमें पानी नहीं भरा गया है। गर्मियों के इस मौसम में यहां रहने वाले लोगों के साथ ही पशु-पक्षी भी परेशान हो रहे हैं।

इतिहास में अनूठी है बीकानेर राज्य की स्थापना की कहानी

(537 वां स्थापना दिवस)

डॉ. दुलीचन्द मीणा

सूंटौ आ जद धर पर चालै,
खंख उडै बादळ रे रूप।
सूरज रो तप मंदौ पड़ज्या, ज्यूं गादीं सूं उतर्यां भूप।
पांख पंखेरू पड़ै टपाटप, टूटै जन जीवण री आस।
मानौ मौत धरा पर घूमै, करण चराचर रो चिरनास

उदयवीर शर्मा द्वारा रचित कविता 'सूंटौ' की उक्त पंक्तियाँ हिंदुस्तान के महा मरूस्थल में स्थित जांगल प्रदेश की तत्कालीन भौगोलिक परिस्थितियों को इंगित करती है जहां चंहुऔर रेत का समंदर तथा बूंद-बूंद पानी को तरसता मानव एवं जीव-जन्तु अपने अस्तित्व को बचाने के लिये विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों से मुकाबला कर रहे थे।

थार का मरूस्थल कभी समुन्द्र की लहरों से आह्लादित होता था इस क्षेत्र में मिलने वाले शंख, सीपी, बजरी, गुलगचिया, नमक, कोयला, दलदल इत्यादि से यह तथ्य प्रमाणित होता है। वेदो के अनुसार भी इस क्षेत्र में कभी सरस्वती एवं दृषद्वती नदी प्रवाहित होती थी। विलुप्त सरस्वती नदी के अवशेष इस क्षेत्र में घघ्घर नदी में मिलते है। इस क्षेत्र में प्राचीनकालीन सभ्यता एवं संस्कृति के अवशेष रंगमहल, बडोपल, कालीबंगा क्षेत्रों में मिले है। सांख्य दर्शन के प्रणेता कपिल मुनि ने कोलायत में अपनी माता देवहुति को ज्ञान दिया था। ऋषि दत्तात्रेय से दियातरा, च्यवन ऋषि से चांनी गांव तथा गुरू द्रोणाचार्य से छापर द्रोणपुर जाने जाते है। महाभारत काल में जांगल प्रदेश कुरू साम्राज्य का अंग था। यह प्रदेश बाद में शूद्रक, मोर्य, कुषाण एवं गुप्त साम्राज्य का हिस्सा रहा। इस क्षेत्र पर हर्षवर्धन के बाद यौद्धेय, सांखला (परमार), जोहिया, भाटियों एवं जाटो का अधिकार रहा। इन सभी पर विजय प्राप्त कर राव बीकाजी ने बीकानेर नामक एक अलग राज्य की स्थापना की।

राव बीका का जन्म जोधपुर के राजा राव जोधा की सांखली रानी नौरंगदे से 5 अगस्त 1438 को हुआ। एक दिन दरबार में बीकाजी एवं उसके चाचा कांधल जी आपस में वार्तालाप कर रहे थे, उनको देखकर राव जोधा ने व्यंगात्मक भाषा में पूछा कि, "आज चाचा-भतीजे क्या सलाह कर रहै है, क्या कोई नया ठिकाना जीतने की बात हो रही है?" कांधल ने उत्तर दिया कि, "आपके प्रताप से यह भी हो जायेगा।" उन दिनों जांगलू का नापा सांखला भी दरबार में आया हुआ था, क्योकि जांगलू प्रदेश पर बिलोचों के आक्रमण हो रहें थे जिससे कुछ सांखले उस स्थान को छोडकर अन्यत्र जा रहे थे। नापा सांखला ने राव जोधा को बताया कि, "यदि आप चाहो तो सरलता से वहां अधिकार किया जा सकता है!" राव जोधा को यह बात पंसद आई और उन्होने बीका और कांधल को नापा के साथ जाकर नया राज्य स्थापित करने की आज्ञा दे दी। तब बीका ने अपने चाचा कांधल, रूपा, मांडण, मंडला, नाथु भाईजोगा, पडिहार बेला, नापा सांखला इत्यादि अन्य राजपूतों के साथ जोधपुर से 30 सिंतबर 1465 को प्रस्थान किया इस अवसर पर बीका के साथ 100 घोडे एवं 500 राजपूत थे। बीका ने मण्डोर होते हुए गोरेजीभैरूजी की मूर्ति को साथ लेकर देशनोक पहुंचकर श्री करणी माता के दर्शन किये तथा मां करणी ने आर्शीवाद देते हुए कहा कि, "तेरा प्रताप जोधा से सवाया बढेगा बहुत से भूपति तेरे चाकर होंगे तथा साथ आये भैरूं जी की सेवा अच्छी तरह करना!"

उसके बाद बीकाजी चांडासर चले गये जहां वे 3 वर्ष निवास कर पुन: देशनोक आ गये जहां 6 वर्ष निवास कर कोडमदेसर गये। वहां तालाब के किनारे श्री गोरेजीभैरूजी की मूर्ति पधराई एवं स्वयम् को राजा घोषित किया उसके पश्चात जांगलू पहुंच कर 84 गांवो को अपने अधीन किया । श्री करणी जी के आदेश से बीकाजी ने पुगल के राव शेखा की पुत्री रंगकुवंरी के साथ विवाह किया। राव बीका ने शुभ शगुन देखकर राती घाटी पर श्री करणी माता के हाथो से किले की नींव रखवाई तथा विक्रम संवत 1545 बैसाख सुदि दूज 12.4.1488 को किले के पास बीकानेर नगर बसाया।

कला, साहित्य एवं सांस्कृतिक दृष्टि से बीकानेर की एक समृद्ध परंपरा रही है। महाराजा अनूप सिंह साहित्य के बडे संरक्षक थें जिन्होने अनूप संस्कृत लाइब्रेरी की स्थापना की। राजकवि पृथ्वीराज जी डिंगल भाषा के कवि थे जिन्होने वेलि कृष्ण रूकमणी री की रचना की। महाराजा गंगा सिंह जी ने इटली के विद्वान एलपी तैस्तोरी को राजस्थानी भाषा, व्याकरण एवं साहित्य को समृद्ध करने के लिये नियुक्त किया। अगरचंद नाहटा, डॉ विधाधर, सूर्यकरण पारिक एवं श्री गिरधारी सिंह राजस्थानी साहित्य के प्रमुख विद्वान रहें है। बीकानेर रियासत में धार्मिक दृष्टि से श्री करणी माता का मंदिर, पर्यावरण एवं जीव रक्षक विश्नोई संप्रदाय के संस्थापक संत श्री जाम्भौ जी महाराज, श्री जसनाथ जी, श्री गोगाजी, लक्ष्मीनाथ जी का मंदिर, जैन भाण्डेश्वर मंदिर प्रमुख है। चित्रकला की मथेरण कला एवं उस्ता कला, संगीत की माण्डराग में अल्लाहजिलाईबाई एवं पदमश्री अली-घनी, स्थापत्य कला में दुलमेरा के लाल पत्थर की कारीगरी से निर्मित हवेलिंयॉ, छतरिया एवं झरोखे, मूर्ति कला में पल्लू से प्राप्त बारहवीं सदी की विद्या के देवी सरस्वती की मूर्ति, नाट्य कला में रम्मत नाट्य प्रमुख स्थान रखते है। बीकानेर ऊंट, मिठाई, स्त्री के सोना गहना, सेठ साहुकारों के लिये प्रसिद्ध है। यहां के व्यापारियों ने विपरित भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद देश-विदेश में बीकानेर का नाम रोशन किया है। इन विपरित भौगोलिक परिस्थितियों ने रेगीस्तान के आदमी को साहसी, मेहनती, झुझारू, संघर्षशील, धैर्यवान एवं सृजनशील बनाया। सामान्यत: शहरीकरण नदी एवं नहरों के किनारे होता था लेकिन यहां के शासकों ने मरूस्थल में श्री डूंगरगढ, अनुपगढ एवं श्रीगंगानगर जैसे शहर बसा कर शहरीकरण की दिशा में नये आयाम स्थापित कियें। महाराजा श्री गंगासिंह जी बीकानेर रियासत में 26.10.1927 को मरूस्थल में गंगनहर का निर्माण कार्य पूरा करवाकर आधुनिक भारत के भागीरथ बने जिसकी प्रेरणा से बाद में राजस्थान नहर परियोजना का निर्माण हुआ जो इस रेतीले मरूस्थल के लिये जीवन दायिनी है।

–डॉ. दुलीचंद मीणा,
आरएएस

राशिफल शुक्रवार 10 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, रोहिणी नक्षत्र दिन 10:47 तक, अतिगंड योग दिन 12:06 तक, तैतिल करण दिन 3:34 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:26 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मेष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से दिन 10:47 तक है। राजयोग दिन 10:47 से रात्रि 2:51 तक है। रवियोग दिन 10:47 से आरम्भ होगा। आज बुध मेष राशि में सांय 6:43 पर प्रवेश करेगा। आज अक्षया तीज (स्वयं सिद्ध अबूझ मुर्हूत) है। आज अक्षया तृतीया, श्री परशुराम जयन्ती, त्रेतायुगादि, कल्पादि, रोहिणी व्रत है। आज से जिलफान मु.मास 11 आरम्भ होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:25 तक, लाभ-अमृत 7:25 से 10:44 तक, शुभ 12:23 से 2:02 तक, चर 5:46 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:46, सूर्यास्त 7:00

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यश्क कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसाय

वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव पर 11 को निकलेगी शोभा यात्रा

अजमेर, (कासं)। आचार्य सुनील सागर महाराज के 41 पिच्छी संघ के सानिध्य में 9 से 13 मई तक भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। गुरुवार और शुक्रवार को सरावगी मोहल्ला स्थित गुफा मंदिर में तथा 11 से 13 मई विद्यासागर तपोवन छतरी योजना में धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। पंचायत बड़ा धड़ा के अध्यक्ष प्रदीप पाटनी ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत गुरुवार सुबह साढ़े छह बजे आचार्य सुनील सागर महाराज नसियां से विहार कर सरावगी मोहल्ला स्थित गुफा मंदिर पहुंचे।

कार्यक्रम में घट यात्रा, वेदी शुद्धि के साथ प्रवचन हुए। दोपहर में एक बजे यागमंडल विधान पंडित कोमलचंद्र के निर्देशन में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने भाग लिया। शुक्रवार को प्रातः हवन व वेदी उद्घाटन पश्चात श्रीजी विराजमान होंगे। जैन ने बताया कि 11 मई को बड़ा धड़ा नसियां से बैडबाजे बग्घी के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी, जो प्रातः 6:30 बजे बड़ा धड़ा की नसियां से प्रारंभ होकर विभिन्न मार्गों कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी सर्किल, बजरंगगढ़, चौपाटी, मित्तल चैम्बर, पार्श्वनाथ कॉलोनी, छतरी योजना होते हुए विद्यासागर तपोवन पहुंचेगी।

स्लीपर बस पलटने से महिलाओं सहित 32 यात्री घायल

अहमदाबाद से कानपुर जा रही थी स्लीपर बस

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। बांदरसिंदरी थाना अंतर्गत जयपुर हाइवे मार्ग पर अहमदाबाद से कानपुर जा रही श्रीनाथ ट्रेवल्स कंपनी की वीडियोकोच बस के अनियंत्रित होकर पलटी खाने से करीब 32 यात्री घायल हो गये। सभी घायलों को स्थानीय यज्ञनारायण अस्पताल में भर्ती कराया, किंतु नौ यात्रियों को चिंताजनक स्थिति के बीच जेएलएन हॉस्पिटल अजमेर रेफर कर दिया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि काफी मशक्कत के बाद घायलों को बस से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

थाना प्रभारी पारुल यादव ने बताया कि रात करीब पौने बारह बजे घटना के समय यात्री गहरी नींद में थे, धमाके की आवाज के साथ अंधेरा होने के कारण यात्री कुछ समझ पाते, इससे पहले ही चीख पुकार मच गई। यात्री एक दूसरे पर गिर पड़े। पुलिस कंट्रोल रूम से इत्तला मिलने पर थाना प्रभारी पारुल यादव, मदनगंज थाना इंचार्ज घनश्याम सिंह जवानों के साथ मौके पर पहुंचे। चोटग्रस्त यात्रियों को अस्पताल पहुंचाया। घायलों में अहमदाबाद

घायलों को स्थानीय यज्ञनारायण अस्पताल में भर्ती कराया।

निवासी सुथार मोहन (24) पुत्र वीरेंद्र भाई, रायबरेली यूपी निवासी रामबहादुर (40) पुत्र शिव मोहन, भिंड एमपी निवासी रश्मि (30) पत्नी सोनू, यूपी निवासी बलराम (60) पुत्र लालू, भिंड एमपी निवासी प्रदीप कुमार (24) पुत्र सुरेश, इटावा यूपी निवासी कल्पना (22) पत्नी आकाश, मुरैना एमपी निवासी लक्ष्मण (30) पुत्र रामसहाय, भिंड एमपी निवासी वर्षा (15) पुत्र सुरेश, महू एमपी निवासी शिवम विश्वकर्मा (21) पुत्र बालकिशन, इटावा यूपी निवासी अवनीश राजावत (24) पुत्र मंगलसिंह, भिंड एमपी निवासी अनिता (24) पत्नी सूरज, इनकी 3 साल की बेटी हिमांशी और 6 माह की बेटी, बांदा यूपी निवासी रमेश सिंह (35) पुत्र शिवपूजन सिंह, जालौन यूपी निवासी जयकंवर (60) पत्नी रामस्वरूप, रायबरेली यूपी निवासी शशि (35) पत्नी रामबहादुर, रायबरेली यूपी निवासी शिवा सिंह

- **नौ घायलों को अजमेर रेफर किया,**
- **यात्री गहरी नींद में थे, धमाके की आवाज के साथ चीख पुकार मच गई**

(21) पुत्र हरिनारायण, ओरेया यूपी निवासी रोहित पुत्र मुख्तियार, फिरोजाबाद निवासी रिंकू (24) पुत्र अवधेश यादव, नरोडा अहमदाबाद निवासी रेनू (39) पुत्र शिवाधार, मिर्जापुर यूपी निवासी मुस्कान (18) पत्नी शिराज, कानपुर निवासी सुरेंद्र सिंह (23) पुत्र सूरजपाल नायक, फहतपुर यूपी निवासी शिवकिशोर (25) पुत्र शिवराम रेदास, औरैया यूपी निवासी हरी बाबू (23) पुत्र चरण सिंह राजपूत, रायबरेली यूपी निवासी देवीशंकर (18) पुत्र राम रावत, महाराज गंज यूपी निवासी मोहम्मद अख्तर (21), जालौन यूपी निवासी देवेंद्र (36) पुत्र रामस्वरूप शामिल है। पुलिस नें मामला पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है।

पंछियो के लिए लगाए गए परिंडे

ब्यावर, (निसं)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद द्वारा भीषण गर्मी में पंछियों के लिए परिंड़े व दाने की व्यवस्था के साथ पात्र लगाए गए। विभाग उपाध्यक्ष मुकेश सोनी ने बताया कि प्रदेश उपाध्यक्ष हेमंत कुमावत व विभाग अध्यक्ष डॉ विवेक शर्मा के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। सेवा सप्ताह के रूप में परिंडे लगाने का कार्यक्रम जारी रहेगा जिसे बीएल सोनी इंग्लिश मीडियम स्कूल से शुभारंभ किया गया तथा विद्यालय परिसर में परिंडे लगाए गए।

हेमंत कुमावत व डॉक्टर विवेक शर्मा ने उपस्थित बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी संकल्प करें कि पंछियों के लिए अपने घरों, स्कूल, फैक्ट्री, आसपास के उद्यान में पंछियों के लिए परिंड़े लगाएंगे तथा नियमित रूप से उनकी देखरेख करते हुए उसमें दाना पानी कि हम व्यवस्था करेंगे। समाजसेवी गजराज आचार्य ने कहा कि पशु पक्षियोंकी सेवा मानव धर्म है। सोनी ने बताया कि परिंड़े लगाओ अभियान के साथ गौ माता के पानी की टंकीया भी आवश्यक स्थानो पर लगाई जाएगी। कार्यक्रम में विधिक सलाहकार कपिल जालवाल, राजेंद्र बाड़मेरा, संदीप चौहान, गिरीश सोनी, इंदिरा सोनी, प्रियंका जैन, तनीषा साहू, दिशा सोनी, खुशबू साहू, गजराज आचार्य, सत्यनारायण बालोदिया, कार्तिक सोनी आदि उपस्थित रहे।

सार-समाचार

दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर 11 से

अजमेर, (कासं)। लायंस क्लब इंटरनेशनल के प्रांत 3233 ई 2 का लायनेस्टिक वर्ष 2024-25 के दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर एवम् प्री केबिनेट मीटिंग शिक्षालय 11 एवम् 12 मई को निर्वाचित प्रांतपाल लायन श्यामसुंदर मंत्री की अध्यक्षता में उदयपुर स्थित एसेंबल प्लेस रिजॉर्ट में आयोजित किया जाएगा। एडिशनल डिस्ट्रिक मीडिया कॉर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि प्रशिक्षण शिविर में प्रांत के नवनियुक्त संभागीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष, माइक्रो, केबिनेट मेंबर की स्कूलिंग की जायेगी। प्रांतीय सचिव लायन सुभाष रावंका ने बताया कि11 मई को अपराह्न 3.15 बजे रजिस्ट्रेशन एवम् फेलोशिप, 4.30 बजे उद्घाटन सत्र, 5 बजे प्रथम सत्र, 6.45 द्वितीय सत्र होगा। 12 मई को पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर लायन वी के लाडिया, लायन जे पी सिंह दिल्ली 10.30 बजे प्रशिक्षण देंगे। इसी दिन 12 बजे फोटो सेशन, 2 बजे प्री केबिनेट मीटिंग आयोजित की जायेगी। पूर्व प्रांतपाल लायन अनिल नाहर मिशन 1.50 के बारे में विस्तार से बताएंगे। मुख्य सलाहकार लायन अरविंद शर्मा लक्ष्य निर्धारण एवम् प्राप्ति पर अपने विचार रखेंगे।

द स्मार्ट अजमेरियन ने घोंसले लगाये

अजमेर, (कासं)। गर्मी में बेजुबान पक्षियों का ख्याल रखने की भावना द स्मार्ट अजमेरियन संस्था के हर सदस्य के मन में हमेशा रही है और इसके लिए निरंतर कार्यरत भी है। संस्था के उपाध्यक्ष दिनेश के शर्मा ने बताया कि गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए संस्था द्वारा हर वर्ष दाना पात्र व जल पात्र की व्यवस्था निरंतर की जाती रहीं है, इसी कड़ी में गुरुवार दाना व जल पात्र के साथ-साथ पक्षियों के लिए घास के बने सुरक्षित घरौंदे की भी व्यवस्था की गई है। राजा साइकल स्थित रलवे गार्डन, फ्रेजर रोड स्थित ऑफिसर क्लब के सामने रेल गार्डन में संस्था के पदाधिकारियों ने करीब 30 घरौंदे पेड़ो पर लगाये ताकि दान-पानी के पश्चात पक्षियों को धूप से बचने व विश्राम के लिए भी स्थान मिल सके। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सोना धनवानी, मनीष सेन, हरिराम कोढवानी, कशिश बायला मौजूद रहे।

संशोधित वर्गवार वर्गीकरण जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा कनिष्ठ विधि अधिकारी (विधि एवं विधिक कार्य विभाग) भर्ती-2023 के संबंध में शुद्धि-पत्र संख्या 01/2024-25 द्वारा संशोधित वर्गवार वर्गीकरण जारी किया गया है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त 140 पदों पर भर्ती के लिए दिनांक 5 जुलाई 2023 को जारी किया गया था। इसके अंतर्गत गैर अनुसूचित क्षेत्र के लिए 134 पद एवं अनुसूचित क्षेत्र के लिए 6 पद विज्ञापित किए गए थे। संबंधित विभाग द्वारा कनिष्ठ विधि अधिकारी के वर्ष 2018-19 की भर्ती में रिक्त रहे भूतपूर्व सैनिकों के 14 बैकलॉग के पदों को इस भर्ती परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के फलस्वरूप गैर अनुसूचित क्षेत्र के कुल 134 एवं अनुसूचित क्षेत्र के कुल 6 पदों के संशोधित वर्गवार वर्गीकरण के संबंध में शुद्धि-पत्र जारी किया गया है जिसका अवलोकन अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट पर कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप की जंयती मनाई

अजमेर, (कासं)। मां भारती के वीर सपूत महाराणा प्रताप की जन्म जयंती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय तोपदड़ा में भंवर सिंह राठौड़ प्रदेश सचिव के मुख्य आतिथ्य व सत्यनारायण शर्मा, जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में मनाई गई। महाराणा प्रताप के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर व पुष्प अर्पित कर जन्म जयंती मनाई गई।

राज्य स्तरीय निर्णय लेखन कार्यशाला 12 जून से

अजमेर, (कासं)। राज्य के राजस्व न्यायालयों में पारित होने वाले निर्णयों को त्रुटिरहित, गुणवत्तापूर्ण एवं विधि सम्मत ढंग से लेखन की प्रवृत्ति सुनिश्चित करने के महत्वपूर्ण उद्देश्य को लेकर अधीनस?थ राजस?व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारियों की तीन दिवसीय निर्णय लेखन कार्यशाला 12 से 14 जून तक अजमेर के राजस्व अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित होगी।

राजस्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह ने बताया कि इस दिवसीय कार्यशाला में राज्य के प्रत्येक जिले से सभी राजस्व अपील प्राधिकारी, भू प्रबंध अधिकारी पदेन राजस्व अपील प्राधिकारियों के साथ ही हर जिले से जिला कलक्टर के स्तर से अतिरिक्त जिला कलक्टर, उपखंड अधिकारी एवं सहायक कलक्टर में से किसी एक राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी की सहभागिता अपेक्षित की गई है।

राजस्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह की नवाचारी पहल के तहत इससे पूर्व भी राज्य के अतिरिक्त संभागीय आयुक्त, राजस्व अपील अधिकारी एवं भू प्रबंध अधिकारियों तथा अतिरिक्त जिला कलेक्टर स्तर के अधिकारियों की कार्यशालाएं यहां आयोजित हो चुकी है। कार्यशाला में हर जिले से अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति के लिए जिला कलेक्टर्स को निर्देशित किया जा रहा है। नामांकन के बावजूद अधिकारियों की कार्यशाला में अनुपस्थिति को गंभीरता से लिया जाएगा।

ब्राह्मण समाज सृष्टि के कल्याण एवँ जनउत्थान हेतु संकल्पित है : अजय शर्मा

ब्यावर, (निसं)। ब्राह्मण समाज ब्यावर द्वारा स्थापित धर्म ध्वजा की अगुवाई में भगवान परशुराम जन्मोत्सव पंच दिवसीय महोत्सव के तहत आज अक्षय तृतीया के पावन दिवस पर चमन चौराहा स्थित श्री राधाकृष्ण मन्दिर से भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों पर निकलेगी। ब्राह्मण समाज की शोभायात्रा को लेकर जनता में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। शोभायात्रा के मार्ग में जगह जगह स्वागत द्वार लगवाए गए हैं। नगर के प्रमुख समाजों व संस्थाओं ने शोभायात्रा के भव्य स्वागत की तैयारियाँ की है। भगवान परशुराम जन्मोत्सव समिति के संयोजक अजय शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज आदिकाल से ही सृष्टि के कल्याण एवँ जन जन के उत्थान हेतु

हारीत वाटिका में रात्रि आठ बजे से भजन संध्या का आयोजन किया।

संकल्पित रहा है और उसी मूल भावना के अनुरूप भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन पर्व पर ब्यावर ब्राह्मण समाज द्वारा धर्म ध्वजा स्थापित की गई है। आज अक्षय तृतीया के पावन दिवस पर ब्राह्मण समाज के विद्वानों, पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से धर्म ध्वजा की अगुवाई में ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान परशुराम जी की भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरेगी। शोभायात्रा में नगरवासियों को विशेष रूप से तेरह शक्तिपीठ और दो सिद्धपीठ की पवित्र ज्योति के भी दर्शन होंगे। संयोजक अजय शर्मा ने ब्यावर की जनता से निवेदन किया है कि ऐसे पावन मौक़े पर धर्म लाभ अवश्य ले। भगवान परशुराम जन्मोत्सव समिति के मीडिया प्रभारी रवि डंडायत ने बताया कि पंच दिवसीय महोत्सव के तहत आज चौथे दिन सेन्दड़ा रोड़ स्थित श्री हारीत वाटिका में रात्रि आठ बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें भजन गायक मनोज शास्त्री, प्रवीण शर्मा, मयंक शर्मा, सुनील शर्मा, गोपाल चतुर्वेदी आदि ने प्रस्तुति दी।

'अपने जीवन में चरित्र निर्माण का कार्य साधु संगति से प्राप्त होता है'

अजमेर, (कासं)। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगम्बर जैसवाल जैन मंदिर महावीर मार्ग, केसरगंज अजमेर में परम पूज्य आचार्य श्री 108 वसुनंदीजी महाराज के सुयोग्य शिष्य परम पूज्य उपाध्याय श्री 108 वृषभानंद जी मुनिराज, पूज्य मुनि श्री सदानंद जी मुनिराज व क्षुल्लक श्री पूर्णानंद जी महाराज के सानिध्य मे अनंतानंत श्री सिद्ध परमेष्ठी भगवान की दिव्य महा अर्चना का अनुष्ठान व श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान महोत्सव पांचवे दिन 256 अर्घ सम्पर्पित करते हुए सिद्ध प्रभु की महाअर्चना करते हुए कर्म विजय की की पूजा पूर्ण भक्तिभाव से की गई।

कमेटी के सदस्य विनीत कुमार जैन ने बताया कि कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 09 मई गुरूवार को प्रातः 6.15 बजे से श्रीजी के कलषाभिषेक एवं शांति धारा कार्यक्रम सम्पन्न हुये। शांतिधारा के पुर्ण्याजक एवं श्रावक श्रेष्ठी संजय कुमार श्रेष्ठ कुमार साहबजाज परिवार के द्वारा आचार्य विद्यानंद जी एवं वसुनंदी जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। पार्ष्वनाथ भगवान के प्रथम राजकुमार निर्मल कुमार कोठारी परिवार के द्वारा किया गया जिसमें विष्व में सभी प्राणियों का मंगल हो आपसी प्रेम व भाईचारा बढे, अहिंसा का प्रचार हो। सौधर्म इन्द्र रमेशचंद जैन पुष्पा जैन नायक, चक्रवर्ती वीरेंद्र कुमार जैन शालिनी जैन बढ़ारी, महायज्ञनायक कुलदीप जैन ममता जैन ठकुरिया, धनपति कुबेर रुपेश जैन रेखा जैन दनगसिया मीटर वाले, राजा श्रीपाल रानी मैनासुंदरी राहुल जैन रीमा जैन पांड्या, यज्ञनायक राजकुमार जैन मालती जैन कोठारी, सिद्धचक्र महामंडल विधान के मुख्य मंगल कलश स्थापनाकर्ता पवन कुमार गौरव कुमार जैन बढ़ारी (बिड़ला पार्क) केसरगंज अजमेर के द्वारा सिद्ध चक्र महामण्डल जी पर अर्घ समर्पित किये गये।

अध्यक्ष पवन जैन बढ़ारी ने बताया कि प्रातः 9.15 बजे परम पूज्य उपाध्याय श्री 108 वृषभानंदजी मुनिराज के मांगलिक उद्बोधन श्री 1008 पार्ष्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर केसरगंज पर आयोजित किये गये जिसमें उन्होने कहा कि प्रत्येक प्राणी को सद् कर्म करते हुए अपनी जीवन व्यतीत करना चाहिये। प्रत्येक प्राणी को अपने जीवन में चरित्र निर्माण का कार्य साधु संगति से प्राप्त होता है। साधु संगति करने से व्यक्ति में वात्सल्य, करूणा, दया, त्याग, अहिंसा व अपरिग्रह के गुण उत्पन्न होते है। भगवान महावीर का सिद्धान्त निरन्तर आत्मसात करना चाहिये। भगवान महावीर स्वामी का दिव्य संदेष "जीओ और जीने दो" "परस्पर मैत्री का भाव", "वासुदेव कुटम्बकम" इसलिए भगवान महावीर के चित्र के समक्ष एक तालाब दर्षाते हुए सिंह और गाय पानी पी रहे है अर्थात् विपरीत स्वभाव के पशु भी भगवान का सानिध्य पाकर मैत्री भाव धारण कर रहे है जो हमें प्रेरणा देता है कि हमेषा हित मित प्रिय एवं सत्य वचन बोलना चाहिये यही जीवन का सार है, इसी में आनन्द है।

आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन 15 से

अजमेर, (कासं)। आईटीआई में प्रवेश के लिए आवेदन 15 मई से भरे जाएंगे। आईटीआई रोजगारपरक व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने पर युवाओं को नौकरी तथा स्वरोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त होते हैं।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के उप निदेशक अनिल कुमार शर्मा ने बताया कि समस्त राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) एवं राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) के अन्तर्गत तथा प्राईवेट औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय व्यवसायिक प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीटी) के अन्तर्गत विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश के लिए राज्य स्तरीय केन्द्रीकृत ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया द्वारा प्रवेश के लिए आवेदन पत्र 15 मई से आमन्त्रित किए गए है। राजस्थान सरकार के एकीकृत एसएसओ पोर्टल अथवा ई-मित्रा कियोस्क के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन फार्म भरने की प्रारम्भ तिथि 15 मई है।

भाजपा ने सरवर चिस्ती के बयान की करी निंदा

अजमेर, (कासं)। भाजपा शहर जिला अजमेर द्वारा प्रेस वार्ता के माध्यम से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष रहे सैम पित्रोदा ने जो कहा है कि 'दक्षिण भारत के लोग काले रंग के होते हैं और दक्षिण अफ्रीका के लोगों के जैसे' दिखते हैं। जिस पर भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी ने कहा कि दक्षिण भारतीय लोगों को त्वचा के रंग के आधार पर देश के दूसरे लोगों से अलग करके दिखाने की कोशिश है, सोनी ने कहा कि दक्षिण भारत के लोग इसे कतई स्वीकार नहीं करेंगे। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने आजादी के काल से ही धर्म के आधार पर देश को बाटा है, अब यह साफ हो जाता है कि अब वह लोगों को त्वचा के रंग के आधार पर भी अलग-अलग पहचान देने की कोशिश कर रही है,यह देश की एकता के लिए खतरनाक हो सकता है

जब भाजपा ने आदिवासी समाज से आने वाली द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाने का निर्णय लिया था, कांग्रेस ने उनकी उम्मीदवारी का विरोध किया था, सोनी ने कहा कि अब समझ आता है कि कांग्रेस के लोगों ने काली रंग की त्वचा को देखकर उनका विरोध किया था। उन्होंने कहा कि संभवतया कांग्रेस के लोगों ने द्रौपदी मुर्मू जीको भी अफ्रीका का मान लिया हो। सोनी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस का नेतृत्व विदेशी मूल का हो गया है क्या, वह सारे भारतीयों का मूल विदेश में ढूंढने लगे है, यह भारत के अस्तित्व और पहचान पर सवाल है। यही अंग्रेजी मानसिकता है। कांग्रेस की मानसिकता बहुत साफ है कि भारत को अंदर से तोड़ो। उत्तर-दक्षिण में तोड़ो, तमिल-हिन्दी में तोड़ो, अगड़े-पिछड़े में तोड़ो, दलित-सवर्ण में तोड़ो, उत्तर भारतीय-पंजाबी में तोड़ो और बाहर से भारत जोड़ने का नाटक करो। साथ ही भाजपा शहर जिलाअध्यक्ष रमेश सोनी ने जैन संत मुनि सुनील सागर जी महाराज सा के विहार पर सरवर चिस्ती के बयान की निदा करते हुए कहा कि जैन मुनि संत जो त्याग व तपस्या की मूर्त होते है उनसे सरवर चिश्ती को इस पाप के लिए माफी मांगनी चाहिए।

सरवर चिश्ती का बयान सनातन संस्कृति का अपमानः देवनानी

अजमेर, (कासं)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अजमेर दरगाह में खादिमों की संस्था अंजुमन के सचिव सैयद सरवर चिश्ती के जैन संतों पर दिए गए बयान की भर्त्सना की है। देवनानी ने कहा कि 'सरवर चिश्ती ने जैन संतों के शरीर पर टिप्पणी कर भारतीय सनातन संस्कृति का अपमान किया है। उन्हें सम्पूर्ण सनातन संस्कृति से माफी मांगनी चाहिए।' देवनानी ने कहा कि अढाई दिन का झोंपड़ा की सच्चाई जानने के लिए आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया को पत्र लिखा जाएगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने गुरुवार को एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि सचिव सरवर चिश्ती ने जैन संतों को 'बिना कपड़ों के' कहा है। भारतीय सनातन संस्कृति में तप और तपस्वियों का सर्वोच्च स्थान है। जैन संत जीवन भर वस्त्रहीन रह कर समाज को अपरिग्रह और तपस्या पूर्ण जीवन का संदेश देते हैं। उनका शुद्ध आचरण समाज में शुद्धता और शुचिता का प्रतीक है। जैन संतों ने सदैव अहिंसा पर बल दिया है। समाज में शांति और सदाचार की बात कही है। ऐसे जैन संतों के खिलाफ अंजुमन सचिव सैयद सरवर चिश्ती का बयान बेहद घृणित, दुर्भाग्यपूर्ण और उनकी विकृत मानसिकता का परिचायक है।

- **अढाई दिन का झोपड़ा का ए.एस.आई. से सर्वे के लिए लिखेंगे पत्र**
- **'सरवर चिश्ती को सनातन समाज से माफी मांगनी चाहिए'**

उन्होंने जैन संतों के वस्त्रों को लेकर जो टिप्पणी की है, वह समूचे जैन समाज और सनातन संस्कृति का अपमान करने वाली है।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि सरवर चिश्ती को सनातन समाज से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अढाई दिन का झोपड़ा सदैव से जनमानस में संस्कृत विद्यालय के रूप में अंकित रहा है। अजमेर के लोग जानते है कि सनातन संस्कृति में प्राचीनकाल में इसका शिक्षा के रूप में क्या महत्व था। कालांतर में इस पर किस तरह कब्जा हुआ और कैसे यह विद्यालय से अढाई दिन का झोपड़ा बना, यह खोज का विषय है। अढाई दिन झोपड़ा की सच्चाई जानने के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को पत्र लिखा जाएगा। सनातनी इस तरह की ओछी मानसिकता को बर्दाश्त नहीं करेंगे।

डॉक्टर अमित सोनगरा ने महिला मरीज को रक्त देकर बचाई जान

मेडता सिटी, (निसं)। मेड़ता शहर के चारभुजा हॉस्पिटल में रात्रि में एक महिला की सिजेरियन से डिलीवरी हुई जिसके कारण ब्लड की अति आवश्यकता थी। महिला का बल्ड एबी पॉजिटिव था जो कि आसपास के ब्लड बैंक में नहीं मिला। महिला की चौथी बार सिजेरियन से डिलेवरी होने के कारण उसके जान को खतरा था इसको देखते हुए डॉ अमित सोनगरा का स्वयं ने रक्तदान कर के महिला की जान बचाई।

महिला के पति राजू राम जूरिया ने बताया कि डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं ऐसा सुना था लेकिन पहली बार देखा भी है क्योंकि जब वह उसकी पत्नी को डिलीवरी के लिए चारभुजा हॉस्पिटल लेकर आए तो उसे खून की अति आवश्यकता थी और काफी प्रयास करने पर भी यह रक्त कहीं पर नहीं मिला । अंत में डॉक्टर साहब अमित सोनगरा ने खुद रक्त देखकर मेरी पत्नी की जान बचाई इसलिए उनका में बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं।

वही डॉक्टर अमित सोनगरा ने कहा की क्योंकि महिला की चोथी बार सिजेरियन से डिलीवरी हुई थी इस कारण ब्लड की बहुत कमी थी और ब्लड एबी पॉजिटिव पॉजिटिव था जिन्होंने काफी प्रयास किया लेकिन

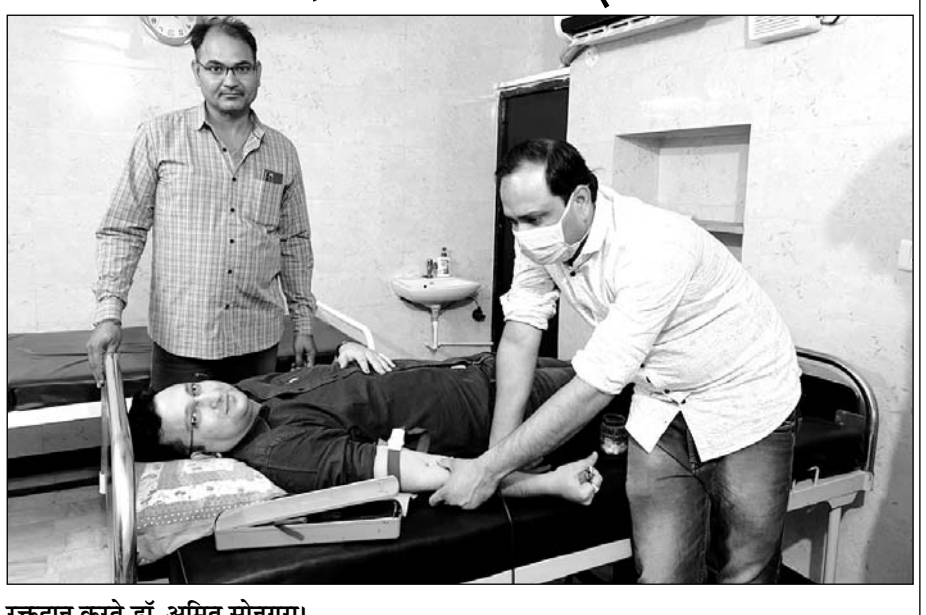

रक्तदान करते डॉ. अमित सोनगरा।

कहीं में रक्त नहीं मिला अंत में मरीज की जान बचाना हमारी प्राथमिकता है इसलिए मैंने स्वयं रक्तदान दिया। और सभी आमजन सा अपील करता हूं कि सभी रक्तदान करें ताकि किसी मरीज की जान बच सके क्योंकि रक्तदान करने से शरीर में कमजोरी नही आती बल्कि शरीर स्वस्थ होता है।

वहीं प्रियंका सोनगरा ने कहा कि महिला की पहले तीन बार डिलीवरी हो चुकी थी तीनों ही डिलेवरी सिजेरियन से हुई थी इस बार भी स्थिति क्रिटिकल होने के कारण महिला की डिलीवरी सीजर से करनी पड़ी। और महिला में रक्त की कमी होने के कारण रक्त की जरूरत पड़ी। परिवार मुख्या राजू जुरिया ट्रक चलाता उसके पहले तीन लड़कियां है इस बार भी चोथी लड़की ही हुई है। इस दौरान डॉ प्रियंका सोनगरा, चेनाराम फिडोदा, रामसा, मरीज सीता, राजू जुरिया आदि मौजूद रहे ।

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/नामा./2024/396 **आम सूचना** दिनांक : 1.5.2024

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान व प्लॉट गृहकर पंजिका में अन्तरण हेतु निम्न विरासत पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस मे मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपति मान्य नहीं होगी।

नामान्तरण

फाइल नं.	आवेदक नाम	मूल आवंटी नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
26	रेणु यादव पत्नि रामबाबू यादव	रामबाबू यादव पुत्र रामशरण यादव	पावर हाउस के पास शासी कॉलोनी आबादी प्लाट बिजयनगर	212.76 SQ.YARD	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय नगर पालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक -न.प.बि/निर्माण.स्वी./2024/532 **आम सूचना** दिनांक : 7.5.2024

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, बाद मियाद, गुजरने पर कोई उज्र / आपति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाइल नं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
20	गोपाल लाल सोनी पुत्र लादूराम सोनी	इन्द्रा नगर, बिजयनगर ब्लॉक नं. डी भू.सं. 26	185.80 SQ.MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका बिजयनगर

प्रारूप 10 नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय-नगर परिषद केकड़ी जिला केकड़ी

क्रमांक/नपके/कृ.भू.रू/2024-25/284 दिनांक: 6/5/2024

मामला सं. **लोक सूचना**

श्री दानवीर चौहान पुत्र श्री घीसुलाल जाति मोची निवासी केकड़ी जिला केकड़ी ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषि (अकृषि) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है-

तहसील और जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल
केकड़ी - केकड़ी	राजस्व ग्राम केकड़ी	खसरा नं. 10396/2459	रकबा 0.2400 हैक्टयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 06-5-2024 को जारी की गयी। प्राधिकृत अधिकारी का नाम और मुहर

प्रारूप 10 नियम 6 (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय-नगर परिषद केकड़ी जिला केकड़ी

क्रमांक/नपके/कृ.भू.रू/2024-25/285 दिनांक: 6/5/2024

मामला सं. **लोक सूचना**

श्री भाग चन्द साहू पुत्र श्री गोपाललाल, श्री सांवरिया बाथरा पुत्र मोहन लाल साहू, निवासी केकड़ी जिला केकड़ी ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषि (अकृषि) प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है-

तहसील और जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नं.	क्षेत्रफल
केकड़ी - केकड़ी	राजस्व ग्राम सरसड़ी	खसरा नं. 1487/1476	रकबा 0.3200 हैक्टयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-

हीटवेव की चपेट में आये जोधपुर, जालोर और बीकानेर

बाड़मेर में 46 डिग्री सर्वाधिक तापमान दर्ज हुआ, जोधपुर में 45 डिग्री पारा दर्ज

- मौसम विभाग के अनुसार 10-12 मई के बीच में प्रदेश में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है
- प्रदेश के कुछेक हिस्सों में मेघगर्जना, आंधी और बादल बारिश की संभावना बनेगी

जोधपुर/बीकानेर, (कासं)। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच राहत की खबर है। 10 से 12 मई के बीच में एक कमजोर पश्चिमी तंत्र विकसित हो रहा है। ऐसे में शुक्रवार से प्रदेश में मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। फिलहाल गुरुवार को दिन और रात तक पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, जैसलमेर और बीकानेर संभाग में हीटवेव बना रहा। गुरुवार को जोधपुर में तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया है वहीं बाड़मेर 46 डिग्री सर्वाधिक तापमान बताया गया है।

प्रदेश में गर्मी अपने प्रचण्ड रूप में है। सूर्यदेव आसमां से आग बरसा रहे हैं। पंखें, कूलर और एसी तक ने जवाब दे दिया है। भीषण गर्मी के चलते बिजली तंत्र भी गड़बड़ा गया है। मौसम विभाग की मानें तो आगामी 10-12 मई के बीच में प्रदेश में एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ बन रहा है जिससे प्रदेश के कुछेक हिस्सों में मेघगर्जना, आंधी और बादल बारिश की संभावना बनेगी।

मौसम विभाग केंद्र जयपुर के अनुसार जोधपुर में भी आगामी दो दिन तक आंधी बारिश की संभावना बनी है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर में आज 45 डिग्री तापमान रिकार्ड किया गया है तो बाड़मेर सर्वाधिक 46 डिग्री तापमान दर्ज किया गया है।

बीकानेर संवाददाता के अनुसार :-पश्चिमी राजस्थान का रेगिस्तानी इलाका जितना जल्दी ठंडा होता है, उतना ही जल्दी गर्म भी हो जाता है। अप्रेल माह तक सब कुछ ठीक-ठाक गुजरा, किंतु मई माह के शुरू होने के साथ ही गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। आलम ये है कि तल्ख गर्मी व हीटववे की वजह से मई के पहले सप्ताह में सड़कों पर कर्फ्यू का आलम है। पूरे राजस्थान में गर्मी सता रही है, किंतु मंगलवार को बीकाणा का अधिकतम तापमान 44 डिग्री पार तक पहुंच गया। यह तो वातानुकूलित व कूलर व पंखों वाले कमरों का हाल है। जबकि सड़कों पर तो इससे कहीं अधिक गर्मी का आलम है। जिसकी वजह से सड़कों पर सन्नाटा परसने लगा है। अधिकतम व न्यूनतम तापमान के बीच के अन्तर से ही बीकाणा में पड़ने वाली गर्मी का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। उस पर रूक-रूककर 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गर्म हवा के थपेड़े इस गर्मी में कोढ़ में खाज का काम कर रहे हैं। सूर्य का तप व गर्मी इतनी अधिक तेज है कि वातावरण से मानों नमी पूरी तरह से सिकुड़ चुकी है।

जालोर में पारा 45.5 डिग्री पहुंचा, गर्मी से लोग बेहाल

- अत्यधिक गर्मी को देखते हुए जिला कलेक्टर ने स्कूल में छुट्टी के आदेश जारी किये

जालोर, (कासं)। जालोर जिले में हीटवेव के चलते गर्मी के तेवर तीखी देखे गये। गुरूवार को तापमान 45.5 डिग्री तक पहुंचने से दोपहर के समय गर्मी व तपसी से आमजन बेहाल नजर आया। वहीं जिला कलेक्टर पूजा पार्थ ने तेज गर्मी को देखते हुए जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा नर्सरी से पांचवी तक अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों के लिए 9 से 15 मई (सत्रांत) तक अवकाश घोषित किया है तथा कक्षा 6 से 12 तक के समय में परिवर्तन किया है।

जालोर जिले में उष्ण तापमान बढ़ने के साथ ही सूर्यदेव अपने तीखे तेवर में नजर आ रहे हैं। गत दो दिनों से तेज गर्मी के चलते कुलर, एसी व पंखे भी बेअसर नजर आ रहे हैं। वहीं दोपहर के समय तेज गर्मी के चलते शहर की सड़कें सूनी नजर आई। वहीं तेज गर्मी से बचने के लिए लोग जतन करते नजर आये। गुरूवार को गर्मी का पारा 45 डिग्री से ऊपर गुजर जाने से सड़कें भी आग उगलती नजर आई। तेज गर्मी से जनजीवन प्रभावित नजर आया। तेज गर्मी के चलते लोगों के हाल बेहाल है। वही जिला कलक्टर पूजा पार्थ ने बताया कि अत्यधिक गर्मी के चलते जिले में संचालित समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों में कक्षा नर्सरी से पांचवी तक अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों के लिए 9 से 15 मई (सत्रांत) तक अवकाश रहेगा। वहीं कक्षा 6 से 12 का समय प्रातः 7 बजे से प्रातः 11.30 बजे तक रहेगा तथा समस्त शिक्षकों व कार्मिकों का समय यथावत रहेगा।

सलमान खान के घर फायरिंग करने का नागौर कनेक्शन सामने आया

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से मामले में की गई पांचवी गिरफ्तारी के बाद खुलासा हुआ

- मामले का सूत्रधार नागौर के बासनी का रहने वाला मोहम्मद रफीक चौधरी निकला
- मुम्बई क्राइम ब्रांच ने मोहम्मद रफीक चौधरी को मारवाड़ जंक्शन पाली से ट्रेन यात्रा के दौरान दबोचा

नागौर, (निसं)। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले का नागौर कनेक्शन भी सामने आया है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की ओर से मामले में की गई पांचवी गिरफ्तारी के बाद यह खुलासा हुआ है कि मामले का सूत्रधार कोई और नहीं बल्कि नागौर के बासनी का रहने वाला मोहम्मद रफीक चौधरी था।

सूत्रों के मुताबिक मुंबई क्राइम ब्रांच टीम ने पूर्व में चार गिरफ्तारियां कर ली थी और पांचवें आरोपी की तलाश की जा रही थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम ने आखिरकार मोहम्मद रफीक चौधरी को राजस्थान के मारवाड़ जंक्शन रेल्वे स्टेशन से ट्रैन में सफ़र करते हुए धर दबोचा। बताया जा रहा है कि रफीक चौधरी नागौर के सदर थाने के बासनी का मूल निवासी है और अपने भाइयों के साथ मुंबई में दूध की डेयरी के व्यवसाय से जुड़ा है और यहीं रहते हुए वह अपराधी गतिविधियों में लिप्त हो गया। यह भी कहां जा रहा है कि जांच एजेन्सी के मुताबिक रफीक चौधरी लॉरेंस गैंग से जुड़ा हुआ है और अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले में उसने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। सूत्रों से जो सूचनाओं मिल रही है उनके मुताबिक फायरिंग मामले के पाल और गुप्ता को आरोपी रफीक चौधरी ने कथित तौर पर मोटरसाइकिल खरीदने और मकान किराए पर लेने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की थी। फिलहाल मुंबई क्राइम ब्रांच ने रफीक चौधरी को न्यायालय में पेश किया और उसके बाद उससे अगले कुछ दिनों तक रिमांड पर भेजा गया है।

लड़की से मिलने आए नीट स्टूडेंट की हत्या

- युवती के परिजनों ने स्टूडेंट को पीट-पीटकर मार डाला, इंस्टाग्राम पर दोनों की दोस्ती हुई थी

मृतक संतोष कुमार केसरी।

मेड़ता सिटी, (निसं)। इंस्टाग्राम पर दोस्त बनी लड़की से मिलने आए नीट स्टूडेंट को युवती के परिजनों ने इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। मामला मेड़ता सिटी थाना क्षेत्र (नागौर) के सारंग बासनी गांव का है।

मेड़ता वृताधिकारी पिंटू कुमार ने बताया कि यह पूरी घटना बुधवार की है। कोटा के एक इंस्टीट्यूट से नीट की तैयारी कर रहा युवक संतोष कुमार केसरी (17) पुत्र उमेश केसरी अपनी इंस्टाग्राम पर फ्रेंड बनी युवती से मिलने सारंग बासनी गांव आया। स्टूडेंट को युवती के परिजनों ने इतना पीटा कि उसकी मौत हो गई। कोटा के एक जो बिहार के मधुबन हॉल का रहने वाला था। इस दौरान युवती के परिजनों को यह बात पता चल गई और उन्होंने युवक के साथ मारपीट कर दी। मारपीट में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था। लड़की के परिजनों ने ही उसे मेड़ता राजकीय चिकित्सालय में भर्ती कराया था। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

मेड़ता सीआई राजवीर सिंह ने बताया कि मेडिकल बोर्ड से गुरुवार दोपहर युवक के शव का पोस्टमॉर्टम करवाया है। युवक के पिता उमेश केसरी ने युवती के पिता, चाचा व अन्य परिजनों के खिलाफ पीट-पीटकर हत्या करने का मामला दर्ज कराया है। मामले में कार्रवाई की जा रही है। पिता उमेश ने बताया कि पांच साल से कोटा में रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। फाइनल में अच्छा स्कोर किया था। छह मई को कोटा से निकला था। सात मई को बेटे से बात हुई थी, उसने कहा था घूमने जा रहा हूं। बुधवार को क्वार्टर पर जाते ही पुलिस ने फोन कर मामले की जानकारी दी थी। युवक के पिता उमेश कुमार केसरी बिहार में मधुबन के रहने वाले हैं और वर्तमान में अमृतसर के पास तरणतारण रेलवे स्टेशन पर स्टेशन अधीक्षक के पद पर कार्यरत है। संतोष इकलौता बेटा था। पिता ने हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने लड़की के घर वालों को हिरासत में लिया है।

बाल विवाह से मुक्त हुई बालिका वधू

जोधपुर, (कासं)। अबूझ सावे के तौर पर बाल विवाह करवाए जाने की कुप्रथा से जुड़ा आखातीज यानी अक्षय तृतीया पर्व सुगंधा (बदला हुआ नाम) के लिए जीत की खुशियां लेकर आया। आखातीज के मौके पर सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती के संबल से सुगंधा का बाल विवाह बालिग होने पहले ही निरस्त हो गया। जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या दो ने सुगंधा के महज दस साल की उम्र में हुए बाल विवाह को निरस्त करने का फैसला सुनाकर आखातीज पर समाज को कड़ा संदेश दिया।

इसके साथ ही सारथी ट्रस्ट की डॉ. कृति भारती ने अब तक 51 मासूम जोड़ों का बाल विवाह निरस्त करवाने और लगातार आखातीज पर भी बाल विवाह निरस्त करवाने की सुप्रथा की हैट्रिक के साथ दोहरे कीर्तिमान बनाए हैं। जोधपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र की निवासी कमठा मजदूर की बेटी 17 वर्षीय सुगंधा (बदला हुआ नाम) का महज 10 साल की उम्र में बाल विवाह हो गया था। सुगंधा सात साल तक बालविवाह का दंश झेलती रही। उसे गौना करवाकर 16 साल की उम्र में ससुराल भी भेज दिया गया था। जहां उसके साथ अच्छा बर्ताव नहीं हुआ। इस बीच सुगंधा को वर्ल्ड टॉप टेन एक्टिविस्ट और बीबीसी 100 इंस्पिरेशनल वूमन सूची में शुमार जोधपुर के सारथी ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एवं पुनर्वास मनोवैज्ञानिक डॉ. कृति भारती की बाल विवाह निरस्त की मुहिम के बारे में महिला पुलिस थाने से जानकारी मिली। सुगंधा ने डॉ. कृति से मुलाकात कर पीड़ा बताई। जिसके बाद डॉ. कृति ने करीब पांच माह पहले सुगंधा के बाल विवाह निरस्त का वाद जोधपुर के पारिवारिक न्यायालय संख्या 2 में दायर किया। डॉ.कृति ने ही सुगंधा की ओर से पैरवी कर बाल विवाह और आयु संबंधी तथ्यों से अवगत करवाया जिसके बाद पारिवारिक न्यायालय संख्या दो के तत्कालीन न्यायाधीश प्रदीप कुमार मोदी ने सुगंधा के महज 10 साल की उम्र में 7 साल पहले हुए बाल विवाह को निरस्त करने का फैसला सुनाया।

तीन बहनों की नदी में डूबने से मौत, गांव में मातम पसरा

उदयपुर, (कासं)। जिले के सायरा थाना क्षेत्र की रावछ ग्राम पंचायत में मेरे का खेत की रुपणिया धरा नदी पर नहाने गई तीन बहनों की पानी में डूबने से मौत हो गई। तीन बहनों की एक साथ हुई मौत से पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया।

ओमप्रकाश गरासिया की बेटी सविता कुंवर (ढाई वर्ष) और रीना कुमारी (4 वर्ष) व मेहमान आई बहन प्यारी गरासिया की बेटी जतल (4 वर्ष) को घर पर अकेला छोड़कर पूरे परिवार के साथ खेतों पर काम करने गए थे। तेज गर्मी होने के चलते तीनों मासूम बालिकाएं खेलते हुए नदी के पास पहुंच गई और वहां नदी में नहाने उतरी जहां एक के बाद एक तीनों पानी में डूब गई। नदी की ओर से घर आ रहे मंसाराम गरासिया ने तीनों के कपड़े नदी किनारे देखे और परिवार के लोग उधर बच्चों को ढूंढ रहे थे तो मंशाराम ने तीनों लड़कियों के कपड़े नदी पर होना बताया। जिस पर गांव के लोग मौके पर पहुंचे तीनों के शव पानी में तैरते हुए दिखे। ग्रामीणों की सूचना पर सायरा थानाधिकारी प्रवीण सिंह जुगनावत जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से तीनों शवों को नदी से बाहर निकलवाकर सायरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

बीकानेर के सहजरासर में जमीन धंसने के रहस्य से पर्दा उठा

- घटना के कारणों का खुलासा जीएसआई के अधिकारियों ने मौका देख कर किया
- अधिकारियों ने अत्यधिक जलदोहन को भूमि धंसने का कारण माना

लूणकरनसर, (निसं)। भूमिगत जल का अंधाधुंध दोहन करने से भूमि की कोख तो सूख ही रही है, भविष्य में इसके भयावह परिणाम भूगर्भीय घटनाओं के रूप में भी देखने को मिल सकते हैं। इस खतरे का अलार्म प्रकृति ने सहजरासर गांव की रोही में तीन सप्ताह पहले बजा भी दिया है। गत 15 अप्रेल की रात को अचानक जमीन धंसने से करीब 100 फीट गहरा गड्ढा हो गया था। इसके दायरे में पक्की डामर रोड का कुछ हिस्सा भी आ गया, जो जमींदोज हो गया है। सहजरासर की इस घटना के कारणों का खुलासा भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के अधिकारियों ने मौका देख कर किया है। इसमें अत्यधिक जलदोहन को भूमि धंसने का कारण माना है। गड्ढे की प्रशासन ने तारबंदी करवाकर छोड़ रखी है। पुलिस नियमित निगरानी कर रही है।

जानकारी के अनुसार गत 15 अप्रेल की रात करीब तीन बजे लूणकरनसर-ढाणी भोपालाराम से सहजरासर गांव जाने वाली सड़क पर सहजरासर गांव के नजदीक रोही में जगूनाथ के खेत में अचानक जमीन धंस गई थी। इससे 150 से 200 फीट लम्बा-चौड़ा तथा तकरीबन 90-100 फीट गहरा गड्ढा हो गया। करीब 50-60 फीट तक सड़क भी जमींदोज हो गई। एक-दो दिन में दरारें कुछ और बढ रीं। अंदाजन गड्ढा की मोटाई-चौड़ाई इस दौरान बढ़ी है। गत 24 अप्रेल को झालाना डूंगरी जयपुर से भारतीय भू-सर्वेक्षण विभाग की तीन सदस्यीय टीम जांच के लिए आई। उसने तीन दिन जांच के बाद प्रशासन को रिपोर्ट सौंपी।

उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि जीसीआई ने जमीन धंसने के मामले में अपनी जांच रिपोर्ट में जल के अत्यधिक दोहन को कारण माना है। जांच रिपोर्ट में बताया है कि बरसात की कमी से भूजल रिचार्ज नहीं हुआ। इससे जमीन खोखली हो गई और मिट्टी नीचे चली गई। जीसीआई ने मौसम विभाग, भूजल विभाग, सैटेलाइट समेत कई तरह के साक्ष्य जुटाए हैं। इसके बाद अपनी जांच में पाया कि भूजल रिचार्ज नहीं होने से तथा नीचे की जमीन ज्यादा सख्त नहीं होने से जमीन धंसी। जीसीआई इसे भौगोलिक घटना मान रहा है।

ग्रामीणों के मुताबिक, कि इस जगह पर तकरीबन सौ साल पहले आकाशीय बिजली गिरी थी। इसी कारण इस जगह को लेकर आम बोचचाल में लोग बिजलखाड़ के नाम से पुकारते हैं। ग्रामीणों की मानें, तो इस जगह पिछले कई साल से एक-दो फीट जगह धीरे-धीरे धंसती आ रही है। इस कारण सड़क भी हर साल क्षतिग्रस्त होती रही है।

उपखण्ड अधिकारी राजेन्द्र कुमार ने बताया कि सड़क भी जमीन में धंसने से सम्पर्क टूट गया है। मौके पर पंचायत की मदद से पास के खेत से रास्ता बना कर सड़क से जोड़ा गया है। अब बजट मिलने के बाद पुनः गड्ढे का भरवाकर दोबारा सड़क बनवाई जाएगी। जमीन धंसने के मामले को लेकर लोगों में कौतूहल बना हुआ है। धारा 144 लगाने के बावजूद लोग गड्ढे को देखने के लिए आते जा रहे हैं। लिहाजा पुलिस के जवानों को खासा मशक्कत करनी पड़ रही है।

लकड़ी से बने फंटों से भरा ट्रक जब्त

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में कोटपुतली वन विभाग की टीम ने अवैध खनन तथा परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुये मुख्य वन संरक्षक राजीव चतुर्वेदी, उप वन संरक्षक जयपुर उत्तर देवेंद्र प्रताप जागावत के निर्देशन एवं रेंज कोटपुतली क्षेत्रीय वन अधिकार देवेंद्र के नेतृत्व में वन विभाग की टीम ने हरियाणा से बगरू जयपुर जाते हुए तिरपाल से ढके हुए एक ट्रक को रोककर ट्रक चालक से पूछताछ करने पर ट्रक में लकड़ियां भरी होना पाया। इस पर लकड़ियों के ट्रक पर लगे तिरपाल को खोलकर देखा तो उसमें प्रतिबंधित आम की लकड़ियों से बने फंटे भरे हुए थे जिनकी बाजार कीमत लगभग चार लाख रुपए है। इस दौरान कोटपुतली नाका प्रभारी दाताराम यादव, बूचारा नाका प्रभारी अशोक गुर्जर, वनरक्षक मुकेश गुर्जर, सहायक वनपाल राजेंद्र मीणा, मीर सिंह उक्त कार्यवाही मे शामिल रहे।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म

- पीड़िता ने थाने में मुकदमा दर्ज कराया

अजमेर, (कासं)। दरगाह थाना क्षेत्र में एक युवती को शादी का झांसा देकर तीन साल तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने थाने में युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में पीड़िता ने आरोप लगाया कि जब शादी के लिए युवक पर दबाव बनाया तो उसे शादी करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने मुकदमा मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दरगाह थाना पुलिस के अनुसार पीडिता ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 3 साल पूर्व उसकी इंस्टाग्राम पर एक युवक से बातचीत शुरू हुई थी। कुछ समय बाद दोनों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई। बाद में आरोपी ने उसके घर भी आने लग गया। पीडिता ने बताया कि आरोपी युवक ने शादी करने का प्रस्ताव रखा था, जिसे उसने स्वीकार कर लिया था। इसका फायदा उठाकर आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। जब उसने शादी के लिए कहा तो आश्वासन देकर टालता रहा। करीब 3 साल तक उसके साथ आरोपी रेप करता रहा था। इस बीच आरोपी उसे उधार के नाम पर 25 से 30 हजार रुपए भी हड़प चुका है। पीडिता ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ माह पहले आरोपी ने उससे बातचीत करना बंद कर दिया। जब उसने शादी के लिए कहा तो वह उसे टालता रहा। बाद में उसे फोन पर शादी करने से मना कर दिया। इसके साथ ही उसके परिवार वालों के द्वारा भी उसे उससे दूर रहने की धमकी दी गई। पीडिता की शिकायत पर दरगाह थाना पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि., जालोर
प्रधान कार्यालय : हरिदेव जोशी सर्किल के पास, जालोर-343001
Email: headoffice@jalorebank.com Phone No. 9461440881

क्रमांक/जानासबैंकलि/1042 दिनांक 09.05.2024

बैंक के सदस्यों (शेयर होल्डर्स) का ग्रुप जनता दुर्घटना बीमा करने हेतु निविदा सूचना

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लि. के सदस्य (शेयर होल्डर्स) जिनकी अनुमानित संख्या कुल 18357 का ग्रुप जनता दुर्घटना बीमा पॉलीसी दिनांक 21.06.2024 की मध्यरात्रि को ड्यु हो रही हैं एवं नवीनीकरण करवाया जाना हैं। जिसका बीमा रू. 50,000/- प्रति सदस्य (शेयर होल्डर्स) हैं। उक्त पोलिसी Continuity Plan के तहत की जाएगी, जिसमें समय-समय पर नये सदस्यों (शेयर होल्डर्स) को जोडा जा सकेगा। अतः ग्रुप जनता व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा की प्रिमियम दर समस्त कवरेज सहित निविदा दिनांक 27.05.2024 को सायं 4 बजे बैंक प्रधान कार्यालय स्थित मुख्यकार्यकारी अधिकारी के कक्ष में रखे टेण्डर बाक्स में डालना सुनिश्चित करें।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी

पूर्व विधायक विवेक धाकड़ की संदिग्ध मौत मामला : पारिवारिक विवाद अब सड़क तक पहुंचा

बहू के खिलाफ अब ससुर ने मोर्चा खोलते हुए अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ प्रदर्शन किया

पूर्व जिला प्रमुख कन्हैयालाल धाकड़ ने समर्थकों के साथ कलेक्ट्री पर प्रदर्शन किया।

- कन्हैयालाल धाकड़ का आरोप है कि उनकी बहू ने ही अपने सहयोगियों के साथ षड्यंत्र रचकर उनके बेटे विवेक धाकड़ को जान देने के लिए मजबूर किया है

भीलवाड़ा, (निसं)। मांडलगढ़ के पूर्व विधायक विवेक धाकड़ की संदिग्ध मौत मामले में आरोप- प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है। पारिवारिक कलेश अब सड़क तक पहुंच चुका है और बहू के खिलाफ अब ससुर ने मोर्चा खोलते हुए अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कलेक्ट्री पर प्रदर्शन किया। पूर्व जिला प्रमुख कन्हैयालाल धाकड़ ने अपनी पुत्रवधु पद्मिनी व उसके सहयोगियों के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए जिला कलेक्ट्री पर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

धाकड़ का आरोप है कि उनकी बहू ने ही अपने सहयोगियों के साथ षड्यंत्र रचकर उनके बेटे और पूर्व विधायक विवेक धाकड़ को जान देने के लिए मजबूर किया है। धाकड़ के नेतृत्व में मांडलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों लोग कलेक्ट्रेट पहुंचे और धरना प्रदर्शन किया। इस मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन भी सौंपा गया। ज्ञापन में आरोप लगाया कि स्व. विवेक धाकड़ की पत्नी पद्मिनी को विवेक की समाज सेवा व राजनीति में सक्रियता कतई पसंद नहीं थी। इस कारण वह हर समय उन्हें प्रताड़ित और परेशान करती रहती थी। इतना ही नहीं हम में से भी जब कभी कोई व्यक्ति विवेक से मिलने उनके भीलवाड़ा निवास पर जाते तब उनके सामने भी सरे आम पद्मिनी विवेक को अपमानित करती थी और उनकी छवि, प्रतिष्ठा को खराब करती रहती थी। विवेक इस सबके बावजूद यह सोच कर अपने समाज सेवा और राजनीति के काम में लगे रहते थे कि समय के साथ सब ठीक हो जायेगा। किन्तु ऐसा हुआ नहीं और समय के साथ-साथ पद्मिनी का व्यवहार विवेक के साथ और अधिक प्रताड़ना और परेशान करने वाला होने लगा। आरोप है कि विवेक अत्यंत मानसिक पीड़ा पहुंचाने और तनाव में लाने के लिये आये दिन झगड़ा करना शुरू कर दिया। दरअसल समाज सेवा और राजनीति से विवेक को दूर रहने के लिये क्रूरता की हद तक जाकर प्रताड़ित करना तो एक माध्यम और बहाना था। ऐसा करने का पद्मिनी का एकमात्र मकसद विवेक और उनके पिता कन्हैया लाल धाकड़ की जायदाद पर कब्जा करना रहा, जो विवेक के जीवित रहते संभव नहीं था।

आरोप लगाया गया है कि पद्मिनी ने विवेक को अपनी जिन्दगी से हटाने के लिए भीलवाड़ा से बाहर रहने वाली अपनी बहिनों व अन्य से घण्टों घण्टों मोबाईल पर बात कर उनके बताये अनुसार विवेक को आत्महत्या के लिये मजबूर करने का षड्यंत्र रचा। पद्मिनी का सोचना था कि विवेक की मौत के बाद उनकी सारी जायदाद और राजनीतिक विरासत उनकी हो जायेगी और ससुर कन्हैया लाल धाकड़ की उम्र अधिक हो जाने से वे अधिक नहीं जियेंगे और वह सब पाने में कामयाब हो जायेगी, जिसके लिये वे लम्बे समय से प्रयास कर रही थी। ज्ञापन में बताया गया है कि ये सभी बातें विवेक कई बार अपने क्षेत्र के दौरे के दौरान अंतरंग बातचीत में बताते रहते थे, लेकिन चुनाव सामने होने के कारण वे कोई राजनीतिक नुकसान न हो जाये, इसलिए शांति के साथ सहन कर रहे थे। अंततः पत्नी द्वारा दी जा रही निरंतर प्रताड़ना, अपमानजन व्यवहार के कारण विवेक आत्महत्या को मजबूर हो गये।

आम जनता की ओर से दिये गये ज्ञापन में आरोप लगाया कि विवेक धाकड़ को आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने की जिम्मेदार उनकी पत्नी है। पद्मिनी, उनकी बहनों, सहयोगियों के कॉल रेकार्ड और वाट्सएप चेट की जांच कराई जाये, ताकि स्थिति साफ हो सके। ज्ञापन में मांग की गई है कि इस मामले में पद्मिनी व उसके सहयोगियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर 24 घंटे में उन्हें गिरफ्तार किया जाये। ज्ञापन देने वालों में विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच, ब्लॉक अध्यक्ष के साथ ही ग्रामीण मौजूद थे।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, नगर उ.वि एवं राजस्व खण्ड प्रथम, बीकानेर

क्रमांकः 224-241 दिनांक : 07.05.2024

ई-बोली सूचना संख्याः 1 से 6/2024-25

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वा. अभि. विभाग के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टैण्डरिंग द्वारा बोली आमंत्रित की जाती है। यह बोली website "www.spp.rajasthan.nic.in"पर देखी जा सकती है तथा बोली प्रपत्र "http:/eproc.rajasth.gov.in" से दिनांक 08.05.2024 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 23.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 23.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक रहेगी, उक्त बोली दिनांक 24.05.2024 को सुबह 11.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी। Egrass (electronic government receipt accounting system web site https://egras.raj.nic.in) के माध्यम से बोली शुल्क बजट मद 0075-00-800-52-01, धरोहर राशि बजट मद 8443-00-108-00-00 जो कि "23616- Executive Engineer, PHED, PDR City Dn Ist Bikaner" के नाम से एवं ई-टैण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क बजट मद 8658-00-102-16-02 जो कि Managing Director, RISL Payable at Jaipur, के नाम से एक ही चालान से जमा करवाना आवश्यक होगा। कुल 6 कार्य है जिसकी कुल लागत 181.71 लाख रूपये है जिनमें एक कार्य की अधिकतम लागत रूपये 32.41 लाख है।

PHE2425WSOB00285, PHE2425WSOB00284, PHE2425WSOB00283, PHE2425WSOB00281 PHE2425WSOB00282, PHE2425WSOB00280

(नरेश कुमार रेगर)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
उ. वि एवं राजस्व खण्ड प्रथम, बीकानेर

DIPR/C/3526/2024

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा. अभि. विभाग, खण्ड कोलायत

क्रमांक-86-95 दिनांक-06.05.2024

ई-बोली सूचना संख्या :- 1 से 11/2023-24

राजस्थान के राज्यपाल की ओर से निम्न हस्ताक्षरकर्ता द्वारा जन स्वा. अभि. विभाग के पंजीकृत / सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु ई-टैण्डरिंग द्वारा बोली आमंत्रित की जाती है। यह बोली website "www.sppp.rajasthan.nic.in" पर देखी जा सकती है तथा बोली प्रपत्र "http:/eproc.rajasthan.gov.in" से दिनांक 06.05.2024 को सायं 06.00 बजे से दिनांक 15.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक डाउनलोड किये जा सकते है तथा ऑनलाईन बिड डालने की अवधि दिनांक 16.05.2024 को सायं 06.00 बजे तक रहेगी, उक्त बोली दिनांक 16.05.2024 को सुबह 11.00 बजे ऑनलाईन खोली जायेगी।

Egrass (electronic government receipt accounting system web site https://egras.raj.nic.in) के माध्यम से बोली शुल्क बजट मद 0075-00-800-52-01, धरोहर राशि बजट मद 8443-00-108-00-00 जो कि "41485 - Executive Engineer, PHED, Division Kolayat" के नाम से एवं ई-टैण्डरिंग प्रक्रिया शुल्क बजट मद 8658-00-102-16-02 जो कि Managing Director, RISL Payable at Jaipur के नाम से एक ही चालान से जमा करवाना आवश्यक होगा। कुल 11 कार्य है जिसकी कुल लागत 329.86 लाख रूपये है जिनमें एक कार्य की अधिकतम लागत रूपये 36.01 लाख है।

PHE2425WSOB00249, PHE2425WSOB00250, PHE2425WSOB00251, PHE2425WSOB00252, PHE2425WSOB00253, PHE2425WSOB00254 PHE2425WSOB00255, PHE2425WSOB00256, PHE2425WSOB00257, PHE2425WSOB00258, PHE2425WSOB00259

(धमेन्द्र कुमावत)
अधिशाषी अभियंता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग,
खण्ड कोलायत

DIPR/C/3512/2024

सैम पित्रोदा का नॉर्थ ईस्ट और दक्षिण भारतीयों के खिलाफ नस्लभेदी टिप्पणी निंदनीय : तिवाड़ी

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने गुरूवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

- 'कांग्रेस पहले जाति के आधार पर, फिर धर्म के आधार पर और अब नस्ल के आधार पर तोड़ना चाहती है भारत को'
- 'भाजपा एक जन, एक राष्ट्र और एक संस्कृति को मानने वाली, जबकि कांग्रेस भारत की संस्कृति का अपमान करने वाली पार्टी'

जयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए ओवरसीज कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सैम पित्रोदा द्वारा नॉर्थ ईस्ट और दक्षिण भारतीयों पर दिए गए नस्लभेदी बयान की कड़ी निंदा की। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि भाजपा और कांग्रेस के मूल में यही अंतर है कि भाजपा भारत को एक राष्ट्र मानती है जबकि कांग्रेस भारत को अलग-अलग राष्ट्रों का समूह मानती है। भाजपा की स्थापना के बाद मुंबई के शिवाजी पार्क में श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने पंच निष्ठाओं के माध्यम से बताया था कि भाजपा एक जन, एक राष्ट्र और एक संस्कृति के ध्येय वाक्य को मानने वाली पार्टी हैं।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि जिस तरह से कांग्रेस देश में धर्म, जाति और क्षेत्र की राजनीति करती आ रही है, उसी तरह अब नस्लभेदी राजनीति भी करने लगी है। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के थिंक टैंक सैम पित्रोदा का बयान कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और नीति से मेल खाता है। सैम पित्रोदा का मूल नाम सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा था, लेकिन उन्हें ना ही सत्य नारायण शब्द पसंद आया और ना ही गंगाराम। उन्होने अपने नाम को ही सैम कर दिया। पित्रोदा ने आसाम और पूर्वोत्तर के लोगों को चीनी लोगों जैसा दिखने वाला बताया और दक्षिण भारत के लोगों को दक्षिण अफ्रीकी नस्ल वाला बताया। पित्रोदा का यह बयान नस्लवादी दृष्टिकोण के साथ भारत को बांटने वाला है। राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि "हिमालयात् समारभ्य यावत् इन्दु सरोवरम्। तं देवनिर्मितं देशं हिन्दुस्थान प्रचक्षते" अर्थात हिमालय के 'हि' शब्द से तथा इन्दुसागर के 'न्दु' शब्द को मिलाकर हिन्दुस्तान नाम रखा गया है। हिमालय से शुरू होकर कन्याकुमारी तक जो भू-भाग है वह पूरा हिन्दुस्तान है। भारत की ये संस्कृति कांग्रेस को पसंद नहीं आती। कांग्रेस के लोग भारत को दक्षिण, तमिल, उत्तर के आधार पर बांटना चाहते है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी के शिवकुमार ने दक्षिण को अलग राष्ट्र बनाने तक की सिफारिश की थी। कांग्रेस की सहयोगी पार्टी के एक नेता ने राज्यसभा में भारत को कई राष्ट्रों का समूह बताया, जिसका मैंने विरोध किया था। इससे स्पष्ट है कि कांग्रेस पहले जाति के आधार पर, फिर धर्म के आधार पर और अब नस्ल के आधार पर देश को तोड़ना चाहती है। कांग्रेस का हाल ऐसा है कि "उम्र भर गालिब यही भूल करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईने को साफ करता रहा"। कांग्रेस के चेहरे पर जो नकाब था वो अब हट गया है।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने कहा कि सैम पित्रोदा का बयान जिसमें उन्होंने असम के लोगों को चीनी नस्ल का बताया था, यह बयान आसाम के लाचित बरफूकन जैसे वीर सेनापति का अपमान है वहीं दक्षिण भारत के लोगों को दक्षिण अफ्रीकी नस्ल का बताना चोल राजाओं का अपमान है। पित्रोदा का बयान भारत के वेदों, शंकराचार्यों और संस्कृति का अपमान है। कांग्रेस भारत को तोड़ने में लग रही है। कांग्रेस पार्टी भारत के राष्ट्र के एकाग्रता के साथ विश्वासघात कर रही है। इस दौरान मंच पर भाजपा मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, भाजपा प्रबुद्धजन प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत और भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक मौजूद रहे।

अरावली संरक्षण पर केन्द्र सरकार को चार राज्यों के साथ बैठक कर रिपोर्ट देने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण तथा जलवायु मंत्रालय से दो माह में रिपोर्ट मांगी है

- सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश अरावली में अवैध खनन से जुड़े मामले में प्रस्तुत एक रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए दिया है और कहा कि, आदेश सिर्फ अवैध खनन तक ही सीमित रहेगा

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सहित दिल्ली, हरियाणा व गुजरात में अरावली पर्वतमाला में हो रहे खनन से जुड़े मामले में केन्द्र के वन व पर्यावरण और जलवायु मंत्रालय को कहा है कि, इन चारों राज्यों के साथ अरावली संरक्षण सहित अन्य मुद्दों पर बैठक करके दो माह में अपनी रिपोर्ट पेश करें।

जस्टिस बी.आर. गवई व जस्टिस अभय एस ओका की विशेष पीठ ने यह आदेश अरावली में अवैध खनन से जुड़े मामले में सी.ई.सी की रिपोर्ट पर सुनवाई करते हुए दिए। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश केवल अरावली पर्वतमाला में खनन तक ही सीमित रहेगा। संबंधित राज्यों को खनन के किसी भी नए पट्टे की कार्रवाई के लिए सभी विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद खनन पट्टों को अंतिम रूप देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से ही मंजूरी लेनी होगी।

राज्य सरकार के एडिशनल एडवोकेट जनरल (ए.ए.जी.) शिवमंगल शर्मा ने बताया कि, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से पूर्व में चल रही खनन गतिविधियां अप्रभावित रहेंगी और खानों की नीलामी प्रक्रिया में भी कोई रुकावट नहीं आएगी और वे पूर्व की तरह जारी रहेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह आदेश राजस्थान में चल रही बजरी खनन की गतिविधियों पर कोई प्रभाव नहीं डालेगा और ये आदेश केवल अरावली पर्वतमाला तक ही सीमित रहेंगे। इस आदेश से संबंधित क्षेत्रों में चल रही और भविष्य की खनन गतिविधियों के लिए स्पष्टता और स्थिरता आयेगी। जो विकास गतिविधियों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण पहलुओं को भी संतुलित करते हैं। गौरतलब है कि, राजस्थान के 16 जिलों में अरावली पर्वतमाला से खनन किया जाता है।

भारतीयों के प्रति जो मानसिकता अंग्रेजों की थी, वही कांग्रेस की भी : सी.पी.जोशी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कांग्रेस के सैम पित्रोदा के बयानों को देश को तोड़ने वाला बताते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना की है। सीपी जोशी ने कहा कि सैम पित्रोदा के बयान से यह साफ हो गया है कि कांग्रेस भारतीयों को जाति, धर्म और रंग के आधार पर बांटने में लगी है। भारतीयों के प्रति जो मानसिकता अंग्रेजों की थी, वहीं कांग्रेस की भी है। यह बयान भी अंग्रेजों द्वारा भारतीयों पर रंगभेद, नस्लभेद की मानसिकता के आधार पर किए गए अत्याचार को प्रदर्शित करता है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि भारत विश्वगुरू रहा है। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत और कुशल नेतृत्व में देश पुन: उसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में भारतीयों की तुलना दूसरे देशों से करके भारत को आगे बढ़ने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दुनिया में भारत की ख्याति बढ़ा रहे हैं, कांग्रेस अपने बयानों से देशवासियों को अपमानित कर रही है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस ने देश में फूट डालो, शासन करो की नीति को अपनाते हुए देश की एकता और अखंडता को ठेस पहुंचाने का काम किया है। विभाजन कारी नीति से देश कमजोर हुआ है। अब कांग्रेस के पास सत्ता में आने का कोई रास्ता नहीं बचा तो फिर से इसी नीति पर उतर आए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि इस अपराध के लिए कांग्रेस को देश से क्षमा मांगनी चाहिए।

डिफेक्टिव मशीन बेचने वाली कंपनी पर हर्जाना

जयपुर, (का.सं.)। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-प्रथम ने कान में सुनने के लिए लगाई हियरिंग एड मशीन डिफेक्टिव बेचने को सेवादोष करार देते हुए विपक्षी कंपनी एम्लीफोन इंडिया लि. पर 5 हजार रुपए हर्जाना लगाया है। वहीं मशीन की कीमत 47 हजार रुपए की सब-स्टेण्टर्ड कीमत 35,250 रुपए मानते हुए उसे भी 9 प्रतिशत ब्याज सहित लौटाने के लिए कहा है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. सूबेसिंह यादव व सदस्य नीलम शर्मा ने यह आदेश एमके शर्मा के परिवाद पर दिया।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ने कान में लगाने वाली हियरिंग एड मशीन 31 दिसम्बर, 2019 को विपक्षी कंपनी से डिस्काउंट के बाद 47 हजार रुपए में खरीदी थी। यह मशीन डिफेक्टिव थी और कान में उसे लगाने के बाद भी साफ सुनाई नहीं देता था। कंपनी में शिकायत करने पर उसे सुधारने के कई प्रयास किए, लेकिन 22 चक्कर लगाने के बाद भी वह सुधरी नहीं।

इसे परिवादी ने उपभोक्ता अदालत में चुनौती देते हुए मशीन बदलवाने व उसे हुई परेशानी के लिए हर्जा-खर्चा दिलवाने का आग्रह किया। जवाब में कंपनी ने कहा कि उनकी मशीन में कोई भी डिफेक्ट नहीं था।

राज्य का सतत और दीर्घकालीन विकास बने प्राथमिकता : मिश्र

- राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में प्रदेश के सर्वांगीण विकास के आए महत्वपूर्ण सुझाव

जयपुर, (का.सं.)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि राज्य के संतुलित और सतत विकास के लिए सभी मिलकर कार्य करें। उन्होंने सर्वांगीण विकास के अंतर्गत आदिवासी कल्याण, शिक्षा, कृषि, पर्यटन, उद्योग आदि क्षेत्रों में सुनियोजित योजनाओं के जरिए दीर्घकालीन विकास को ध्यान में रखते हुए कार्य करने का आव्हान किया। उन्होंने कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सबिलिटी (सीएसआर) के तहत राज्य के विकास से जुडे प्रभावी कार्य हाथ में लेकर उनके क्रियान्वयन की भी आवश्यकता जताई।

राज्यपाल गुरुवार को राजभवन में राज्यपाल सलाहकार मण्डल की बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्यपाल सलाहकार मंडल के अंतर्गत विषय विशेषज्ञों के सुझाव आमंत्रित कर उनके आधार पर प्रदेश के सतत, स्थायी और चहुंमुखी विकास के लिए कार्य किए जाने की पहल की गई है। विभिन्न क्षेत्रों में पूर्व की बैठकों में आए सुझावों के विश्वविद्यालयी शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में लागू करने से सकारात्मक परिणाम भी आए हैं। उन्होंने बैठक में राजस्थान में उपलब्ध संसाधनों का समुचित दोहन कर प्रदेश के युगानुकुल विकास के लिए कार्य किए जाने, उद्यिमता विकास के लिए प्रयास बढ़ाए जाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि राजभवन स्तर पर राज्यपाल राहत कोष के पुनर्गठन, जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावी विकास, आदिवासी क्षेत्रों के टिकाऊ विकास से जुडे मुद्दों की मॉनिटरिंग के लिए राजभवन स्तर पर जनजातीय एकक की स्थापना की गई है। राजभवन में देश का पहला संविधान उद्यान निर्मित किया गया है।

राज्य सलाहकार समिति के सदस्यों ने बैठक में वनस्थली विद्यापीठ की तर्ज पर आदिवासी क्षेत्र में महिला विश्वविद्यालय की स्थापना किए जाने का भी विशेष रूप से सुझाव दिया। स्वास्थ्य क्षेत्र के अंतर्गत पब्लिक हेल्थ कैडर बनाने और शिशु और मातृ मृत्यु दर कम करने के लिए व्यावहारिक प्रयास किए जाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई के इस्तेमाल और आयुष्मान भारत के समेकित क्रियान्वयन पर जोर दिया गया।

नाबालिग से ज्यादती करने वाले युवक को सजा

जयपुर, (का.सं.)। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर प्रथम ने 15 साल की बीमार पीडिता के साथ ज्यादती करने वाले अभियुक्त कंपाउंडर दिनेश कुमार महावर को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने तीस वर्षीय इस अभियुक्त पर 35 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि अभियुक्त ने इंजेक्शन लगाने के दौरान उसके साथ ज्यादती की है। ऐसे में अभियुक्त का कृत्य दुष्कर्म की श्रेणी में ही माना जाएगा। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि घटना को लेकर पीडिता की मां ने 26 दिसंबर, 2019 को शिप्रा पथ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि उसकी बेटी की कुछ दिनों से तबीयत खराब चल रही है। दोपहर के समय वह अपनी बडी बेटी को पास के अस्पताल में कंपाउंडर दिनेश कुमार से इंजेक्शन लगाने का कहकर दूसरे मकान पर गई थी। अभियुक्त ने इंजेक्शन लगाने के दौरान कमरे में मौजूद उसके बेटे को बाहर भेज दिया और पीडिता के साथ ज्यादती की। परिजनों के देखने पर पीडिता लहूलुहान हालत में कराह रही थी। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। वहीं ट्रायल के दौरान अभियुक्त की ओर से कहा गया कि उसे प्रकरण में फंसाया गया है और उसने पीडिता के साथ किसी तरह का अपराध नहीं किया है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने अभियुक्त को सजा और जुर्माने से दंडित किया है।

सिनोदिया हत्याकांड के अभियुक्त को पैरोल पर रिहा करने के आदेश

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने किशनगढ़ के पूर्व विधायक नाथूराम सिनोदिया के बेटे भंवर सिनोदिया की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहे अभियुक्त बलभा राम को चौथे नियमित पैरोल पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता पैरोल अवधि पूरी होने के बाद जेल प्रशासन के समक्ष समर्पण करे। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने यह आदेश बलभा राम की पैरोल याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने पैरोल कमेटी के आदेश को रद्द करते हुए माना की याचिकाकर्ता अभियुक्त को जेल में संतोषजनक व्यवहार था।

याचिका में अधिवक्ता गोविंद प्रसाद रावत ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता को 11 अप्रैल 2014 को हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। याचिकाकर्ता को अब तक नियमानुसार तीन बार नियमित पैरोल का लाभ दिया जा चुका है।

पैरोल अवधि पूरी होने के बाद उसने समय पर जेल प्रशासन के समक्ष समर्पण किया है। इसके अलावा सामाजिक अधिकारिता विभाग की रिपोर्ट भी याचिकाकर्ता के पक्ष में आई है। इसके बावजूद पैरोल कमेटी ने उसे चौथे पैरोल का लाभ देने से इनकार कर दिया। ऐसे में उसे चौथे नियमित पैरोल के तहत चालीस दिन के लिए रिहा किया जाए। याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता के खिलापफ 16 मामले दर्ज हैं।

इसके अलावा अजमेर पुलिस अधीक्षक ने भी उसके खिलाफ रिपोर्ट दी है। इसलिए पैरोल कमेटी ने उसके पैरोल आवेदन को निरस्त किया है। ऐसे में उसे पैरोल का लाभ नहीं दिया जाना चाहिए। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिकाकर्ता अभियुक्त को चौथे पैरोल के तहत चौदह दिन के लिए रिहा करने के आदेश दिए हैं।

महाराव शेखाजी के निर्वाण दिवस पर समारोह आज

जयपुर। महाराव शेखा संस्थान के सचिव सम्पत सिंह धमोरा ने बताया कि शेखावाटी के संस्थापक, इतिहास पुरूष, नारी सम्मान के रक्षार्थ प्राणोत्सर्ग कर स्वर्गारोहण करने वाले, धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक महाराव शेखाजी का 536वाँ निर्वाण दिवस समारोह अक्षय तृतीया 10 मई को प्रात: 8 से 9.15 बजे तक श्री भवानी निकेतन महाविद्यालय, पंजवन रॉय हॉल, सीकर रोड, जयपुर पर मनाया जायेगा।

समारोह में जयपुर शहर के कई नागरिक शेखावाटी के संस्थापक महाराव शेखाजी को श्रद्धासुमन अर्पित करने हेतु उपस्थित होंगे। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि शेखावाटी के भूभाग पर घाटवा के युद्ध में महाराव शेखाजी ने अपने दो सपुतों दुर्गाजी एवं पूरणजी के साथ नारी के सम्मान को कायम रखने के लिए अपने निकटत्तम संबंधियों से युद्ध कर बलिदान दिया तथा शेखाजी विश्व के इतिहास में धार्मिक सहिष्णुता के अनुकरणीय उदाहरण है। जिस वंश परम्परा को शेखावाटी के सपूतों ने न केवल आगे बढ़ाया बल्कि आज भी शेखावाटी को गर्व है कि भारतीय सेना में शेखावाटी के नौजवानों का जो प्रतिनिधित्व है, उसको देश भुला नहीं सकता। युद्ध कौशल के धनी देश और धर्म के लिए मर मिटने वाले भारतीय सेना के सर्वोच्च सम्मान परम वीर चक्र विजेता हवलदार पीरू सिंह शेखावत तथा महावीर चक्र, वीर चक्र, शौर्य चक्र और सेना मैडल प्राप्त करने वाले योद्धाओं की बहुत लम्बी सूची शेखावाटी को गौरवान्वित करती है।

भारतीय सेना में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कमिश्नड ऑफीसर के रूप में बढ़ाने के लिए महाराव शेखाजी की निर्वाण स्थली रलावता जिला सीकर पर महाराव शेखाजी सशस्त्र बल प्रशिक्षण अकादमी का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने की ओर है, जहाँ पर भारतीय सेना में ऑफीसर रैंक में प्रवेश के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है, जो प्रदेश के लिए सौभाग्य का विषय है।

चिकित्सा विभाग की 250 टीमों ने प्रदेशभर में करीब 500 अस्पतालों का निरीक्षण किया

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने चाकसू उपजिला अस्पताल में जांची व्यवस्थाएं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से गुरूवार को प्रदेशभर में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए व्यापक निरीक्षण एवं जागरूकता अभियान संचालित किया गया। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह के निर्देशन में संचालित इस अभियान के तहत चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की लगभग 250 टीमों ने प्रदेशभर में एक साथ करीब 500 चिकित्सा संस्थानों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों का निरीक्षण किया।

अभियान के तहत चिकित्सा संस्थान के भवन की स्थिति, साफ-सफाई, प्रसूति नियोजन दिवस, गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को लेकर चिकित्सा संस्थान की उपलब्धि आदि को देखा गया। इन सभी बिन्दुओं के आधार पर तैयार रिपोर्ट के अनुसार सुविधाओं को और बेहतर बनाने की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा संस्थानों की मौसमी बीमारियों एवं लू व तापघात से निपटने की तैयारियों का अवलोकन किया गया।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने जयपुर जिले के चाकसू स्थित उपजिला अस्पताल का निरीक्षण किया। उनके साथ निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत भी मौजूद थे। सिंह ने यहां ओपीडी एवं आईपीडी में उपलब्ध करायी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं का अवलोकन किया। उन्होंने लेबर रूम, जनरल वार्ड, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, आपातकालीन इकाई, ट्रोमा सेन्टर, पीडियाट्रिक सेमी आईसीयू सहित अस्पताल के सभी कक्षों का दौरा कर स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति देखी। उन्होंने शौचालयों में साफ-सफाई की स्थिति भी देखी और निर्देश दिए कि साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए क्यूआर कोड सिस्टम लागू किया जाए।

जल्द शुरू होगा ब्लड बैंक:- सिंह ने उपस्थिति रजिस्टर एवं ड्यूटी रोस्टर रजिस्टर को भी चैक किया। उन्होंने आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर अस्पताल के ब्लड बैंक को एक माह में शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए कि अस्पताल में आवश्यक प्रकृति के कार्यों एवं सेवाओं के लिए आरएमआरएस फंड का सदुपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इसकी नियमित बैठक भी आयोजित किए जाने पर जोर दिया। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने लू-तापघात एवं गर्मी जनित बीमारियों बचाव एवं उपचार के लिए अस्पताल में की गयी तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने हीट स्ट्रोक से पीड़ित रोगियों के उपचार के लिए तैयार किए गये मॉडल वार्ड को देखा और गर्मी जनित बीमारियों के उपचार के लिए किए गए प्रबंधन की सराहना की।

चिकित्सा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने गुरूवार को चाकसू उप जिला अस्पताल पहुंचकर डॉक्टर्स और मरीजों से बातचीत कर उपचार व अन्य व्यवस्थाओं को जायजा लिया।

मरीजों से लिया फीडबैक:- सिंह ने निरीक्षण के दौरान पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड में भर्ती पूजा सैनी, संजना यादव एवं चंदा बैरवा से बात की। उन्होंने तीनों से अस्पताल में उपलब्ध करवायी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता के बारे में पूछा। साथ ही टीकाकरण एवं प्रसवपूर्व होने वाली जांचों के बारे में भी जानकारी ली। महिला रोगियों ने बताया कि अस्पताल में उन्हें सभी स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क और सुगमता से उपलब्ध हो रही हैं। उन्होंने अन्य रोगियों से भी बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में फीडबैक लिया।

सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता पर फोकस:- अतिरिक्त मुख्य सचिव ने इस दौरान मीडिया से बातचीत में कहा कि अब फैसिलिटी स्तर से आगे बढ़कर सेवाओं की पहुंच और उनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया जा रहा है। जो स्वास्थ्य कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर कार्य कर रहा है। प्रबंधकीय टीम उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई जाने वाली कमियों को दूर कर सभी आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। जिला और ब्लॉक स्तर पर कार्यरत अधिकारी मॉनिटरिंग और सुपरविजन को बेहतर बनाएं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा चयनित 27 आशान्वित ब्लॉक में 39 सूचकांक निर्धारित किए गए हैं। इन 39 सूचकांकों में 7 सूचकांक स्वास्थ्य से संबंधित है। नियमित निरीक्षण और पर्यवेक्षण के माध्यम से इन सूचकांकों में और सुधार किया जा रहा है।

- इस विशेष अभियान में एसीएस से लेकर ब्लॉक स्तर तक के अधिकारियों ने किया निरीक्षण

मिशन निदेशक ने गोविंदपुरा व जाहोता में जायजा लिया:- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जयपुर के आंगनबाडी केन्द्र गोविन्दपुरा एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर जाहोता का निरीक्षण किया। साथ ही सुरक्षित मातृत्व दिवस अभियान के तहत मातृ स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने आई गर्भवती एवं धात्री महिलाओं से फीडबैक भी लिया। अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम श्री अरूण कुमार गर्ग ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रेनवाल मांजी का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र वाटिका का निरीक्षण किया।

राज्य स्तरीय टीम ने 27 जिलों में किया निरीक्षण:- अभियान के तहत राज्य स्तरीय टीमों द्वारा 27 जिलों के आशान्वित ब्लॉक बांसवाडा के छोटा डूंगरा, बारां के किशनगंज, बाड़मेर के रामसर, भरतपुर के भुसावर, बीकानेर के कोलायत, बूंदी के कापरेन, चित्तौडगढ़ के निम्बाहेडा, चुरू के राजगढ़, दौसा के रामगढ-पचवारा, धौलपुर के बसेडी, डूंगरपुर के जोथारी एवं गंगारपुर सिटी में निरीक्षण किया गया। हनुमानगढ़ के संगरिया, जैसलमेर के फतेहगढ़, जालौर के आहोर, झालावाड़ के खानपुर, जोधपुर ग्रामीण के शेरगढ़, करौली के मासलपुर, कोटपूतली के शाहजहांपुर, नागौर के जायल, पाली, प्रतापगढ़ के पीपलखूंट, राजसमंद के भीम, शाहपुरा के कोटडी, सिराही के आबूरोड़, टोंक के पीपलू एवं उदयपुर के खेरवाडा में निरीक्षण किया गया। शेष जिलों में भी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के स्तर पर गठित टीम निरीक्षण कर रिपोर्ट राज्य स्तर पर भिजवाई जाएगी।

जयपुर बम ब्लास्ट मामले में 3 गवाहों की दुबारा मुख्य परीक्षा की मंजूरी दी

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर बम धमाकों की विशेष अदालत ने वर्ष 2008 में हुए सिलसिलेवार बम धमाकों के दौरान जिंदा मिले बम के मामले में राज्य सरकार को तीन गवाहों की मुख्य परीक्षा की मंजूरी 5 हजार रुपए हर्जाने की शर्त पर दी है। कोर्ट ने यह आदेश राज्य सरकार के प्रार्थना पत्रों पर दिए। कोर्ट ने जिन गवाहों की मुख्य परीक्षा की मंजूरी दी है उनमें दिल्ली की स्पेशल सेल के तत्कालीन एसीपी संजीव कुमार यादव, मौजूदा एसीपी राहुल कुमार सिंह व इंस्पेक्टर रविन्द्र सिंह त्यागी शामिल हैं। राज्य सरकार ने प्रार्थना पत्रों में कहा कि ये गवाह इस मामले से जुड़े पूरक आरोप पत्र के साक्षी हैं और उनसे संबंधित दस्तावेजों को प्रदर्श करवाना है। ऐसे में उन्हें मुख्य परीक्षा के लिए बुलवाए जाने की मंजूरी दी जाए। इसके विरोध में आरोपियों के अधिवक्ता मिनहाजुल हक ने कहा कि राज्य सरकार ने इस केस में दस साल बाद चालान पेश किया है। वहीं आरोपियों के न्यायिक हिरासत में होते हुए भी इतने सालों में भी ना तो उनसे पूछताछ की गई और ना ही गिरफ्तार किया गया था। राज्य सरकार ने जिन गवाहों से मुख्य परीक्षा कर ली है, अब दुबारा इसकी जरूरत नहीं है और इससे केस की ट्रायल में देरी होगी। इसलिए राज्य सरकार के प्रार्थना पत्र को खारिज किया जाए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनकर राज्य सरकार को 5 हजार रुपए हर्जाने की शर्त पर तीनों गवाहों की मुख्य परीक्षा करवाने की मंजूरी दी है।

लॉरेंस विश्नोई गैंग का एक गुर्गा जयपुर से पकड़ा

जयपुर। राजस्थान सहित देश के सात राज्यों में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और लॉरेंस विश्नोई के सिंडिकेट पर दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक साथ कार्रवाई कर 9 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें जयपुर से भी एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इन बदमाशों के पास से 7 पिस्टल, 31 कारतूस और 11 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। बुधवार सुबह से शाम तक दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार में रेड की गई थी। जांच में सामने आया कि गिरफ्तार सभी आरोपी एक-दूसरे के संपर्क में थे। अधिकांश आरोपियों की गोल्डी बराड़ से सीधे बात होती थी।

सूत्रों के अनुसार दिल्ली पुलिस ने जयपुर से अभय सोनी उर्फ कार्तिक उर्फ कबीर (22) को गिरफ्तार किया है।

खाना बनाते समय भभका गैस सिलेंडर, बाल-बाल बचा परिवार

मौके पर पहुंचे एसआई का आग बुझाते समय हाथ जला, अस्पताल ले जाया गया

अजमेर, (कासं)। शहर के दो थाना क्षेत्रों में आग लगने की घटना गुरुवार सुबह घटित हुई। कोतवाली थाना क्षेत्र के सुभानी गली में परिवार के सदस्य द्वारा खाना बनाते समय गैस सिलेंडर भभकने से आग लग गई, जिससे परिवार के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंचे एएसआई ने आग बुझाने का प्रयास किया जिसमें उनका एक हाथ जल गया।

इसी प्रकार क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र के वैशाली नगर स्थित अजमेर जिला पत्रकार संघ के ऑफिस की बिल्डिंग के प्रथम मंजिल पर बने कमरे में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग से कमरे का सारा फर्नीचर जल गया। सूचना पर पहुंची दमगल की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। दोनों ही मामलो में थाना पुलिस जांच में जुटी है।

कोतवाली थाना प्रभारी वीरेंद्र सिंह ने बताया नला बाजार सुभानी गली में सुशील कंदोई का पुश्तैनी मकान है, जिसे उन्होंने अपना घर किराए पर दे रखा था। किराएदार जगदीश प्रसाद का परिवार निवास करता है। गुरुवार सुबह परिवार सदस्य खाना बना रहा था। इस दौरान गैस सिलेंडर ने आग पकड़ ली। आग लगते हुए परिवार के सदस्यों में हड़कंप मच गया और सभी लोग घर से बाहर निकल आए। सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस और अग्निशमन विभाग की दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची।

घायल ए.एस.आई.।

मौके पर पहुंचे एएसआई भगवान सिंह ने समय रहते गैस सिलेंडर को रसोई से बाहर निकाला और आग बुझाने का प्रयास किया, जिसमें आग को बुझाते समय एसआई भगवान सिंह का एक हाथ जल गया। जिन्हें उपचार के लिए जेएलएन अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी। आग लगने की सूचना अग्निशमन विभाग को दी गई थी। अतिक्रमण और संकरी गलियों के कारण करीब एक घंटे बाद फायर बिग्रेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची, लेकिन तब आग बुझा दी गई थी। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

एसी में शॉर्ट सर्किट से लगी जिला पत्रकार संघ कार्यालय के गेस्ट रूम में आग:- दूसरी आग की घटना शहर के क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र के वैशाली नगर अबरन हार्ट के सामने स्थित अजमेर जिला पत्रकार संघ कार्यालय में गुरुवार सुबह साढ़े 11 बजे ऐसी में हुए शॉर्ट सर्किट से गेस्ट रूम में आग लग गई। कमरे में हुए शॉर्ट सर्किट का पता चलते ही पत्रकार संघ के सचिव मधुसुदन चौहान ने दमकल व संबंधित थाना पुलिस को सूचना दी, जहां मौके पर पहुंची दमकल के कर्मचारियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

संयुक्त सचिव मधुसुदन चौहान ने बताया कि गेस्ट रूम में लगे एसी में हुए शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी और जब तक दमकल मौके पर पहुंची तब तक रूम में रखा बैड, टेबल सहित अन्य सामान जलकर स्वाह हो गया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हमले का आरोपी पुलिस रिमांड पर

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। तीन दिन पहले सरकारी जमीन पर कब्जा करने का विरोध करने पर कुल्हाड़ी से कांस्टेबल पर जानलेवा हमला करने के आरोपी भाजपा पार्षद को न्यायालय में पेश किया, जहां एक दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया। खोड़ा गणेश रोड स्थित एयरपोर्ट विस्थापित कॉलोनी निवासी गेंगल थाने में तैनात रूपसिंह राठौड़ ने भाजपा पार्षद मनीष सिंह खांगारोत पर स्कूल के लिए आवंटित सरकारी भूमि पर कब्जा करने का आरोप लगाया, जबकि पार्षद का कहना है कि पुलिसकर्मी के परिवारजन सरकारी जमीन पर कब्जा करने की नियत से जेसीबी चला रहे थे, रोका तो मारपीट पर उतारू हो गये।

कहासुनी के बीच पार्षद नें कांस्टेबल सहित परिवार जनों पर कुल्हाड़ी व लाठियों से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल कांस्टेबल रूपसिंह व इसके भाई को जेएलएन हॉस्पिटल अजमेर में भर्ती कराया है, जबकि पत्नी, भाई, भतीजे सहित पारावारिक महिलाओं को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने हमले के आरोप में मदनगंज थाना पुलिस नें पार्षद मनीष सिंह, भाई बलवीर सिंह, पिता प्रहलाद सिंह व शंकर सिंह को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां इनको एक दिन दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया।

हमले का आरोपी पुलिस रिमांड पर

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। तीन दिन पहले सरकारी जमीन पर कब्जा करने का विरोध करने पर कुल्हाड़ी से कांस्टेबल पर जानलेवा हमला करने के आरोपी भाजपा पार्षद को न्यायालय में पेश किया, जहां एक दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया। खोड़ा गणेश रोड स्थित एयरपोर्ट विस्थापित कॉलोनी निवासी गेंगल थाने में तैनात रूपसिंह राठौड़ ने भाजपा पार्षद मनीष सिंह खांगारोत पर स्कूल के लिए आवंटित सरकारी भूमि पर कब्जा करने का आरोप लगाया, जबकि पार्षद का कहना है कि पुलिसकर्मी के परिवारजन सरकारी जमीन पर कब्जा करने की नियत से जेसीबी चला रहे थे, रोका तो मारपीट पर उतारू हो गये।

कहासुनी के बीच पार्षद नें कांस्टेबल सहित परिवार जनों पर कुल्हाड़ी व लाठियों से हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल कांस्टेबल रूपसिंह व इसके भाई को जेएलएन हॉस्पिटल अजमेर में भर्ती कराया है, जबकि पत्नी, भाई, भतीजे सहित पारावारिक महिलाओं को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने हमले के आरोप में मदनगंज थाना पुलिस नें पार्षद मनीष सिंह, भाई बलवीर सिंह, पिता प्रहलाद सिंह व शंकर सिंह को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां इनको एक दिन दिन के पुलिस रिमांड पर सौंप दिया।

सार-समाचार

पात्रता जांच हेतु अतिरिक्त सूची जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2022 के तहत पात्रता जांच के लिए अभ्यर्थियों की अतिरिक्त विचारित सूची जारी की गई है। इसमें नॉन टीएसपी क्षेत्र के 23 अभ्यर्थियों को पात्रता जांच के लिए अस्थाई रूप से विचारित सूची में शामिल किया गया है। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षा के तहत पात्रता जांच के लिए 20 फरवरी को विचारित सूची जारी की गई थी। इनमें अस्थाई रूप से सम्मिलित अभ्यर्थियों के अधिक संख्या में अपात्र पाए जाने के कारण उक्त अभ्यर्थियों को अस्थाई रूप से विचारित सूची में सम्मिलित किया गया है। विचारित सूची चयन या वरीयता सूची नहीं है। इसका उद्देश्य मात्र दस्तावेज सत्यापन के माध्यम से चयन प्रक्रिया में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की अभ्यर्थिता सुनिश्चित करना है। अभ्यर्थियों की पात्रता जांच विज्ञापन की शर्तों/नियमों के अनुसार की जाएगी। पात्रता की समस्त शर्तें नियमानुसार पूर्ण नहीं करने वाले अभ्यर्थियों की पात्रता आयोग द्वारा रद्द कर दी जाएगी। पात्र पाए गए अभ्यर्थियों में से ही नियमानुसार मुख्य चयन सूची व आरक्षित सूची जारी की जाएगी। दस्तावेज सत्यापन का कार्य काउंसलिंग के माध्यम से किया जाएगा। इसके विस्तृत कार्यक्रम के संबंध में आयोग की वेबसाइट एवं अन्य माध्यमों से यथासमय सूचित कर दिया जाएगा।

चोर ने जायरीन का आईफोन चुराया

अजमेर, (कासं)। हैदराबाद से अजमेर दरगाह जियारत करने आए एक जायरीन का शातिर चोर ने आईफोन चोरी कर लिया और फोन-पे के माध्यम से अकाउंट से 45 हजार रुपए ट्रांजेक्शन कर लिए। पीड़ित ने दरगाह थाने में अज्ञात व्यक्ति आईफोन चोरी और धोखाधड़ी कर रकम निकालने का मुकदमा दर्ज कराया है। दरगाह थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार चंचलगुड़ा हैदराबाद सिटी थाना क्षेत्र के डबरलपुरा हैदराबाद (तेलंगाना) निवासी मोहम्मद वाजिद खान ने थाने में आईफोन चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में पीड़ित जायरीन ने बताया कि 26 अप्रैल को ख्वाजा साहब की दरगाह जियारत के लिए अजमेर आए थे। दरगाह जियारत के समय उनकी से शातिर चोर ने भीड़ का फायदा उठाकर आईफोन 14 प्रो मैक्स चोरी कर लिया और उसके मोबाइल से फोन-पे के माध्यम से 45 हजार रुपए ट्रांजेक्शन कर लिए। दरगाह थाना पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर टीम का गठन किया है। टीम के द्वारा दरगाह परिसर में लगे सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं, लंबे समय से दरगाह क्षेत्र में भीड़ का फायदा उठाकर चोरी करने वाली गैंग सक्रिय है।

नाबालिग का अपहरण कर गैंगरेप

अजमेर, (कासं)। क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र में रहने वली 14 वर्षीय नाबालिग का अपहरण कर गैंगरेप का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने थाने में दो आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज शिकायत में बताया कि नौकरी का झांसा देकर दो आरोपी पीड़िता को स्कूटी पर अपने घर ले गए और उसके साथ गैंगरेप किया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस के अनुसार पीड़ित महिला ने थाने पर उपस्थित होकर शिकायत दी है। महिला ने शिकायत में बताया कि उसके पुत्री चौपाटी पर बैठी थी। जहां 2 युवक आए और उसे नौकरी का झांसा देकर अपने साथ गाड़ी पर अपहरण कर ले गए। पीड़ित महिला ने बताया कि बाद में दोनों आरोपियों के द्वारा उसकी बेटी को कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ रेप किया गया। बेटी होश में आने के बाद आरोपियों के चंगुल से निकली और घर पहुंचकर घटना की जानकारी उन्हें दी थी। इसके बाद उन्होंने मामले में एसपी को शिकायत देकर मुकदमा दर्ज करवाया है। क्रिश्चियन गंज थाना पुलिस ने गैंगरेप सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जिले में 07 वाहन किए जब्त

भीलवाड़ा, (निसं)। जिला कलक्टर नमित मेहता के निर्देशन में जिले में चल रहे खनिजों के अवैध खनन/निर्गमन के विरूद्ध अभियान में भीलवाड़ा जिले में कुल 08 प्रकरण बनाकर 07 वाहन जब्त किए गए। खनि अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि तहसील बिजौलिया में पाइरोफिलाइट का एक 87.17 टन का अवैध स्टॉक एवं 06 प्रकरण अवैध निर्गमन के बनाकर 118 टन बजरी जब्त की गई। 01 डम्पर अवैध निर्गमन के दौरान सदर पुलिस थाना में जब्त किये गये। अभियान के दौरान 9.24 लाख रूपये शास्ती राशि वसूली की गई। अब तक उपखण्ड आसीन्द में 06 प्रकरण, उपखण्ड भीलवाड़ा में 08 प्रकरण, उपखण्ड बिजौलिया में 09 प्रकरण, उपखण्ड गंगापुर में 10 प्रकरण, उपखण्ड गुलाबपुरा में 05 प्रकरण, उपखण्ड हम्मीरगढ़ में 08 प्रकरण, उपखण्ड करेड़ा में 03 प्रकरण, उपखण्ड माण्डल में 04 प्रकरण, उपखण्ड रायपुर में 10 पकरण एवं उपखण्ड माण्डलगढ़ में 22 प्रकरण बनाये गये है। परिवहन विभाग द्वारा अब तक 24 प्रकरण बनाकर 0.96 लाख रूपये की शास्ती राशि वसूली गई है। अभियान के दौरान अब तक कुल 54.55 लाख रूपये की शास्ती राशि वसूली गई है।

जागरूकता रैली से दिया संदेश

भीलवाड़ा, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के एक्शन प्लान के अनुसार 10 मई आखातीज के अबुझ मुहुर्त पर होने वाले बाल विवाह की संभावनाओं को देखते हुए आमजन एवं बच्चों को जागरूक करने बाबत् जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं महेश पब्लिक स्कूल, भीलवाड़ा के संयुक्त तत्वाधान में स्कूली छात्र-छात्राओं के माध्यम से एक विधिक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया । जागरूकता रैली को विशाल भार्गव सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। विशाल भार्गव ने बताया कि "बाल विवाह जैसी कुप्रथा से बच्चों के जीवन का ही नहीं अपितु पूरे समाज का भी पतन होता है, इसलिए बच्चे जबतक बालिग ना हो जाये उनका विवाह नहीं करना चाहिए ।

अधिकारियों की बैठक ली

नागौर, (निसं)। जिला कलक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने जिले में अवैध खनन की रोकथाम को लेकर बुधवार को खनन विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला कलक्टर पुरोहित ने कहा कि मुख्य सचिव के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनन की रोकथाम के लिए सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई करें। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों, जिला प्रशासन, वन विभाग, परिवहन विभाग तथा खान विभाग को सात दिवसीय संयुक्त अभियान चलाकर खनन माफिया के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी जिले में अवैध खनन वाले क्षेत्रों को चिन्हित करें और कार्ययोजना बनाकर रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

रक्तदान शिविर के लिए दिया निमंत्रण

शाहपुरा, (निसं)। शक्करगढ़ में आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर को लेकर सेन समाज के व्यक्तियो ने फुलियाकंला में मीटिंग रखकर शिविर में आने का निमंत्रण दिया । समाज बंधुओ द्वारा गांव-गांव में घूम कर रक्तदान के प्रति जन जागृति एवं जन चेतना फैलाने का कार्य कर रहे हैं। नारायणी सेना के फुलिया कंला तहसील अध्यक्ष भंवरलाल सेन ने बताया कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है। फुलिय़ा उपखंड क्षेत्र के सेन समाज के युवाओं से रक्तदान शिविर में पहुंचकर इस पुनीत कार्य में सहयोग करने कि अपील की।इस मौके पर महावीर प्रसाद सेन हुकमपुरा, सत्यनारायण सेन, मुकेश सेन गणपतिया खेडा,दीपक सेन धनोप, शिवराज सेन, महेश सेन, घीसू सेन,धनराज सेन राहुल सेन आदि मौजूद रहे।

पालना गृह में नवजात बच्ची मृत मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। बीती देर रात एमजी हॉस्पिटल के मातृ एवं शिशु चिकित्सालय में जन्म के कुछ देर बाद ही पालना में एक बच्ची को छोड़ दिया गया। बच्ची को वार्ड में ले जाकर चैक किया तो वह मृत थी। पुलिस ने शव को मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया है। एमजीएच चौकी पुलिस के अनुसार, बीती देर रात मातृ एवं शिशु चिकित्सालय परिसर स्थित पालना गृह का अलार्म बजने पर स्टाफ तुरंत पालना स्थल पहुंचा, जहां पालना में नवजात बच्ची मिली। उसे संभाला और शिशु वार्ड में ले जाने के बाद डॉक्टर्स ने चेक किया तो वह मृत थी। डॉक्टर्स ने नवजात बच्ची की मौत की सूचना पुलिस को दी। पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया।

जागरूकता रैली निकाली

शाहपुरा, (निसं)। राजस्थान राजा विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा द्वारा अक्षय तृतीया (आखातीज) के अवसर पर होने वाले बाल विवाह की रोकथाम को लेकर इंडियन पब्लिक स्कूल शाहपुरा के छात्रा-छात्राओं ने रैली निकाली गयी।

लापरवाही पर मांडलगढ़ न्यायालय ने थमाया नोटिस

माण्डलगढ़, (निसं)। मांडलगढ़ में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कोटड़ी के पुलिस उप अधीक्षक प्रमोद कुमार द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी में अधूरा अनुसन्धान करने पर कड़ी टिप्पणी कर जवाब तलब किया हैं।संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर न्यायालय ने पुलिस उप अधीक्षक को नोटिस जारी किया,तथा काछोला के आरोपी राकेश रेगर के रिमांड को खारिज करते हुए गिरफ्तारी को अवैध माना गया हैं। काछोला थाने में दर्ज प्रकरण संख्या 66/ 2024 अपराध भादंसं की धारा 341, 323, 365, 342, 505 (2)दफा 34 व आईटी एक्ट 67 के अंतर्गत आरोपी राकेश रेगर को गिरफ्तार कर 3 दिवस रिमाण्ड के लिए पेश किया गया। आरोपी राकेश ओर इसके दो अन्य साथियों पर काछोला के एक युवक का अपहरण कर उसके साथ मारपीट करने और मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने का आरोप था, इस मामले में कोटड़ी के पुलिस उप अधीक्षक एवं अनुसन्धान अधिकारी प्रमोद कुमार द्वारा केस डायरी में सीआरपीसी की धारा41 (क) के अंतर्गत आरोपी को गिरफ्तारी से पूर्व विधि प्रावधान के अंतर्गत नोटिस नहीं दिया,ओर न ही पुलिस रोजनामचे में गिरफ्तारी का उल्लेख किया गया। केस डायरी में चेक लिस्ट को भी संलग्न नहीं करने पर कोर्ट मामले को गम्भीरता से लिया है, इस मामले में न्यायालय ने अनुसंधान अधिकारी पर कड़ी टिप्पणी करते हुए जवाब तलब किया। अनुसंधान अधिकारी ने न्यायालय में कोई संतोषजनक जवाब पेश नहीं किया ।जिस पर न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ मांगा गया 3 दिन का पुलिस रिमांड खारिज कर दिया तथा अनुसंधान अधिकारी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई के लिए न्यायालय ने नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। वहीं आरोपी की गिरफ्तारी को अवैध करार दिया है।

ट्रेलर व कैंपर की भिड़ंत में सात जने घायल

अजमेर, (कासं)। अजमेर में गुरुवार को मांगलियावास थाना क्षेत्र में ट्रेलर और कैंपर की भिड़ंत हुई, जिसमें सात लोग घायल हो गये। जिनमें से दो की गंभीर हालत बताई जा रही है। मांगलियावास थाना प्रभारी सुनील ताड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि थाना क्षेत्र के बिछियावास में गुरुवार अलसुबह कैंपर गाड़ी ट्रेलर से टकरा गई, जिसमें सात लोग घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंच पुलिस टीम ने स्थानयी लोगों की मदद से सभी घायलों को जेएलएन अस्पताल में भिजवाया। इनमें से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे को लेकर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। घायलों के रिश्तेदारों ने बताया कि बिछियावास रोड पर ही यह हादसा हुआ। सभी रिश्तेदार पाली से बलवंत गांव आ रहे थे। इसी दौरान हादसा हो गया। इसके बाद उन्हें फोन पर इसकी सूचना मिली थी। हादसे में लालाराम पुत्र औंकार, सुरेश पुत्र नारायण, शिवपाल पुत्र घिसा, सुरधमल पुत्र भैरू सहित अन्य लोग घायल हुए हैं।

राजस्थान रावत राजपूत महासभा प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न

ब्यावर, (निसं)। राजस्थान रावत राजपूत महासभा ब्यावर की प्रदेश कार्यकारिणी बैठक बुधवार को करमाल चौराहे पर आशापुरा माता मंदिर प्रांगण में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता महासभा संरक्षक मंडल अध्यक्ष बीरदसिंह खोडमाल ने की। वरिष्ठ महामंत्री मानसिंह चौहान ने बताया कि बैठक में महासभा भू-खंड पर निर्माणाधीन आशापुरा माता मंदिर में आगामी नवरात्र पर मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव रखने को लेकर चर्चा करते हुए मंदिर निर्माण कार्य जल्दी पूरा कराने का निर्णय लिया गया। साथ ही मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा होने के बाद महासभा के दिशा निर्देशन में स्थानीय सर्कल सभा को ही मंदिर व्यवस्थार्थ देखरेख करने की जिम्मेदारी सौंपने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। आगामी दिनों में महासभा कार्यकारिणी का विस्तार करने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में महासभा के इसी भू-खंड को लेकर भामाशाह दुर्ग सिंह, चौकड़िया पूर्व सरपंच हेम सिंह, शिक्षाविद् पन्ना सिंह जौडकिया के योगदान की खूब सराहना हुई। इस अवसर पर महासभा के पूर्व अध्यक्ष भगवानसिंह चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहन सिंह राठौड़, चौकड़िया सरपंच प्रतिनिधि मदन सिंह, युवा प्रदेशाध्यक्ष एवं सरपंच ब्रजपालसिंह रावत, महासभा उपाध्यक्ष रामसिंह, सर्कल सभा अध्यक्ष पूनम सिंह, जयरामसिंह गहलोत, प्रवक्ता माधूसिंह, कोषाध्यक्ष चाप सिंह, व्याख्याता लक्ष्मण सिंह सारण, नरेन्द्र सिंह थानेदार, वर्द्ध सिंह दीवान, बाबू सिंह बोगला, बलवीर सिंह फूलाद, त्रिभुवन नारायणसिंह चौहान, भंवर सिंह फूलाद, सोहन सिंह बरजाल, रूपसिंह सहित कई समाज बंधु मौजूद थे।

कार्यकारिणी बैठक आशापुरा माता मंदिर प्रांगण में आयोजित हुई।

बंधक बनाकर मार्बल व्यापारी के पुत्र से मारपीट

मकराना, (निसं)। रुपए के लेन देन को लेकर मार्बल व्यापारी के पुत्र के साथ मारपीट का मामला कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ है। इस संबंध में अरबाज पुत्र असलम गौड़ निवासी गली नम्बर 3 गरीब नवाज कॉलोनी मुर्गी फार्म के पास ने आरोपी आसिफ पुत्र संजय गैसावत निवासी देशवाली की ढाणी मकराना, अरफान पुत्र रसीद टांक निवासी हरीजन बस्ती पलाडा रोड मकराना, मकसूद राणा पुत्र मुख्तयार गैसाबत निवासी ईमाम चौक गौडावास मकराना व 3-4 अन्य जनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है।

प्रार्थी ने इस्तगासे में बताया कि उसके पिता ने आसीफ को दो मंदिर बनाने का ठेका 23 सितंबर 2022 को 32 लाख 51 हजार रुपए में दिया था। मंदिरों के काम के पेटे करीब करीब रुपए आसीफ को उसके पिता द्वारा दिये गये थे। जबकि मंदिर का सम्पूर्ण काम आरोपित द्वारा नहीं किया। 4 अप्रैल 2024 को प्रार्थी व उसका भाई मध्यप्रदेश में काम कर सांय दस बजे मकराना आ गये। उस दिन रोजा होने से रात्रि में इबादत कर घर दो बजे आ रहा था। इस दौरान आरोपी एक राय व घातक हथियारों से लेस होकर दो मोटरसाइकिलों पर आये व प्रार्थी को रोक लिया। आरोपियों ने लातों-घूसों से मारपीट की। साथ ही प्रार्थी को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके अलावा आसिफ ने उसके कनपटी पर पिस्तौल रखकर खाली कागजात पर हस्ताक्षर करवाने का दबाव बनाया। उसने ने मना किया तो आरोपितों ने मारीपट की।

आरोपितों ने दो खाली कागजों पर हस्ताक्षर करवा लिये व बाद में आसिफ व अरफान ने बाइक पर बिठाकर उसके घर के सामने पटक दिया। प्रार्थी के भाई फरदीन ने उसके शरीर पर चोटें देखी तो उसने पूछा तो सारी बात बताई। इस पर उसके भाई ने पिता को बताया। पुलिस ने कोर्ट के आदेशों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'लक्ष्यों की पूर्णता के साथ काम करें'

नागौर, (निसं)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश कुमावत ने मंगलवार को मूंडवा खंड मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने मूंडवा ब्लॉक के चिकित्सा अधिकारियों की बैठक ली। सीएमएचओ डॉ. राकेश कुमावत ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि मूंडवा ब्लॉक में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से लेकर उप स्वास्थ्य केन्द्र तथा विशेषकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्तर तक चिकित्सा सुविधाएं सुदृढ़ हों, इसके लिए पूरी लगन से काम करें। हर व्यक्ति को चिकित्सा सुविधाओं का संबंधित स्वास्थ्य केन्द्र पर लाभ मिले, यह सुनिश्चित कर लिया जाए।

मसूदा की यातायात व्यवस्था बेलगाम, लग रहा है जाम

मसुदा, (निसं)। मसूदा कस्बे में यातायात व्यवस्था के लिए उच्च अधिकारियों द्वारा कई बार बैठक की परन्तु अधिकारियों व ग्राम पंचायत द्वारा स्थाई समाधान नहीं निकालने के कारण बात आई जाई हो जाती है ऐसी बैठकों का क्या मतलब आमजन को यातायात व्यवस्था पर कोई ठोस आधार नहीं निकला जाता है। मसूदा उपखंड मुख्यालय पर यातायात व्यवस्था बेपटरी है पहली बात तो यहां यातायात पुलिस कर्मियों की तैनाती कर रखी है वह नाममात्र की तैनाती करते दिखाई देते हुए नजर आते हैं। इसके चलते हर कोई वाहन चालक मनमर्जी कर रहा है दूसरी समस्या बेहतर भी इन वाहन दुकानों के बाहर अस्थाई अतिक्रमण की है फिर प्रशासन रोजाना शक्ति भी नहीं बढ़ता रहा है शिकायत मिलने पर कुछ दिनों कार्रवाई की जाती है तो हालत सुधर जाते हैं बाद में वही ढर्रा शुरू होना आम है रविवार को भी मसूदा में ऐसा ही हुआ पूरे कस्बे में यातायात जाम के हालात बन रहे जिधर देखो उधर वाहनों की लंबी-लंबी कतारें नजर आई। इस दौरान कई बार प्रशासन की गाड़ी एवं एमरजेंसी 108 व विधायक कोष एम्बुलेंस भी जाम में खड़ी दिखा देती कोई भी अस्थाई अतिक्रमण के खिलाफ कोई ठोस कार्यवाई नहीं करता है। गौरतलब है कि पुलिस कर्मियों की गैर मौजूदगी के चलते मसूदा कस्बा की यातायात व्यवस्था बेलगाम है।

पूर्व सांसद रावत की तृतीय पुण्यतिथि

अजमेर, (कासं)। अनाथ एंव निराश्रित बालक-बालिकाओं का पालन पोषण कर रही सन् 1895 में स्थापित राजस्थान की सबसे बड़ी व पुरानी स्वयं सेवी संस्था दयानन्द बाल सदन, अजमेर के पूर्व मेधावी आवासी व प्रधान प्रो. रासासिंह रावत, (पूर्व सांसद) की तृतीय पुण्यतिथि दयानन्द बाल सदन, अजमेर के बाल गृह में देवयज्ञ के साथ सद्भावना पूर्ण वातावरण में सादगी पूर्ण मनाई जाएगी।

कार्यक्रम की शुरूआत सांयकाल 5.00 बजे यज्ञ हवन के साथ प्रारम्भ होगी, जिसके ब्रह्मा आचार्य अमर सिंह शास्त्री तथा यज्ञ में मुख्य यज्ञमान विजय सिंह आर्य, सुरेन्द्र कुमार आर्य, नाथूसिंह आर्य, किशन सिंह आर्य राजेन्द्र कुमार आर्य, प्रभुसिंह आर्य, विवेक सिंह भाटी तथा संस्था के आवासी बालक बालिका होंगे। इस अवसर पर संसथा के समस्त बालक-बालिकाएं तथा स्टाफ आदि मौजूद रहेंगे।

किसानों ने नायब तहसीलदार को ज्ञापन दिया

मकराना, (निसं)। किसानों ने भारतीय किसान संघ के बैनर तले खरीफ फसल 2023 का क्लेम दिलाने की मांग को लेकर उपखण्ड अधिकारी कार्यालय के बाहर धरना देकर प्रदर्शन किया। साथ ही किसानों ने दस दिनों में बीमा क्लेम नहीं देने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। धरने के बाद उपखण्ड अधिकारी मकराना की अनुपस्थिति में नायब तहसीलदार को मुख्यमत्री के नाम ज्ञापन दिया।

ज्ञापन में बताया कि इस वर्ष क्रॉप कटिंग की रिपोर्ट क्षेत्र में लगभग 40 से 70 प्रतिशत तक के नुकसान की है फिर भी एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कम्पनी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने किसानो को कोई क्लेम अब तक नहीं दिया है। जबकि फसलों की कटाई को 8 महीने होने जा रहे है। इसके अलावा क्रॉप कटिंग रिपोर्ट के आधार पर मकराना को खरीफ 2023 का आभाव ग्रस्त क्षेत्र में लेकर राज्य सरकार को विशेष पैकेज के तहत मुआवजा भी देना चाहिए वो भी नहीं दिया है। साथ ही किसानों, की समस्याओं के समाधान को लेकर भारतीय किसान संघ के जिला मंत्री मोहनराम डारा के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन हुआ जिसमे यह निर्णय लिया गया कि 10 दिन में फसल बीमा क्लेम जारी नहीं होने की स्थिति में व्यापक स्तर पर आंदोलन किया जायेगा। इसके लिये किसान संघ की ओर से अभी से ही रणनीति बनाए जाने को लेकर किसानों को जिम्मेदारियां दी गई है।

अवैध वसुली के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र के रीको एरिया में लेबर कांट्रेक्टर विवाद में अवैध वसुली के लिए जानलेवा हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपितों को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को निरुद्ध किया है। पुलिस ने एक लग्जरी कार भी बरामद की है। साथ ही मुख्य आरोपित सत्यनारायण गुर्जर को पुलिस ने रिमांड पर लिया है।

जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यन्त ने बताया कि रीको एरिया में 29 अप्रैल को कुछ लोगों पर जानलेवा हमला हुआ था। एएसपी विमल सिंह के निर्देशन और डीएसपी सदर श्यामसुंदर विश्नौई के सुपरविजन में हमलावरों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की गई। इस टीम ने कोली मोहल्ला पुर निवासी सत्यनारायण उर्फ सत्तू गुर्जर पुत्र रतनलाल गुर्जर, गाडरी मोहल्ला पुर निवासी सांवरमल पुत्र भैंरूलाल गाडरी, मंडी के बालाजी के पास सदर बाजार निवासी ईश्वरचंद पुत्र संपतलाल आचार्य, चुंगीनाका के पास पुर निवासी साजन पुत्र पप्पूलाल खटीक को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक विधि से संघर्षरत किशोर को निरुद्ध किया है। इस टीम में प्रताप नगर थाना प्रभारी सुगन सिंह, एएसआई प्रकाश चंद्र, दीवान सुनील कुमार, कैलाश सिंह, प्रताप, कांस्टेबल बनवारी, असलम, मुकेश चंद्र, अमृत व धीरज शामिल थे।

बाल विवाह रोकथाम के लिए जिला प्रशासन सख़्त

नागौर, (निसं)। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अन्तर्गत बाल विवाह रोकथाम एवं बाल विवाह आयोजकों पर प्रभावी कार्यवाही के लिए जिला कलक्टर श्री अरुण कुमार पुरोहित ने बताया कि बाल विवाह की रोकथाम के लिए माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय पीठ, जयपुर 1 मई के आदेशानुसार जिले की ग्राम पंचायतों के समस्त सरपंचों एवं वार्डपंचों को निर्देशित किया गया है कि उनके क्षेत्र में बाल विवाह रोकथाम के लिए वे समुचित कार्रवाई करें।

यदि ग्राम पंचायत के क्षेत्राधिकार में बाल विवाह से संबंधित कोई भी प्रकरण संज्ञान में आता है तो उस क्षेत्र के सरपंच या वार्डपंच के खिलाफ बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत उत्तरदायी मानते हुए सबंधित के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। जिला कलक्टर पुरोहित ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए बाल विवाह जैसी सामाजिक कुप्रथा से प्रभावी तरीके से निपटने के लिए अधिनियम की धारा 13 के

विराट कोहली सबसे बेहतरीन बल्लेबाज है। पिछले साल आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप में विराट कोहली ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए थे।वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। 2021 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। - युवराज सिंह

भारत के दिग्गज ऑलराउंडर, कोहली के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — वनिंदु हसरंगा

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में अगले महीने शुरू होने वाले टी-20 विश्वकप के लिए वनिंदु हसरंगा को टीम का कप्तान बनाया है। श्रीलंका टी-20 विश्वकप में ग्रुप डी में बंगलादेश, नेपाल, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका के साथ है। श्रीलंका अपना पहला मुकाबला तीन जून को न्यूयार्क में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेलेंगा। इसके बाद उन्हें दल्लास में आठ जून को अगला मैच खेलेंगे। उनके आखिरी दो ग्रुप मैच फ्लोरिडा में 12 जून को नेपाल के साथ और 18 जून को सेंट लूसिया में नीदरलैंड्स के खिलाफ खेलेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... 8 दिसंबर 1981 को ऑस्ट्रेलिया और पाकिस्तान के बीच निर्धारित मैच विद्युत कर्मचारियों की हड़ताल के कारण रद्द कर दिया गया था।

पंजाब आईपीएल की प्लेऑफ रेस से बाहर, बेंगलुरु ने 60 रन से हराया

विराट कोहली शतक से चूके, सिराज को तीन विकेट मिले, बेंगलुरु की लगातार चौथी जीत

धर्मशाला 9 मई। पंजाब किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (2024) में गुरुवार को प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई। टीम को अपने होमग्राउंड धर्मशाला में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 60 रन से हराया। इस जीत से बेंगलुरु ने अपने प्लेऑफ में क्वालिफाई होने की उम्मीदों को बरकरार रखा।

स्टेडियम में पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 241 रन बनाए। विराट कोहली ने 92, रजत पाटीदार ने 55 और कैमरन ग्रीन ने 46 रन बनाए। पंजाब से हर्षल पटेल ने 3 और विद्वत कवेरप्पा ने 2 विकेट लिए। पंजाब किंग्स 17 ओवर में 181 रन बनाकर सिमट गई। टीम से राइली रुसो ने 61 रन बनाए। वहीं शशांक सिंह 37, जॉनी बेयरस्टो 27 और सैम करन 22 ही रन बना सके। बेंगलुरु से मोहम्मद सिराज ने 3 विकेट झटके। कर्ण शर्मा, स्वप्निल सिंह और लॉकी फर्ग्यूसन ने 2-2 विकेट लिए।

आज यहां हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में पंजाब किंग्स के कप्तान सैम करन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत खराब रही और उसने तीसरे ओवर में ही कप्तान फाफ डुप्लेसी (9) का विकेट गवां दिया। उन्हें विधवत कावेरप्पा ने आउट किया। इसके बाद पांचवें ओवर में विधवत कावेरप्पा ने विल जैक्स (12) को भी शशांक के हाथों कैच आउट कराकर पवेलियन भेज दिया। विराट कोहली और रजत पाटीदार ने पारी को संभाला और तीसरे विकेट के लिये 76 रनों की साझेदारी की। पाटीदार ने 23 गेंदों में तीन चौके और छह छक्कों की मदद से तूफानी अंदाज में 55 रन बनाये। वहीं विराट कोहली ने 47 गेंदों में सात चौके और छह छक्के लगाते हुए 92 रनों की पारी खेली। दिनेश कार्तिक (18), महिपाल लोमरोर (शून्य) पर आउट हुये।

बजरंग पुनिया को विश्व कुश्ती महासंघ ने एक साल के लिए किया सस्पेंड

नई दिल्ली, 9 मई। पहलवान बजरंग पुनिया की मुश्किल कम होने की बजाय लगातार बढ़ती जा रही है। वहीं अब उनके सैंपल देने से इनकार करने के मामले में द्वारा अस्थायी निलंबित किए जाने के बाद अब विश्व कुश्ती महासंघ ने भी उन्हें इस साल के अंत तक सस्पेंड कर दिया है। हालांकि, भारतीय खेल प्राधिकरण ने के आदेश के बावजूद विदेश में उनकी ट्रेनिंग के लिए लगभग 9 लाख रुपये की मंजूरी दी है।

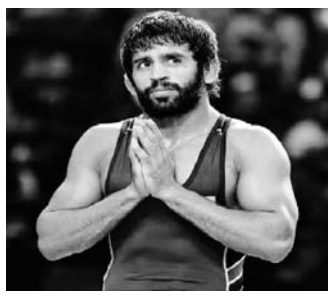

बता दें कि, देश के सबसे सफल पहलवानों में से एक बजरंग को नाडा ने 23 अप्रैल को निलंबित किया था। उन्हें इससे पहले 18 अप्रैल को रहने के स्थान संबंधी नियम के उल्लंघन के लिए नोटिस जारी किया गया था। अपने बचाव में टोक्यों ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग ने कहा था कि उन्होंने कभी परीक्षण के लिए नमूना देने से इनकार नहीं किया लेकिन डोप नियंत्रण अधिकारी से सिर्फ इतना पूछा कि वह नमूना लेने के लिए लाई गई 'एक्सपायर्ड किट' के बारे में विस्तार से बताएं।

बजरंग ने पीटीआई को बताया कि उन्हें यूडब्ल्यूडब्ल्यू से निलंबन के बारे में कोई सूचना नहीं मिली है लेकिन वैश्विक संचालन संस्था ने अपनी आंतरिक प्रणाली में अपडेट करते हुए स्पष्ट तौर पर जिक्र किया है कि वह निलंबित हैं। बजरंग के नवीनतम परिचय के अनुसार, "उपरोक्त कारण से 31 दिसंबर 2024 तक निलंबित।" इसमें कहा गया है, "कथित एडीआरवी (डोपिंग रोधी नियम का उल्लंघन) के लिए नाडा भारत द्वारा अस्थाई तौर पर निलंबित।" रोचक बात यह है कि मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ (एमओसी) को 25 अप्रैल की उसकी बैठक में सूचित किया गया कि बजरंग को रूस के दागेस्तान में 28 मई से ट्रेनिंग के उनके प्रस्ताव के लिए उड़ान किराए (वास्तविक) के अलावा आठ लाख 82 हजार रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

एमओसी बैठक की जानकारी के अनुसार बजरंग का शुरुआती प्रस्ताव 24 अप्रैल से 35 दिवसीय ट्रेनिंग का था लेकिन रहने के स्थान संबंधी नियम में विफलता के कारण विरोधाभासी यात्रा तारीखों को देखते हुए उन्होंने अपनी यात्रा को 24 अप्रैल 2024 से 28 मई 2024 तक टालने का फैसला किया। इस प्रस्ताव में उनके स्ट्रैंथ एवं अनुकूलन कोच काजी किरोन मुस्तफा हसन और उन्हें ट्रेनिंग कराने वाले जोड़ीदार जितेंदर की यात्रा भी शामिल थी।

साइ महानिदेशक संदीप प्रधान और टॉप्स (टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना) के सीईओ कर्नल राकेश यादव ने उनकी ट्रेनिंग को स्वीकृति देने के फैसले के संदर्भ में पीटीआई के फोन या एसएमएस का कोई जवाब नहीं दिया। बजरंग ने पुष्टि की कि उन्होंने साइ को स्वीकृति के लिए प्रस्ताव भेजा था। उन्होंने साथ ही कहा कि उनका वकील नाडा को जवाब देगा। उन्होंने कहा, "मैं हैरान हूं कि साइ ने इसे स्वीकृति दे दी। मैंने असल में अपनी योजना रद्द कर दी है।

हॉकी प्रो. लीग के यूरोप चरण के लिए भारतीय 24 सदस्यीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 9 मई। 22 मई से एफआईएच हॉकी प्रो लीग का आगाज होने जा रहा है। वहीं यूरोप चरण के लिए भारत की 24 सदस्यीय टीम की घोषणा हो चुकी है। जहां इस टीम की अगुवाई हरमनप्रीत सिंह करेंगे। वहीं भारत यूरोप चरण में कुल 8 मैच खेलेगा, टीम दो चरण के टूर्नामेंट में अर्जेन्टीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन से दो-दो मैच खेलेगी। पहला चरण 22 से 30 मई तक बेल्जियम के एंटवर्प में होगा जबकि दूसरा चरण लंदन में एक से 12 जून तक खेला जाएगा।

यह 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलंपिक के लिए भारत की तैयारी के लिए काफी अहम प्रतियोगिता होगी और मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन को टीम को खेलों के महाकुंभ के लिए तैयार करने का मौका देगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी की सरजमीं पर पांच टेस्ट की सीरीज में 0-5 की हार के बाद भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। भारत प्रो लीग तालिका में अभी आठ मैच में 15 अंक के साथ तीसरे स्थान पर है। नीदरलैंड 12 मैच में 26 अंक के साथ शीर्ष पर है जबकि ऑस्ट्रेलिया के आठ मैच में 20 अंक हैं।

आईपीएल के बाद दिव्यांगों के वर्ल्ड कप की तैयारी में जुटी नवाब नगरी

लखनऊ, 9 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की हाल ही में सफल मेजबानी के बाद क्रिकेट के दीवाने शहर लखनऊ में अब दिव्यांगों के विश्वकप की तैयारी शुरु हो चुकी है। नवाब नगरी में पहली बार आयोजित होने वाले दिव्यांग विश्वकप में पाकिस्तान और श्रीलंका समेत दुनिया की चुनिंदा आठ टीमें हिस्सा लेंगे। विश्वकप की सटीक तारीखों का ऐलान फिलहाल नहीं किया गया है मगर जोश खरोश से भरे दिव्यांग क्रिकेटरों का जलवा नवंबर महीने में देखने को मिल सकता है।

आयोजकों का कहना है कि खेल मंत्रालय से विश्वकप के आयोजन की अनुमति मिलने के बाद क्रिकेट खेलने वाले देशों से टीम भेजने के लिये संपर्क शुरु कर दिया गया है जिसमें से पाकिस्तान समेत कई मुल्कों ने आयोजन के प्रति अपनी गहरी दिलचस्पी का इजहार किया है। विश्व कप के आयोजन की घोषणा गुरुवार को दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया (डीसीसीबीआई) और एयूएम स्पोर्टेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड ने गुरुवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में की।

एयूएम स्पोर्टेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक और साईं बाबा के नाम से मशहूर अभिनेता दूरदर्शी औशिम खेत्रपाल और डीसीसीबीआई के संस्थापक और महासचिव हारून रशीद ने बताया कि टूर्नामेंट में मेजबान भारत सहित चुनिंदा आठ टीमें दो पूलों में प्रतिस्पर्धा करेंगी जिनके मध्य फाइनल सहित कुल 15 मैच होंगे जो लखनऊ वासियों के लिए किसी बोनांजा से कम नहीं होगा और निश्चित रूप से दुनिया भर के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। उन्होंने बताया कि पहले दिव्यांग क्रिकेट वर्ल्ड कप में भाग लेने के लिए श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और केन्या सहित कुल 17 टीमों ने रूचि दिखाई है जिनमें आठ टीमों को इंट्री दी जायेगी। हारून रशीद ने बताया कि भारतीय दिव्यांग टीम ने हाल ही में प्रतिष्ठित एशिया कप जीतकर अपना लोहा मनवाया है। इसके साथ ही अब तक खेले गए 124 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में से भारतीय टीम ने 100 मैच जीते हैं।

उन्होंने बताया कि डीसीसीबीआई की स्थापना 2008 में की गई थी और इसके बाद से संस्था ने दिव्यांग क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अटूट समर्पण का प्रदर्शन किया है। वहीं दूरदर्शी औशिम खेत्रपाल के मार्गदर्शन में इस संयुक्त आयोजन का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर क्रिकेट और समावेशिता की भावना को प्रदर्शित करना है।

दोहा डायमंडल लीग के जरिये ओलंपिक की तैयारी शुरू करेंगे नीरज चोपड़ा और किशोर जेना

दोहा, 9 मई। ओलंपिक चैम्पियन नीरज चोपड़ा शुक्रवार को दोहा डायमंडल लीग के एक दिवसीय पहले चरण के जरिये पेरिस ओलंपिक की अपनी तैयारियां शुरू करेंगे। मौजूदा विश्व और एशियाई खेल चैम्पियन भारत के भालाफेंक स्टार चोपड़ा का सामना पूर्व विश्व चैम्पियन ग्रेनाडा के एंडरसन पीटर्स और ओलंपिक तथा विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता चेक गणराज्य के याकूब वालेश से होगा। एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता भारत के किशोर जेना डायमंड लीग में पदार्पण करेंगे। उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत प्रदर्शन 87. 54 मीटर है जबकि चोपड़ा का सर्वश्रेष्ठ 89. 94 मीटर है जो राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

यूरोपीय चैम्पियन जर्मनी के जूलियन वेबर भी दस खिलाड़ियों में शामिल है जो लीग में उतरेंगे। इसके बाद लीग का दूसरा चरण 19 मई को मोरक्को में होगा। चोपड़ा यहां गत चैम्पियन भी हैं जिन्होंने 2023 में वालेश और पीटर्स को हराया था। चोपड़ा ने भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जारी विज्ञिप्त में कहा ," सफलता टीमवर्क पर निर्भर करती है। मेरे कोच और फिजियो का अपार योगदान है। कोच मेरी तकनीक की समीक्षा करते हैं और बताते हैं कि मेरे अनुकूल क्या होगा। हमारे पास स्ट्रेंथ ट्रेनिंग विशेषज्ञ भी है।" पीटर्स ने 2022 में यहां 93 . 07 का थ्रो फेंका था। वहीं तोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता वालेश 2023 डायमंड लीग चैम्पियन है और यहीं पर 2022 में उन्होंने 90 . 88 मीटर का थ्रो फेंका था।

भारत में खेलना मेरे लिए अच्छा रहेगा, लेकिन वहां कई समारोह भी होंगे : नीरज चोपड़ा

दोहा, 9 मई। अभ्यास के कारण अधिकतर विदेश में रहने वाले ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा ने गुरुवार को स्वीकार किया कि उनकी स्टार खिलाड़ी की छवि भारत में उनके अभ्यास और प्रतिस्पर्धा में रोड़ा बन जाती है। मौजूदा विश्व और एशियाई खेलों के चैंपियन 26 वर्षीय चोपड़ा शुक्रवार को यहां डायमंड लीग के पहले चरण में हिस्सा लेंगे।

चोपड़ा ने प्रतियोगिता से पहलेसंवाददाता सम्मेलन में कहा, "मेरे लिए मेरा खेल सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। अगर मैं भारत में खेलता हूं तो यह मेरे प्रोफाइल के लिए अच्छा होगा लेकिन वहां कई समारोह और विवाह समारोह भी हैं। इसके अलावा मैं अपने परिवार और दोस्तों से भी मिलना चाहता हूं, लेकिन यह ओलंपिक वर्ष है और मेरे लिए अभ्यास करना सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।" उन्होंने कहा," तोक्यो ओलंपिक से पहले मैं भारत में ही अभ्यास करता था लेकिन अभी मैं केवल अपने खेल पर ध्यान देना चाहता हूं। मैं बाद में भारत में अभ्यास करूंगा।"

चोपड़ा यहां से भारत जाएंगे जहां वह भुवनेश्वर में 12 से 15 मई के बीच होने वाले फेडरेशन कप में भाग लेंगे। पिछले तीन साल में यह पहला अवसर होगा जबकि वह भारत में किसी प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। वह जानते हैं कि भारत में उनका चेहरा जाना पहचाना है और उनकी उपस्थिति से किस तरह से देश में उनके खेल का महत्व बढ़ा। उन्होंने कहा,"यह विराट कोहली या महेंद्र सिंह धोनी जैसे क्रिकेटरों की तरह नहीं है लेकिन काफी लोग मुझे जानते हैं। मैं कभी-कभी भारत जाता हूं और लोग मुझे जानते हैं जो एथलेटिक्स के लिए अच्छा है। लोग एथलेटिक्स के बारे में जानते हैं और ओलंपिक स्वर्ण पदक के कारण एथलेटिक्स का अनुसरण करते हैं।"

अभिषेक शर्मा भारतीय क्रिकेट के लिये उम्दा प्रतिभा है : ट्रेविस हेड

हैदराबाद, 9 मई। लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ आईपीएल के इतिहास में लक्ष्य का पीछा करने का रिकॉर्ड बनाने वाले आस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने अभिषेक शर्मा को भारतीय क्रिकेट के लिये बेहतरीन प्रतिभा बताया है।

हेड (30 गेंद में नाबाद 89) और शर्मा (28 गेंद में नाबाद 75) ने 166 रन का लक्ष्य 9 . 4 ओवर में हासिल कर लिया। यह पुरूषों के टी10 क्रिकेट में दस ओवरों में रिकॉर्ड स्कोर है। हेड ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा ," अभि के साथ साझेदारी बेहतरीन थी। वह भारतीय क्रिकेट के लिये रोमांचक प्रतिभा है। हमारा तालमेल जबर्दस्त था और उसके साथ खेलने में बहुत मजा आया। वह इतना ऊर्जावान है और अपने खेल को लेकर काफी सोचता है।"

अगले महीने वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप से पहले हेड ने आईपीएल में 11 पारियों में 201.89 की स्ट्राइक रेट से 533 रन बना लिये हैं। हेड ने कहा, "आप हमेशा लगातार अच्छा खेलना चाहते हैं। अच्छा खेलकर सुखद अनुभूति होती है। यह वेस्टइंडीज में भी अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं है लेकिन इससे मेरा आत्मविश्वास बढा है। वेस्टइंडीज में स्पिनरों को खेलना होगा और विकेट कठिन हो सकते हैं। मुझे खुशी है कि मैं स्पिन को बखूबी खेल सका।

शर्मनाक हार के बाद केएल राहुल पर भड़के लखनऊ के मालिक

हैदराबाद, 9 मई। बुधवार को आईपीएल 2024 मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। केएल राहुल की अगुवाई में एलएसजी को 10 विकेट से हार मिली। लखनऊ के गेंदबाज हैदराबाद की बेहतरीन जोड़ी ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा को रोकने में नाकामयाब रहे। जिसके बाद लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका काफी नाराज दिखे। इस दौरान उनका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर लगातार वायरल हो रहा है जिसमें वो कप्तान केएल राहुल के साथ बहस करते दिख रहे हैं। दरअसल, संजीव गोयनका अपनी टीम की इस हार से बेहद खफा हैं और वो केएल राहुल पर बहुद नाराज दिख रहे थे। उन्हें केएल राहुल से बहस करते हुए भी देखा जा सकता है।

सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से हुई अविश्वसनीय बल्लेबाजी : राहुल

हैदराबाद, 9 मई। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के एल राहुल ने कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 57वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी ने जिस तरह की अविश्वसनीय बल्लेबाजी की उसे देकर ऐसा लगा रहा था कि इनके लिए 250 का स्कोर भी कम पड़ जाता।

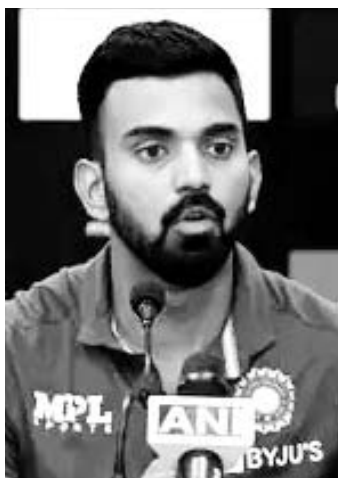

लखनऊ और हैदराबाद के बीच बुधवार को खेले गये मैच के बाद राहुल ने कहा, मेरे पास शब्द नहीं हैं। हमने इस तरह की बल्लेबाजी टीवी में देखी थी, लेकिन आज जो हुआ वह अविश्वसनीय था। मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता कि वह दोनों (हेड और अभिषेक) कितने बढ़िया ढंग से गेंद को हिट कर रहे थे। हर गेंद उनके बल्ले के बीचों बीच जाकर लग रही थी और मुझे लगता है कि बड़े शॉट्स लगाने की इस क्षमता के पीछे उनकी कड़ी मेहनत छुपी हुई है।

राहुल ने कहा कि उनकी टीम ने बेहद कम स्कोर बनाया था। राहुल के अनुसार अगर उनकी टीम ने स्कोरबोर्ड पर 250 का आंकड़ा छू लिया होता तब भी संभव है कि हैदराबाद उस लक्ष्य को हासिल कर लेती। हैदराबाद के बल्लेबाजों के सामने लखनऊ का तेज गेंदबाजी आक्रमण विफल साबित हुआ, वहीं स्पिनर्स का प्रदर्शन भी संतोषजनक नहीं रह पाया। प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने के दौरान हेड ने कहा, स्पिन पर मैंने पिछले कुछ समय से काफी मेहनत की है। वेस्टइंडीज में होने वाले आगामी टी-20 विश्वकप में भी स्पिन का काफी रोल रहने वाला है।

मनिका बत्रा सऊदी स्मैश टूर्नामेंट में हिला एकल क्वार्टरफाइनल में हारी

जेद्दा, 9 मई। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा को गुरुवार को सऊदी स्मैश टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टरफाइनल मुकाबले में जापान की पूर्व एशियाई चैंपियन हिना हयाता के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय अभियान समाप्त हो गया है।

आज यहां किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी के इनफिनिटी एरिना में मनिका बत्रा को 39 मिनट चले मुकाबले में हिना हयाता ने 4-1 (11-7, 6-11, 4-11,11-13,2-11) से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी ने अपने मजबूत फोरहैंड का अच्छा इस्तेमाल करते हुए शुरुआती बढ़त हासिल की, लेकिन हयाता ने फ्लैट रिटर्न के साथ बत्रा से लगातार गलतियां करवाते हुए बाद के चार गेम जीत लिए। इस हार के साथ ही सऊदी स्मैश 2024 में भारतीय अभियान समाप्त हो गया। उल्लेखनीय है कि सऊदी स्मैश में बत्रा का प्रदर्शन उन्हें पहली बार एकल रैंकिंग में शीर्ष 30 में ले जाएगा। मनिका ने पिछले वर्ष की शुरुआत में सर्वश्रेष्ठ एकल रैंकिंग 33 हासिल की थी।

एफआईएच हॉकी प्रो. लीग के लिये भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली, 9 मई। बेल्जियम और इंग्लैंड में आगामी 22 मई से शुरू होने वाली एफआईएच हॉकी प्रो. लीग 2023-24 के लिये 24 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गयी। बेल्जियम चरण की शुरुआत 22 मई को होगी जिसका समापन 30 मई को होगा जबकि इंग्लैंड चरण एक जून को शुरू होकर 12 जून को समाप्त होगा। भारत 22 मई को अर्जेंटीना के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करते हुए दोनों चरणों में अर्जेंटीना, बेल्जियम, जर्मनी और ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ दो-दो बार खेलेगा। भारत फिलहाल आठ मैचों में 15 अंकों के साथ अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। टीम की कमान कप्तान हरमनप्रीत सिंह संभालेंगे जबकि मिडफील्डर हार्दिक सिंह को उपकप्तान बनाया गया है। गोलकीपिंग की जिम्मेदारी पीआर श्रीजेश और कृष्ण बहादुर पाठक पर होगी, जबकि रक्षा पंक्ति में जरमनप्रीत सिंह, अमित रोहिदास, हरमनप्रीत सिंह, सुमित, संजय, जुगराज सिंह और विष्णुकांत सिंह शामिल हैं।

मिडफ़ील्ड में विवेक सागर प्रसाद, नीलकंठ शर्मा, मनप्रीत सिंह, शमशेर सिंह, हार्दिक सिंह, राजकुमार पाल और मोहम्मद जैसे खिलाड़ी होंगे।

टीम चयन पर बोलते हुए मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा, हम शिविर में कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं और एक-दूसरे के गेमप्ले की समझ विकसित की है। पेरिस ओलंपिक से पहले, हम शीर्ष गुणवत्ता वाली टीमों के खिलाफ खेलेंगे जिससे हमें अपने खेल को बेहतर बनाने और बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलेगी।

गुजरात को हराकर प्लेऑफ का दावा पुख्ता करने उतरेगी चेन्नई

गुजरात, 9 मई। चोटों और अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण प्रमुख खिलाड़ियों के बाहर होने के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स शुक्रवार को आईपीएल के 12वें दौर के मुकाबले में गुजरात टाइटंस को हराकर प्लेऑफ का अपना दावा पुख्ता करने के इरादे से उतरेगी। चेन्नई के 11 मैचों में 12 अंक है और गुजरात पर जीत उसके लिये बहुत महत्वपूर्ण होगी क्योंकि प्लेआफ में उसकी जगह अभी भी पक्की नहीं है और एक हार उस पर भारी पड़ सकती है। दीपक चाहर और मथीषा पथिराना चोटों के कारण टूर्नामेंट से बाहर हैं जबकि मुस्ताफिजूर रहमान बांग्लादेश के लिये खेलने चले गए हैं। अब चेन्नई के तीनों स्पिनरों रविंद्र जडेजा, मिशेल सेंटनेर और मोईन अली पर आक्रमण का दारोमदार होगा। चेन्नई ने धर्मशाला में पंजाब किंग्स के खिलाफ जिस तरह 167 रन बनाने के बाद मैच जीता, उससे प्रशंसकों की उम्मीदें बंधी होगी। गुजरात को हराकर चेन्नई अंकतालिका में सनराइजर्स हैदराबाद से ऊपर तीसरे स्थान पर पहुंच जायेगी। अभी तक जिन तीन टीमों के 12 अंक हैं , उनमें चेन्नई (प्लस 0 . 700) का रनरेट सबसे अच्छा है। गुजरात के 14 अंक हैं और वह दौड़ से पूरी तरह बाहर नहीं है।

गुजरात टाइटंस कैंसर जागरूकता के लिए लैवेंडर जर्सी के साथ मैदान में उतरेगी

अहमदाबाद, 9 मई। इंडियन प्रीमियर लीग के 63वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस की टीम लगातार दूसरे वर्ष कैंसर के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए 13 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ घरेलू मैदान पर आखिरी मुकाबले में विशेष लैवेंडर जर्सी पहनकर मैदान पर उतरेगी।

गुजरात टाइटन्स के सीओओ कर्नल अरविंदर सिंह ने कहा, कैंसर अनगिनत जिंदगियों को प्रभावित करता है और इसके लिए लैवेंडर जर्सी हमारी ओर से एक छोटा सा प्रयास है। जर्सी कैंसर रोगियों और उबरे लोगों के लिए हमारे समर्थन का प्रतीक है। कैंसर के खिलाफ लड़ाई जीतने के लिए निवारक उपायों और शीघ्र निदान की आवश्यकता है। हम अपने प्रशंसकों के साथ मिलकर कैंसर से प्रभावित लोगों के जीवन में एक सार्थक बदलाव लाने की उम्मीद करते हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने कैंसर जागरुकता पर बल देते हुए कहा, खिलाड़ी के रूप में हम अपने प्रशंसकों और समुदाय के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी के बारे में जानते हैं।

भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 21 रनों से हराकर श्रृंखला 5-0 से जीती

सिलहट, 9 मई। दयालन हेमलता (37) और स्मृति मंधाना (33) रनों की पारियों और उसके बाद गेंदबाजी में राधा यादव के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने गुरुवार को पांचवें टी-20 मैच में बंगलादेश की टीम को 21 रन से हराते हुए श्रृंखला 5-0 से अपने नाम कर ली है।

आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने बंगलादेश को 157 रनों का लक्ष्य दिया। भारत ने पांचवें ओवर में शफाली वर्मा (14) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद आठवें ओवर में स्मृति मंधाना 25 गेदों में (33) रन बनाकर पवेलियन लौट गयी। दयालन हेमलता 28 गेंदों मे दो चौके और दो छक्के लगाते हुये सर्वाधिक (37) रन बनाये। हरमप्रीत कौर (30) और रिचा घोष 28 रन बनाकर नाबाद रही।भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट पर 156 रन बनाये।

बंगलादेश की ओर से राबेया खान और नाहिदा अख्तर ने दो-दो विकेट लिये। सुल्ताना खातून ने एक बल्लेबाज को आउट किया। 156 रनों के जवाब में मेजबान बंगलादेश की टीम के बल्लेबाजों का निराशाजनक प्रदर्शन रहा और वे भारतीय गेंदबाजी के आगे खुलके नहीं सके। बंगलादेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 135 रन ही बना सकी और मुकाबला 21 रन से हार गई। बंगलादेश का पहला विकेट तीसरे ओवर में शोबना मोस्तारी (13) के रूप में गिरा।

अगले ही ओवर में दिलारा अख़्तर (4) रन बनाकर पवेलियन लौट गई। रूबया हैदर (20), निगार सुल्ताना(7), शोरना अख्तर (1) और ऋतु मोनी (37) रन बनाकर आउट हुई। शोरिफा खातून (28) और राबेया खान (14) बनाकर नाबाद रही। ऋतु मोनी और शोरिफी बंगलादेश की महिला टीम के लिए छठे विकेट के लिये सबसे बड़ी 57 रन की साझेदारी की। भारत की ओर से राधा यादव ने सर्वाधिक तीन विकेट लिये। सोभना आशा को दो विकेट मिले। तितास साधु ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

'लम्बी फेहरिस्त होती जा रही है, उन लोगों की जो, मोदी को और भाजपा को राइट ऑफ करना चाहते हैं'

पर, क्या वाकई मोदी व भाजपा इतने संकट में हैं, राजनीतिक दृष्टि से?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 9 मई। क्या मोदी सरकार की संभावनाएं 2024 के चुनावों में औंधे मुंह गिर रही हैं?

पहले तीन चरणों के मतदान से संकेत मिलता है कि प्रधानमंत्री मोदी परेशानी में हैं। वे लगातार विभाजनकारी मुद्दे उठा रहे हैं और वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटका रहे हैं। क्योंकि जो सवाल उठाए जा रहे हैं, प्रधानमंत्री के पास इन सवालों के जवाब नहीं है।

प्रधानमंत्री लगातार हिंदू मुस्लिम का मुद्दा उठा रहे हैं, जो वे हर चुनाव में करते हैं पर इस बार आम जनता में इस मुद्दे के प्रति कोई उत्साह नहीं है।

मोदी अपने नारे "अबकी बार 400 पार" के जाल में फंस गए हैं। यह नारा मोदी और शाह की देन है और अब यह उन्हीं के गले की घंटी बन गया है।

- **शौकिया मनोवैज्ञानिकों ने कारण ढूँढ़ लिये हैं कि, मोदी बार-बार क्यों हिन्दू-मुस्लिम दुराव की बात कर रहे हैं।**
- **पर, एक बात यह भी है कि, क्या मोदी केवल पार्टी के कार्यकर्ता का मनोबल ऊंचा रखने के लिए अगली सरकार बनाने का दंभ भर रहे हैं या कोई ठोस स्कीम या प्लान है, जो शुरु के नतीजे भाजपा के माफिक हों।**
- **आर.एस.एस. व भाजपा के बीच मतभेद की बात भी क्या केवल मियाँ-बीवी के बीच रूठने मनाने का क्रम है और अंततोगत्वा वे एक हैं और एक ही रहेंगे हिन्दुत्व की रक्षा में।**

कांग्रेस ने संविधान बदलने के उनके इरादों के खिलाफ इतना भारी प्रचार किया कि वह जनता के दिलो दिमाग में बैठ गया।

दूसरा मुद्दा है दलितों, ओ.बी.सी. व अन्य का आरक्षण। विपक्ष का कहना है कि भाजपा की योजना आरक्षण खत्म करने की है। ये सबसे बड़े मुद्दे बन गए हैं। हालांकि भाजपा इन मुद्दों, जो उसे चुनाव में नुकसान पहुंचाने वाले हैं, से ध्यान हटाने की पूरी कोशिश कर रही है।

महत्वपूर्ण बात यह है कि आर.एस.एस. के कार्यकर्ता घर बैठे हैं, यह बात भाजपा के लिए काफी खतरनाक है क्योंकि आर.एस.एस. कार्यकर्ता भाजपा की ताकत है। भाजपा कार्यकर्ता भी चुप बैठे हैं और वोटों को सक्रिय करने के लिए कुछ नहीं कर रहे हैं क्योंकि मोदी सुपर पावर की तरह काम करते हैं और अगर जरुरत ना हो तो कार्यकर्ताओं की उपेक्षा करते हैं।

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि समाज का गरीब तबका किसान, मजदूर आदि चुप बैठे हैं और यह नहीं बता रहे हैं कि उन्होंने किसको वोट दिया है,

अल्पसंख्यक भी इस बार विभाजित नहीं है और वे उस प्रत्याशी को वोट दे रहे हैं जो भाजपा को हरा सकता है।

परिवर्तन दिख रहा है और जमीनी स्तर से मिल रही रिपोर्ट्स से ऐसा लगता है कि, नरेन्द्र मोदी मुश्किल में नहीं बल्कि बड़ी मुश्किल में हैं।

मु.मंत्री भजनलाल ने वारंगल में जनसभा की

वारंगल, 9 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरूवार को तेलंगाना के वारंगल में भाजपा प्रत्याशी अरूरी रमेश के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस ने देश को लूटने एवं बांटने का काम किया है। कांग्रेस ने तुष्टिकरण की सारी सीमाएं पार कर दी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री स्व. नरसिम्हा राव के किए गए अपमान को वारंगल की जनता भूली नहीं है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने स्व. नरसिम्हा राव को भारत रत्न से विभूषित किया है। उन्होंने कहा कि, तेलंगाना की जनता कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से त्रस्त है। यहां कारोबारियों और उद्यमियों को परेशान किया जा रहा है और भ्रष्टाचार का डबल आर टैक्स लगता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, इस लोकसभा चुनाव में एक तरफ देश को लूटने वाले हैं तो दूसरी तरफ मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस दौरान उन्होंने आव्हान करते हुए कहा कि, सभी लोग अपने वोट की ताकत पहचानें और भाजपा प्रत्याशी अरूरी रमेश को भारी मतों से विजयी बनाएं।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में आर.यू.एच.एस. के वी.सी. डॉ. सुधीर भंडारी ने इस्तीफा दिया

डॉ. धनंजय अग्रवाल आर.यू.एच.एस. के कार्यवाहक कुलपति नियुक्त

जयपुर, 9 मई। ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी एन.ओ.सी. मामले में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी ने गुरूवार को बर्खास्तगी के डर से राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया। कुछ देर बाद ही राज्यपाल ने उनका इस्तीफा मंजूर भी कर लिया। कहा जा रहा है कि, राज्य सरकार ने भी इस मामले में डॉ. भंडारी को बर्खास्त करने की पूरी तैयारी कर ली थी और इसके लिए दोपहर बाद चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने भी राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें जांच रिपोर्ट सौंपकर डॉ. भंडारी की भूमिका की जानकारी दी।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने रात को आदेश जारी कर सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज में नेफ्रोलोजी विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. धनंजय अग्रवाल को आर.यू.एच.एस. का कार्यवाहक कुलपति नियुक्त किया है।

गौरतलब है कि, इस मामले में पहले ही राज्य सरकार एस.एम.एस. के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा और एस.एम.एस. मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजीव बगरहट्टा को पद से हटा चुकी है। डॉ. सुधीर भंडारी को भी पहले इस्तीफा देने के लिए कहा गया था, लेकिन उन्होंने इस मामले में उनकी कोई भूमिका होने से इन्कार करते हुए इस्तीफा देने से मना कर दिया था। इसके बाद चिकित्सा मंत्री खींवसर ने डॉ. भंडारी को पद से हटाने के लिए राज्यपाल से मिलकर सिफारिश करने की घोषणा की थी।

राज्य में पिछले दो दिनों से चल रहे घटनाक्रम में पहले एस.एम.एस. अधीक्षक और प्राचार्य को हटाया गया और उसके बाद कुलपति को बर्खास्त करवाने की बात कही गई। इसके बाद चिकित्सा मंत्री दिल्ली चले गए और एक दिन पहले राज्यपाल भी दिल्ली गए थे। ऐसे में, बीच का रास्ता तलाशने के लिए कुलपति डॉ. सुधीर भंडारी भी बुधवार को दिल्ली ही थे, लेकिन उनकी बात नहीं बन पाई। देर रात चिकित्सा मंत्री ने जयपुर लौटते ही दोपहर को राज्यपाल से मिलने की बात कही। सुबह चिकित्सा मंत्री के राज्यपाल के पास जाने की खबर वायरल होते ही करीब 11 बजे डॉ. सुधीर भंडारी राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुंच गए। उन्हें मनाने की कोशिश की लेकिन राज्यपाल ने चिकित्सा मंत्री का पक्ष जाने बिना कोई निर्णय करने मना कर दिया। इस पर डॉ. भंडारी राज्यपाल को अपना इस्तीफा देकर लौट गए तथा दोपहर बाद चिकित्सा मंत्री ने विभाग के अधिकारियों के साथ राज्यपाल से मुलाकात कर पूरी जांच रिपोर्ट सौंपी और बताया कि, इस मामले में डॉ. भंडारी की कितनी भूमिका रही है। इसके बाद राज्यपाल ने डॉ. भंडारी का इस्तीफा मंजूर कर लिया।

- **चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने ऑर्गन ट्रांसप्लांट मामले में राज्यपाल को रिपोर्ट सौंपी तथा राज्य सरकार ने भंडारी को बर्खास्त करने की सिफारिश की।**
- **चिकित्सा मंत्री ने कहा कि, इस मामले की पेपर लीक प्रकरण की तर्ज पर ही जाँच होगी।**

राज्यपाल से मिलने के बाद चिकित्सा मंत्री खींवसर ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि, पिछली सरकार में डॉ भंडारी का सारा कंट्रोल सेंट्रलाइज़्ड था। डॉ. भंडारी को एक के बाद एक प्रमोशन दिए गए। उन्होंने कहा कि, जैसे पेपर लीक मामले में मुख्यमंत्री ने कार्रवाई की है, उसी तरह इस मामले में भी आरोपियों के जहां भी तार जुड़े हैं, उन तक पहुंचा जाएगा। उन्हें बेनकाब कर सजा दिलवाई जाएगी। उन्होंने बताया कि, फर्जी एन.ओ.सी. के जरिये ऑर्गन ट्रांसप्लांट करने का मामला साल 2020 से चल रहा है। उन्होंने निजी अस्पतालों पर भी कड़ी कार्रवाई की बात कही।

गौरतलब है कि, ए.सी.बी. ने गत दिनों रिश्वत लेकर ऑर्गन ट्रांसप्लांट के लिए फर्जी एन.ओ.सी. देने के मामले में एस.एम.एस. हॉस्पिटल के सहायक प्रशासनिक अधिकारी गौरव सिंह को गिरफ्तार किया था।

इसके अलावा प्राइवेट हॉस्पिटल फोर्टिस और ई.एच.सी.सी. के एक-एक अधिकारी को पकड़ा था। इसके कुछ दिनों बाद ही हरियाणा के गुरूग्राम में पैसे लेकर मानव अंग ट्रांसप्लांट करवाने का मामला सामने आया था। इस मामले में कई ट्रांसप्लांट जयपुर में ही हुए थे।

'हमारी सरकार में मुझ पर देशद्रोह ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पायलट ने कहा, पुरानी हिस्ट्री देख लीजिए, जब हम सत्ता में थे तो एक बार 56 सीटें आईं, फिर 21 सीटें आईं। इस बार राजस्थान में हमारे 71 विधायक हैं। यह अलग बात है कि हम सरकार रिपीट नहीं कर पाए। हम सामूहिक रूप से एक साथ मिलकर चुनाव लड़े थे। कोई कड़वाहट नहीं है, इससे कोई नुकसान नहीं हुआ। कुछ मुद्दों पर अलग राय हो सकती है। हमारा मकसद सरकार बनाना था। हम मिलकर चुनाव लड़े थे। पहले जहां सत्ता में रहते हुए 21 सीटें आती थीं, इस बार हमारे 71 विधायक हैं।

सियासी संकट के वक्त गहलोत सरकार पर फोन टैप करने के, गहलोत के पूर्व ओ.एस.डी. लोकेश शर्मा के बयान के बारे में पूछने पर पायलट ने कहा कि, नेतृत्व परिवर्तन और सत्ता परिवर्तन दो अलग-अलग बातें हैं। उस समय हमारे कुछ मुद्दे थे। हम चाह रहे थे कि, उन मुद्दों में सरकार को कोर्स करैक्शन करने की जरूरत है। सरकार में कुछ बदलने की बातें थीं। पार्टी के सामने हमने बातों को रखा, बात सुनी गई और फिर सरकार और पार्टी स्तर पर बदलाव हुए। हम जो काम करेंगे वो ही रिज़ल्ट मिलेगा। हमने कहा था कि, पर्सैप्शन बदलने के लिए सरकार में कुछ बदलावों की जरूरत है। राजनीति में किसी ने कोई बयान दिया, किसी ने आरोप लगाए, यह चलता रहता है। दिसंबर 2013 में राजस्थान में कांग्रेस की हार के बाद मुझे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बनाने का फैसला हुआ, तब हमारे 21 विधायक थे।

राज्य में वसुंधरा राजे की सरकार बन गई थीं। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए थे। उस वक्त लोग कहते थे कि, राजस्थान में 10 साल कांग्रेस राज में नहीं आने वाली, सचिन पायलट को अध्यक्ष बनाकर भ्रूण हत्या कर दी। मैंने पी.सी.सी. की फोर्ड एन्डेवर निकाली और 5 लाख किलोमीटर से ज्यादा घूमा। अकेले नहीं, सबको साथ लिया। पांच साल बाद सरकार बनाई। यह अलग बात है कि, हम सरकार रिपीट नहीं कर पाए।

कांग्रेस नेताओं ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के बयान पर हमला बोलते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का यदि यह आरोप सत्य है तो वो भ्रष्टाचार की जांच के लिए ई.डी. व आयकर विभाग को जांच के लिए क्यों नहीं आदेश देते। पूर्व केन्द्रीय मंत्री शकील अहमद ने भी इस मुद्दे पर कहा कि तीन चरणों का मतदान समाप्त होने के बाद मोदी को अपनी पराजय का डर सता रहा है इसलिए अब उन्होंने अपने ही मित्रों के खिलाफ बोलना प्रारंभ कर दिया है।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष अल्का लांबा ने भी कहा कि अब देखना यह है कि क्या ई.डी. और आयकर विभाग प्रधानमंत्री से उनके द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के बारे में पूछताछ करेगी जो उन्होंने उनके दो ज़िगरी मित्रों पर लगाए हैं। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने चुनौती देते हुए कहा कि ई.डी. एवं आयकर विभाग प्रधानमंत्री के अधीन है अत: उनकों अपने मित्रों पर छापे मारने का आदेश देना चाहिए। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत और मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी इतने ज्यादा परेशान क्यों हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को अडाणी व अंबानी के खिलाफ जांच करने के लिए ई.डी. एवं सी.बी.आई. को भेज देना चाहिए।

प्र.मंत्री मोदी और राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को चुनौती पेश करते हुए कहा गया है कि "18वीं लोकसभा के लिए चल रही वोटिंग प्रक्रिया अपना आधा रास्ता तय कर चुकी है। सत्तारूढ़ भाजपा और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस के नेता रैलियों और सार्वजनिक संबोधनों में हमारे संवैधानिक लोकतंत्र से संबंधित महत्वपूर्ण सवाल उठा चुके हैं।"

उक्त तीनों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में रेखांकित किया गया है कि प्रधानमंत्री ने आरक्षण, धारा 370 और धन-सम्पत्ति के पुर्नवितरण पर कांग्रेस को खुले आम चुनौती दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संविधान की संभावित काट-छांट, इलैक्टोरल बॉण्ड स्कीम और चीन के प्रति सरकार की प्रतिक्रिया को लेकर प्रधानमंत्री से सवाल किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को एक सार्वजनिक बहस करने की भी चुनौती दी है।

पत्र में एक प्रस्ताव के साथ ही रिप्लाई एड्रैस भी दिया गया है। प्रस्ताव के अनुसार, बहस का स्थल, अवधि और फॉर्मेट की शर्तें वे ही होंगी जिन पर प्रधानमंत्री और राहुल गांधी दोनों सहमत हो जाए और ये नेता यदि स्वयं बहस नहीं करना चाहते तो वह इसके लिए अपने-अपने प्रतिनिधि मनोनीत कर सकते हैं।

मदन बी. लोकुर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश हैं, जबकि ए.पी. शाह दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस हैं। एन. राम एक सीनियर पत्रकार और "द हिंदू" अखबार के पूर्व संपादकीय प्रभारी हैं।

भारी मतदान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जिससे साबित होता था कि शिकायत दुर्भावनापूर्ण थी।

राज्यपाल बोस ने राजभवन में पुलिस को प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी थी और स्थानीय पुलिस का किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप बंद कर दिया था।

राज्यपाल बोस ने कुछ विशेष नागरिकों को सी.सी.टी.वी. पर फुटेज कवरेज देखने के लिए आमंत्रित किया है और उन्होंने कहा था कि वे प्रैस के लोगों से स्वयं बात करेंगे। हालांकि उन्होंने तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों और मंत्रियों का राजभवन में प्रवेश निषेध कर दिया था। बंगाल के चुनावी माहौल में आरोप घने व तेजगति से मंडरा रहे हैं। जनता बुद्धिमान नज़र आ रही है पर वे थोड़े संकेत देने लगे है कि वो किसे वोट देने वाले हैं।

'देश की जनसंख्या में 1950...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सभी नीतिगत कार्यवाहियों, राजनीतिक निर्णयों और सामाजिक प्रक्रियाओं का शुद्ध परिणाम समाज में बढ़ती विविधता के लिए एक सकारात्मक वातावरण उपलब्ध करवाना है।

रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि बहुसंख्यक समुदाय की घटती आबादी के वैश्विक रूझान के क्रम में भारत में भी बहुसंख्यक धार्मिक समुदाय की आबादी के शेयर में 7.82 प्रतिशत कमी देखने को मिली।

पेपर में कहा गया कि दक्षिण एशियाई पड़ौसी देशों के वृहद संदर्भ को देखते हुए यह अपने आप में खास है क्योंकि उन पड़ौसी देशों जैसे कि बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान और अफगानिस्तान में बहुसंख्यक लोगों की आबादी बढ़ी है, जबकि अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की आबादी में भारी गिरावट आई है।

पेपर में कहा गया कि यह तथ्य आश्चर्यजनक नहीं है, तभी तो उत्पीड़न के समय के दौरान पड़ोस के देशों की अल्पसंख्यक आबादी भारत आकर बसी। रिपोर्ट ने संकेत दिया कि, सभी मुस्लिम बहुल देशों में, बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय के शेयर में वृद्धि देखी गयी सिवाय मालदीव के, जहां बहुसंख्यक गुट (शफी सुन्नी) में 1.47 प्रतिशत की कमी आयी।

बांग्लादेश में, बहुसंख्यक धार्मिक समूह के शेयर में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई जो कि, भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे ज्यादा है। पाकिस्तान में, बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय (हनाफी मुस्लिम) के शेयर में 3.75 प्रतिशत वृद्धि और कुल मुसलमानों की जनसंख्या में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि सन् 1971 में बांग्लादेश बन चुका था।

रिपोर्ट के अनुसार, गैर-मुस्लिम बहुल देशों, भारत, म्यांमार और नेपाल में बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदायों में कमी देखी गई।

रिपोर्ट में वर्ष 1950 को बेसलाइन वर्ष लेने के दो प्रमुख कारण हैं।

रिपोर्ट ने कहा, यही समय था जब संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकारों की रूपरेखा बनी थी, अल्पसंख्यक के अधिकारों और अल्पसंख्यकों के संरक्षण के प्रति राज्य की जिम्मेवारी को अंतरराष्ट्रीय कानून की मुख्य धारा में लाया गया था।

यह रिपोर्ट दुनिया भर में सन् 1950 से सन् 2015 के बीच के 65 वर्षों में अल्पसंख्यकों की उस देश की जनसंख्या में बदलते शेयर की स्थिति पर एक विस्तृत वर्णनात्मक विश्लेषण है। जिन 167 देशों में यह विश्लेषण किया गया वहां, बेसलाइन वर्ष 1950 में, बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय के शेयर की औसत वैल्यु 75 प्रतिशत थी, जबकि, वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच बहुसंख्यक धार्मिक संप्रदाय के बदलाव का औसत 21.9 है। सरसरी तौर पर देखने से पता चलता है कि वर्ष 1950 से वर्ष 2015 के बीच की जानकारी उठाने और जारी करने का फैसला बड़ी ही अक्लमंदी से किया गया है ताकि ऐसा नेरेटिव बनाया जा सके तो सत्तारूढ़ पार्टी के अनुकूल हो।

प्र.मंत्री मोदी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, जदयू 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है जो कि वर्ष 2019 के चुनावों से केवल एक कम है। इस बार, नीतीश कुमार का प्रभाव और राजनीतिक प्रतिष्ठा, कथित तौर से, उनके बार-बार पाला बदलने और उनकी आयु के कारण कम हो गयी है। दूसरी तरफ शिव सेना का एकनाथ शिंदे गुट और अजीत पवार की एन.सी.पी. एक अलग पार्टी के रुप में, पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं।

"इशु लैस" चुनाव ने सभी को डरा रखा है, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सीमित व कम होती है, इसीलिए चार महीने पहले जनमानस में गहलोत सरकार के सर्वव्यापी भ्रष्टाचार के कारण जो रोष था, उद्वेग था, वह कुछ धुंधला पड़ गया, नहीं तो वह जनआक्रोश अपने आप पर्याप्त था, आम आदमी के मन में चुनाव के प्रति उदासीनता के बादलों को भेदने के लिये। पर, यह भी सच है कि, दूसरी ओर भाजपा भी इतनी प्रचंड लहर नहीं पैदा कर सकी, प्र.मंत्री मोदी के पक्ष में कि, जनता उमड़-उमड़ कर झुण्डों में आती वोट देने।

इस "इशू लैस" चुनाव में क्या "रिज़ल्ट" रहेगा, इसका भय भाजपा, कांग्रेस, अफसर, पुलिस तथा सत्ता के गलियारों में चक्कर लगाने वाले आधे-अधूरे से दलालों, सबको सता रहा है। इन लोगों को भय है कि, अगर अपनी दुकानों में गलत सामान रख लिया तो बिक्री तो छोड़ो, लेने के देने पड़ जायेंगे। इन समुदायों के नेताओं, कई जातियों को भय है कि, अब तक प्रचलित कई राजनीतिक किंवदंतियां व धारणाएं, नेस्तनाबूद हो सकती हैं, चुनाव के नतीजों से। विधानसभा चुनावों में धारणा फैली थी कि, शेखावाटी में (सीकर, झुंझुनूं, चूरू) जाटों ने हर बार की तरह अपना वोट बंटने नहीं दिया और कांग्रेस के पक्ष में जमकर मतदान किया, जिससे शेखावाटी में कांग्रेस को भारी सफलता मिली। पर, इसी क्षेत्र के एक वरिष्ठतम जाट नेता का इससे भिन्न सोच है। उनका कहना है, जाट वोट विभाजित हुआ, 60:40 या 55:45 के अनुपात में। पर, कांग्रेस विजयी हुई मुसलमान व एस.सी. मतदाताओं के एकतरफा कांग्रेस के समर्थन के कारण। अगर यह प्रदर्शन लोकसभा चुनाव के रिज़ल्ट में दोहराया जाता है तो, प्रदेश की राजनीति में भारी बदलाव लायेगा। स्वाभाविक ही है, जाट समुदाय इस संभावना से व्यथित है, डरा हुआ सा है।

एक और धारणा प्रचलित है कि, मूल ओ.बी.सी. (माली, धोबी, प्रजापत, कुम्हार, सुनार आदि) सदा से भाजपा का अभेद्य किला रहे हैं। तथा अब तक इस मूल ओ.बी.सी. वर्ग ने भाजपा को, जाटों, एस.सी. व अल्पसंख्यक वर्ग के "ऑन स्लॉट" (भारी मतदान) के परिणामों से बचाया है। इस धारणा का भी टैस्ट होगा कि, यह धारणा प्रमाणित होगी या अप्रमाणित साबित होगी लोकसभा चुनाव के नतीजों से।

यह भी माना जाता है कि, महिलाएं जम कर वोट करेंगी भाजपा के लिये, मोदी जी के लिये, क्योंकि राम मंदिर बनना उनके लिये भावना व श्रद्धा का विषय है, अत: भारी संख्या में वोट देकर, वे अपने आपको उऋण महसूस करना चाहेंगी। इस बार चुनाव के पूर्व यह बात भी खूब फैली थी कि, भाजपा के प्रति राजपूत कुछ अनमने से हैं, रूपाला प्रकरण से, राजेन्द्र राठौड़ की तथाकथित अवहेलना से, आदि, आदि। अगर यह अनमनापन राजनीतिक दृष्टि से, चुनाव की दृष्टि से बेअसर रहा तो वाकई में चिन्ता का विषय रहेगा और भय व आशंका का कारण बनेगा, आत्मसम्मान से ओत-प्रोत समाज के लिये।

पिछले विधानसभा चुनावों में गुर्जर कांग्रेस से विमुख हो गये थे तथा भाजपा की ओर बढ़ गये थे, पार्टी में अपने लाड़ले नेता सचिन पायलट को लगातार तिरस्कृत व अपमानित होता देखकर। इस तिरस्कार का मूल वे गहलोत को मानते थे तथा हाईकमान किन्ही कारणों से मूकदर्शक बनकर रह गया था इस पूरे प्रकरण में। इस बार इस समुदाय ने यह महसूस किया कि, पायलट की चली है लोकसभा चुनाव में। उदाहरण के लिये, उनके कहने से, उनके नौ-दस समर्थकों को टिकट मिले। अत: लोकसभा चुनाव में किसी हद तक गुर्जरों की कांग्रेस में वापसी हुई है। पायलट ने भी अवसर का पूरा लाभ उठाया तथा अपने समर्थकों के क्षेत्र में आम सभाएं, रोड शो किये। जबकि गहलोत, धृतराष्ट्र की भांति पुत्र मोह से ग्रसित, अधिकतर वैभव के चुनाव तक ही सीमित रहे। रिज़ल्ट से पायलट व उनके समर्थक भयभीत नहीं हैं, क्योंकि जिन सीटों पर कांग्रेस की जीत की संभावना देखी जा रही है और जहां जीत पक्की सी मानी जा रही है (दौसा, टोंक, सवाई माधोपुर, जयपुर ग्रामीण) सभी पायलट के क्षेत्र माने जाते हैं। अगर जीत न भी हो तो भी यह तो अवश्य ही कहा जा सकता है कि, भाजपा की जीत का मार्जिन बहुत कम होगा, अन्य सीटों की तुलना में।

गहलोत की चिंता व भय का एक बड़ा कारण यह भी है कि, अगर भाजपा का स्कोर 25.0 रहा तो गहलोत समर्थक राजनीतिक नेता व अफसर भाजपा के समक्ष अपने मार्क्स बढ़ाने के लिए, अपना-अपना मुंह खोलने लगेंगे, गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार व कुप्रबंधन के सबूत पेश करने के लिये। गहलोत के प्रबल समर्थक, जिनको अपनी सरकार बचाने के लिये टिकट दिलाने में गहलोत पूरी तरह अंतिम क्षणों तक प्रयासरत थे, व दर्जनों अन्य नेता अब पार्टी बदलकर, भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर चुके हैं। फोन टैपिंग, पेपर लीक और किडनी ट्रांसप्लांट, ऐसे सदाबहार प्रकरण हैं, जिन पर गहलोत सरकार को कभी भी लपेटा जा सकता है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908